- भाजपा ने नीतीश को हाईजैक किया, राजग जीती तो नहीं बनेंगे मुख्यमंत्री : तेजस्वी - 12

- ब्रिटेन और जर्मनी को छूट तो भारत पर निशाना क्यों - 12

- अमेरिकी दावा, भारत ने रूस से तेल का आयात कम करना शुरू किया - 13

- रविंद्र जडेजा की मौजूदगी से मध्य प्रदेश के खिलाफ सौराष्ट्र मजबूत स्थिति में - 14

आज का मौसम

32.0⁰ अधिकतम तापमान

22.0⁰ न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.13

सूर्यास्त 05.32

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

अयोध्या

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

कार्तिक शुक्ल पक्ष चतुर्थी 03:48 उपरांत पंचमी विक्रम संवत 2082

शनिवार, 25 अक्टूबर 2025, वर्ष 4, अंक 71, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

प्रेमी के शादी से इन्कार करने पर नाराज होकर पूजा ने दी थी जान

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : किला छावनी में किराए के मकान में रहने वाली पूजा ने अपने प्रेमी के शादी करने से इन्कार करने और लगातार मानसिक रूप से प्रताड़ित करने से तंग होकर फंदा लगाकर आत्महत्या की थी। पूजा के पति ललित मिश्रा की तहरीर पर किला थाना पुलिस ने प्रेमी भांजे समेत चार आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

बाराबंकी के अमोली कला, थाना रामनगर निवासी ललित मिश्र ने बताया कि वह मौजूदा समय में कंपाउंड थाना, वेव सिटी लालकुआं, गाजियाबाद में रह रहे हैं। आरोप है कि उनकी पत्नी पूजा मिश्रा का उसके सगे भांजे मढ़िया, थाना पिसावा, सीतापुर निवासी आलोक मिश्रा के साथ लंबे समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था। वह पूजा को गुमराह कर आठ माह पहले भगा ले गया। पूजा के साथ आलोक दो-दो माह स्थान बदल-बदल कर रहता था। दो माह पहले वह पूजा को लेकर बरेली आया और किला छावनी में किराए पर कमरा लेकर रहने लगा। आलोक के इस काम में उसका साथ बिजेश मिश्र, अनूप मिश्र और आलोक के बुआ का बेटा प्रशांत तिवारी सहयोग करते थे। आलोक उसे शादी करने का झांसा देकर लाया था। पूजा ने उसे कई बार फोन कर बात बताई। इसी वजह से पूजा ने 22 अक्टूबर को फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली।

आंध्र प्रदेश में चलती बस में लगी आग, 20 जिंदा जले

कुरनूल में हुआ हादसा, बाइक टकराकर बस के फ्यूल टैंक में फंसने से लगी आग, 40 यात्री थे सवार

कुरनूल (आंध्र प्रदेश), एजेंसी

अमृत विचार : हैदराबाद से बेंगलुरू जा रही एक निजी बस में शुक्रवार को आंध्र प्रदेश के कुरनूल में एक दोपहिया वाहन से टक्कर के बाद आग लग गई, जिससे 20 लोगों की मौत हो गई। अधिकतर मृतकों के शव इतने जल चुके थे कि उनकी पहचान नहीं की जा सकती।

पुलिस ने बताया कि मृतकों में वह बाइक सवार भी शामिल है जिसकी मोटरसाइकिल ट्रक से टकराई थी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू और तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने घटना पर दुख व्यक्त किया। कुछ शव इतने जल चुके थे कि उनकी पहचान नहीं हो पा रही थी, जिसके कारण अधिकारियों को मृतकों के डीएनए नमूने एकत्र करने के लिए फोरेंसिक टीम को बुलाना पड़ा। एक अधिकारी ने बताया कि कई यात्री इस दुर्घटना में बच नहीं पाए क्योंकि हादसा रात में हुआ और तब यात्री सो रहे थे। प्रधानमंत्री मोदी ने पीड़ितों के लिए अनुग्रह राशि की घोषणा भी की। मोटरसाइकिल कुरनूल में चिन्नातेकुर के पास बस से टकरा कर उसके नीचे आ गई और उसकी ईंधन टंकी का ढक्कन खुल गया। कुरनूल रेंज के पुलिस उप महानिरीक्षक (डीआईजी) कोया प्रवीण ने बताया, अब तक जली हुई बस से शव निकाले जा चुके हैं। बाइक सवार का शव मुर्दाघर में है। उन्होंने कहा कि हताहतों और जीवित बचे लोगों की पूरी स्थिति, पूरी जांच और दुर्घटना में शामिल सभी लोगों की पहचान के बाद ही सामने आएगी।

हादसे के बाद जली बस।

- राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री ने बस हादसे में लोगों की मौत पर दुख जताया अनुग्रह राशि की घोषणा की

शॉर्ट सर्किट से बस का दरवाजा हो गया था जाम

पुलिस ने बताया कि शॉर्ट सर्किट के कारण बस का दरवाजा जाम हो गया और देखते ही देखते बस पूरी तरह जल गई। पुलिस ने बताया कि अधिकतर जीवित बचे लोगों की उम्र 25 से 35 साल के बीच है। जिला कलेक्टर ए. सिरी ने बताया कि बस में 41 लोग सवार थे, जिनमें चालक भी शामिल था। बस में सवार 41 लोगों में से 21 का पता लगा लिया गया है। उन्होंने बताया कि दुर्घटना में बच गए लोगों की हालत स्थिर है और वे खतरे से बाहर हैं। उन्होंने बताया कि कई यात्री इस हादसे के बाद बस से बाहर नहीं निकल पाये क्योंकि यह हादसा रात में हुआ जब वे सो रहे थे। उन्होंने बताया कि बस का दरवाजा तुरंत नहीं खुला क्योंकि कुछ तार कट गए थे, जिससे हादसे की गंभीरता और बढ़ गई। सिरी ने बताया कि अधिकतर यात्री हैदराबाद के थे। अधिकारियों ने शुरू में कहा था कि बस पड़ोसी राज्य तेलंगाना के हैदराबाद जा रही थी।

ब्रीफ न्यूज

बुकर फाउंडेशन ने नए चिल्ड्रन बुकर पुरस्कार की शुरूआत की

लंदन। बुकर प्राइज फाउंडेशन ने शुक्रवार को काल्पनिक कहानियों के लिए एक नया 'चिल्ड्रन बुकर पुरस्कार' शुरू करने की घोषणा की जिसका चयन बाल और वयस्क निर्णायकों द्वारा संयुक्त रूप से किया जाएगा। यह प्रतिष्ठित वार्षिक पुरस्कार प्रदान करने वाले बुकर प्राइज फाउंडेशन ने कहा कि इस पुरस्कार के पहले संस्करण के नामांकन की शुरूआत 2026 में होगी और 2027 से यह प्रतिवर्ष प्रदान किया जाएगा। इसके तहत विजेता को 50,000 पाउंड (करीब 59 लाख रुपये) दिया जाएगा।

दिल्ली: चार स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली। दिल्ली के चार स्कूलों को शुक्रवार सुबह बम की धमकी भरे ईमेल मिले, जिसके बाद अधिकारियों को पूरी जांच के लिए परिसरों को तुरंत खाली कराना पड़ा। दिल्ली अग्निशमन सेवा के एक अधिकारी ने बताया कि चार स्कूलों को मिले बम की धमकी वाले ईमेल जांच के बाद फर्जी निकले। विभाग के अनुसार, द्वारका के सेक्टर 16 स्थित सीआरपीएफ स्कूल में बम रखे होने की धमकी के संबंध में फोन पर पहली सूचना सुबह 8.15 बजे मिली। नांगलोई के संत दर्शन पब्लिक स्कूल से सुबह 8.20 बजे फोन पर इसी तरह की सूचना मिली।

विकास कार्यों को मिलेगी गति, पीडब्ल्यूडी अफसरों के वित्तीय अधिकार 5 गुना बढ़ाए

मुख्यमंत्री योगी ने वर्ष 1995 के बाद पहली बार किया वित्तीय सीमाओं का पुनर्निर्धारण

- मुख्य अभियंता 10 करोड़ तो अधीक्षण अभियंता पांच करोड़ रुपये तक के स्वीकृत करेंगे कार्य

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोक निर्माण विभाग में 30 वर्ष बाद एक ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए विभागीय अधिकारियों के वित्तीय अधिकारों में पांच गुना तक वृद्धि की है। अब मुख्य अभियंता को 10 करोड़ तो अधीक्षण अभियंता को पांच करोड़ रुपये तक के कार्य स्वीकृत करने का अधिकार होगा। यह कदम प्रदेश में विकास परियोजनाओं के क्रियान्वयन को गति देने और प्रशासनिक प्रक्रिया को अधिक प्रभावी व पारदर्शी बनाने की दिशा में बड़ा सुधार माना जा रहा है।

आवास पर शुक्रवार को लोक निर्माण विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में सीएम ने कहा कि वर्ष 1995 में तय किए गए वित्तीय अधिकार अब वर्तमान परिस्थितियों में अप्रासंगिक हो चुके हैं। पिछले तीन दशकों में निर्माण लागत में पांच गुना से अधिक वृद्धि दर्ज की गई है। इसलिए, अधिकारियों को अधिक वित्तीय स्वायत्तता प्रदान करना समय की मांग है ताकि निर्णय प्रक्रिया तेज हो और कार्य समय पर पूरे किए जा सकें। बैठक में प्रमुख सचिव (पीडब्ल्यूडी) अजय चौहान की ओर से वित्तीय सीमाओं को लेकर दिए गए प्रस्तुतीकरण और गहन विचार-विमर्श के बाद मुख्यमंत्री योगी ने सिविल कार्यों के लिए वित्तीय अधिकारों में पांच गुना और विद्युत व यांत्रिक कार्यों के लिए दो गुना तक की वृद्धि को स्वीकृति दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन बदलावों से निविदा, अनुबंध और कार्यारंभ की प्रक्रिया में गति आएगी, जबकि उच्च स्तर पर अनुमोदन की आवश्यकता घटेगी। यह सुधार वित्तीय अनुशासन को बनाए रखते हुए प्रशासनिक दक्षता और पारदर्शिता में वृद्धि करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोक निर्माण विभाग प्रदेश की विकास परियोजनाओं का मेरुदंड है। उन्होंने विश्वास जताया कि योग्यता, अनुभव और वरिष्ठता आधारित पदोन्नति व्यवस्था से विभागीय कार्यकुशलता और तकनीकी गुणवत्ता में नई ऊर्जा का संचार होगा।

लखनऊ में अधिकारियों के साथ बैठक करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

अभियंता सेवा नियमावली में होगा संशोधन

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि उत्तर प्रदेश अभियंता सेवा (लोक निर्माण विभाग) (उच्चतर) नियमावली, 1990 में संशोधन किया जाएगा। नई नियमावली में विद्युत एवं यांत्रिक संवर्ग में पहली बार मुख्य अभियंता (स्तर-एक) का पद सृजित किया गया है। साथ ही, मुख्य अभियंता (स्तर-दो) और अधीक्षण अभियंता के पदों की संख्या में वृद्धि की गई है। पदोन्नति प्रक्रिया, वेतनमान और चयन समिति की संरचना को अद्यतन करते हुए सेवा व्यवस्था को अधिक संगठित और पारदर्शी बनाया जाएगा।

ऐसे बढ़े अधिकार

- **मुख्य अभियंता :** 2 करोड़ से 10 करोड़
- **अधीक्षण अभियंता :** 1 करोड़ से 5 करोड़
- **अधिशासी अभियंता :** 40 लाख से 2 करोड़
- **सहायक अभियंता :** सीमित दायरे में टेंडर स्वीकृति का अधिकार

इन सुधारों को मंजूरी

- उप्र अभियंता सेवा (पीडब्ल्यूडी) (उच्चतर) नियमावली, 1990 में संशोधन
- विद्युत एवं यांत्रिक संवर्ग में मुख्य अभियंता (स्तर-एक) का नया पद
- पदोन्नति प्रक्रिया और वेतनमान स्पष्ट, प्रशासनिक दक्षता व पारदर्शिता में वृद्धि

रोजगार मेले में 51 हजार जॉब लेटर बांटे

युवाओं को सशक्त बनाना प्राथमिकता

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि भाजपा नीत राजग सरकार युवाओं को सशक्त बनाने के लिए काम कर रही है और सरकारी नौकरी पाने से वंचित उम्मीदवारों को निजी क्षेत्र के संभावित नियोक्ताओं से जोड़ने के लिए रास्ते बनाए गए हैं। 17वें रोजगार मेले में मोदी का एक संदेश चलाया गया जिसमें उन्होंने कहा कि देश की विदेश नीति भी युवाओं के हितों को ध्यान में रखकर बनाई जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि यह केवल सरकारी नौकरी नहीं है, बल्कि आपको राष्ट्र सेवा में सक्रिय योगदान देने का मौका बड़ा मौका है। देश भर में आयोजित रोजगार मेलों में 51,000 से अधिक उम्मीदवारों को सरकारी नौकरियों के नियुक्ति पत्र सौंपे गए। अपने संदेश में मोदी ने कहा कि देशभर में रोजगार मेलों के जरिए अब तक 11 लाख से अधिक नियुक्ति पत्र जारी किए जा चुके हैं। कहा कि सरकार ने एक नई पहल ''प्रतिभा सेतु पोर्टल'' शुरू की है जो उन अभ्यर्थियों को अवसर प्रदान करती है जो संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की परीक्षा के परिणाम की अंतिम सूची में तो पहुंच गए थे, लेकिन चयनित नहीं हुए। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, उनके प्रयास व्यर्थ नहीं जाएंगे, क्योंकि निजी और सार्वजनिक दोनों संस्थान अब पोर्टल के माध्यम से इन प्रतिभाशाली लोगों से जुड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि युवा प्रतिभाओं का ऐसा इष्टतम उपयोग दुनिया को भारत की क्षमता का प्रदर्शन कराएगा।

- प्रधानमंत्री ने कहा- यह केवल सरकारी नौकरी नहीं, राष्ट्र सेवा में सक्रिय योगदान देने का मौका

शर्मनाक... मदरसे में पढ़ाना है तो बेटी का 'वर्जिनिटी सर्टिफिकेट' लेकर आओ

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार: मुरादाबाद के लोधीपुर स्थित जामिया असानुल बनात गर्ल्स मदरसा में पढ़ने वाली कक्षा 7 की छात्रा के 8वीं में आने के बाद आगे पढ़ाई जारी रखने के नाम पर मदरसा प्रबंधन द्वारा अभिभावक से उसका वर्जिनिटी सर्टिफिकेट मांगा गया। अभिभावक ने आपत्ति जताई तो उनके साथ अभद्रता की गई। जिसके बाद पीड़ित परिवार ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से शिकायत करते हुए कार्रवाई की मांग की। जानकारी पर अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के अधिकारी भी हरकत में आए और शनिवार को टीम मदरसे में जाएगी। पुलिस ने एडमिशन सेल के इंचार्ज शाहजहां को शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया है।

चंडीगढ़ निवासी एक व्यक्ति ने बेटी का दाखिला 2024 में कक्षा 7 में पाकबड़ा थाना क्षेत्र के लोधीपुर राजपूत सीएनजी पंप के सामने जामिया असानुल बनात गर्ल्स मदरसे में कराया था। पिता ने एसएसपी सतपाल अंतिल को दिए शिकायती पत्र में बताया कि वह छुट्टियों के बाद जब दोबारा बेटी को कक्षा 8वीं की पढ़ाई के लिए मदरसा में छोड़ने आया तो एडमिशन सेल इंचार्ज शाहजहां व प्रधानाचार्या रहनुमा ने नाबालिग बेटी के दोबारा प्रवेश के नाम पर वर्जिनिटी सर्टिफिकेट मांग लिया। सर्टिफिकेट नहीं देने पर बेटी की टीसी ले जाने का दबाव बनाना। इस पर एसएसपी ने पाकबड़ा प्रभारी निरीक्षक को जांच कर आरोपियों के खिलाफ अभियोग पंजीकृत कर गिरफ्तारी के निर्देश दिए थे। शुक्रवार को पाकबड़ा पुलिस ने मदरसे पहुंच कर जांच की।

तानाशाही भरा फरमान

आरोपी एडमिशन सेल इंचार्ज शाहजहां को कोर्ट ले जाते पुलिसकर्मी।

- मुरादाबाद के मदरसे में नाबालिग छात्रा से सर्टिफिकेट मांगने का शर्मनाक मामला
- एसएसपी से शिकायत के बाद पाकबड़ा पुलिस ने केस दर्ज कर एक आरोपी को भेजा जेल

मदरसे प्रबंधन द्वारा नाबालिग छात्रा का वर्जिनिटी सर्टिफिकेट की मांग को लेकर छात्रा के पिता ने एसएसपी को शिकायती पत्र दिया था। पाकबड़ा पुलिस को दोषियों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए थे। पुलिस ने एडमिशन सेल के इंचार्ज शाहजहां को जेल भेज दिया है।
- कुमार रणविजय सिंह, एसपी सिटी मुरादाबाद

आईएसआईएस के दो आतंकवादी गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी

- दिल्ली स्थित घर से विस्फोटक सामग्री और आईईडी टाइमर बरामद, राजधानी को दहलाने की थी साजिश

दिल्ली और मध्य प्रदेश से आईएसआईएस के दो संदिग्ध आतंकवादियों को गिरफ्तार कर पुलिस ने राष्ट्रीय राजधानी स्थित एक घर से प्लास्टिक बम, पेट्रोल बम, टाइमर उपकरण और आतंकी संगठन के झंडे समेत विस्फोटक बनाने की सामग्री जब्त की है। आतंकी राष्ट्रीय राजधानी को दहलाने की साजिश रच रहे थे।

आरोपियों की पहचान दिल्ली निवासी मोहम्मद अदनान खान उर्फ अबू मुहरिब (19) और मध्य प्रदेश के भोपाल निवासी अदनान खान उर्फ अबू मोहम्मद (20) के रूप में हुई है। दोनों ही दक्षिण दिल्ली के एक मॉल और एक सार्वजनिक पार्क सहित शहर के भीड़भाड़ वाले इलाके में आतंकवादी हमला करने की साजिश रच रहे थे। उसके घर से एक पेन ड्राइव, हार्ड डिस्क, आईएसआईएस का एक झंडा-वफादारी की शपथ के दौरान इस्तेमाल किया गया कपड़ा- तथा आईईडी में इस्तेमाल होने वाली एक टाइमर घड़ी भी बरामद की गई है। दोनों त्योहारी सीजन के दौरान दिल्ली के भीड़भाड़ वाले इलाकों में आतंकी हमले करने की तैयारी में थे। दूसरे आरोपी अदनान खान को भोपाल एटीएस के सहयोग से गिरफ्तार किया गया। दोनों आईएसआईएस का प्रचार करने और संपादित जिहादी वीडियो प्रसारित करके युवाओं की भर्ती करने के लिए सोशल मीडिया पर एक नेटवर्क चला रहे थे।

'अबकी बार मोदी सरकार' स्लोगन लिखने वाले एड गुरु पीयूष नहीं रहे

मुंबई, एजेंसी

भारतीय विज्ञापन जगत में देसी फ्लेवर डालने वाले एड गुरु पीयूष पांडे का शुक्रवार को मुंबई में निधन हो गया। देश के 2014 के संसदीय चुनावों का लोकप्रिय स्लोगन 'अबकी बार, मोदी सरकार' पीयूष पांडे ने ही लिखा था।

पांडे ने भारतीय हास्य बोध और देसी अंदाज से हिंदी को मुख्यधारा में लाकर विज्ञापन जगत को नए तेवर दिए और अंग्रेजी-प्रधान विज्ञापनों को पीछे धकेल दिया। उनके लोकप्रिय विज्ञापन लोगों की यादों का हिस्सा बन चुके हैं जिनमें कैडबरी के 'कुछ खास है' व 'असली स्वाद जिंदगी का', एशियन पेंट्स का 'हर खुशी में रंग लाए' विज्ञापन शामिल हैं। पांडे को 2016 में पद्मश्री और 2024 में 'लंदन इंटरनेशनल अवार्ड्स' के लेजेंड अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

- 70 की उम्र में ली अंतिम सांस, 2016 में पद्मश्री और 2024 में लंदन में लेजेंड अवॉर्ड से किए गए थे सम्मानित

सुखद अहसास | मुख्य सचिव एसपी गोयल ने एयरपोर्ट की तस्वीरें और वीडियो साझा कर लिखा- इको फ्रेंडली और फ्यूचर ...रेडी है देश का अत्याधुनिक हवाई अड्डा

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट उड़ान को तैयार, भव्य तस्वीरें आईं सामने

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की तैयारी लगभग पूरी हो चुकी है। इसकी सामने आईं भव्य तस्वीरें मन को गदगद करने वाली हैं। आधुनिक यात्री व्यवस्थाओं का दर्शन कराने वाली वीडियो, तस्वीरें मुख्य सचिव एसपी गोयल ने साझा की हैं। मुख्य सचिव ने लिंक्डइन पर नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के निर्माण कार्य की मौजूदा स्थिति का वीडियो भी शेयर किया।

वीडियो में दिखाया गया है कि टर्मिनल बिल्डिंग का अधिकांश काम पूरा हो चुका है। फिनिशिंग का कार्य अंतिम चरण में है। इसमें यात्रियों के आगमन-प्रस्थान, चेक इन काउंटर्स, वाशरूम, एक्सीलेटर, सिक्योरिटी लाउंज समेत अन्य व्यवस्थाओं की अद्भुत तस्वीरें शामिल हैं। वीडियो में कार्यों को अंतिम रूप देते इंजीनियर्स भी नजर आ रहे हैं। इस एयरपोर्ट को बनाने में लगभग 29,650 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। यह 5,845 हेक्टेयर क्षेत्रफल में फैला है। एयरपोर्ट इतना बड़ा है कि इसमें एक साथ 178 विमान खड़े हो सकते हैं। यहां छह रनवे बनाए जा रहे हैं, जो इसे एशिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट बनाता है। इस एयरपोर्ट के रनवे की लंबाई 2900 मीटर और चौड़ाई 60 मीटर के करीब है। एयरपोर्ट की डिजाइन पूरी तरह से इको-फ्रेंडली और फ्यूचर-रेडी है। जिसमें सौर ऊर्जा का उपयोग और वर्षा जल संचयन जैसी तकनीक शामिल हैं। माना जा रहा है कि एयरपोर्ट इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बढ़ते दबाव को कम करेगा। अब दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को लंबी दूरी तय करने की आवश्यकता नहीं होगी।

नोएडा, ग्रेटर नोएडा, फरीदाबाद, गाजियाबाद, आगरा, अलीगढ़ और मुरादाबाद जैसे शहरों के लोगों के लिए यह एयरपोर्ट हवाई सफर को बेहद आसान बना देगा। पहले चरण में जेवर एयरपोर्ट से 10 शहरों के लिए उड़ानें शुरू की जाएंगी। इसमें लखनऊ, वाराणसी, गोरखपुर दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, बेंगलुरु, हैदराबाद, चंडीगढ़ और अहमदाबाद प्रमुख शहर होंगे। आने वाले वर्षों में यह नेटवर्क अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी विस्तार पाएगा। सिंगापुर, दुबई, दोहा और लंदन जैसे शहरों के लिए उड़ानें शुरू करने की योजना पहले से है।

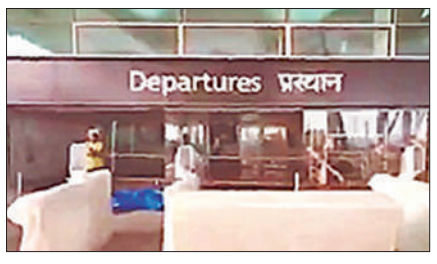

मोदी-योगी करेंगे शुभारंभ, फिर 45 दिन बाद शुरू होंगी उड़ानें

लखनऊ। पूर्व में 30 अक्टूबर को नोएडा एयरपोर्ट के शुभारंभ और इसके 45 दिन के अंदर उड़ानें शुरू करने की घोषणा की थी। इसके बाद अधिकारी भी अपनी तैयारी को पूरा करने में जुट गए थे। हालांकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का उक्त तारीख को अभी कार्यक्रम सामने नहीं आया है। इस बीच सूत्रों के अनुसार 30 अक्टूबर तक एयरपोर्ट का निर्माण कार्य पूरा करने पर जोर तो है, लेकिन कार्य पूरा होने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी पहले एयरपोर्ट का निरीक्षण कर सकते हैं। इसके बाद ही शुभारंभ की नई संभावित तिथि नवंबर के दूसरे सप्ताह तक घोषित होने का अनुमान है।

अमृत विचार

अयोध्या, शनिवार, 25 अक्टूबर 2025

यूपीपीएससी के 315 और विशेषज्ञ कार्य से मुक्त

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- गोपनीय कार्यों की गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर की गई कार्रवाई

अमृत विचार : उप्र. लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) ने चयन प्रक्रिया से जुड़े गोपनीय कार्यों की गुणवत्ता को बरकरार रखने के लिए सख्त रुख अपनाया है। इसके लिए आयोग ने नियमित समीक्षा के दौरान पिछले चार वर्षों में कार्य की गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर संबन्धित लगभग 450 विशेषज्ञों को आयोग के उक्त कार्य से हमेशा के लिए मुक्त कर दिया गया है।

यह जानकारी आयोग के परीक्षा नियंत्रक हर्षदेव पाण्डेय ने शुक्रवार को दी, उन्होंने बताया कि गोपनीय कार्यों के गुणवत्तापूर्ण प्रक्रिया की नियमित समीक्षा की जाती है, उक्त क्रम में हाल ही में विभिन्न विषयों के 315 विशेषज्ञों को पुनः सत्यनिष्ठा, गुणधर्मिता और आयोग द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप कार्य न करने पर गोपनीय कार्यों से हटाया गया है। उन्होंने कहा कि आयोग ने विशेषज्ञों के कार्य की गुणवत्ता की निरंतर समीक्षा के लिए संस्थागत व्यवस्था विकसित की है। आयोग चयन प्रक्रिया की पारदर्शिता और विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रहा है।

विधायक ने मुख्यमंत्री योगी को सौंपी क्षेत्रवार जनसांख्यिकी रिपोर्ट

भाजपा विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने जनसांख्यिकी असंतुलन का रोडमैप देते हुए नीति लागू करने का दिया प्रस्ताव

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- रिपोर्ट में यूपी की सामाजिक शैक्षिक और स्वास्थ्य संकेतकों का विस्तृत अध्ययन

अमृत विचार : भाजपा विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को उत्तर प्रदेश में जनसंख्या संरचना के असंतुलन और विकास के क्षेत्रवार अंतर को देखते हुए क्षेत्रवार जनसांख्यिकीय रिपोर्ट सौंपी है। रिपोर्ट में प्रदेश के सामाजिक, शैक्षिक और स्वास्थ्य संकेतकों का विस्तृत अध्ययन करते हुए सुझाव दिया गया है कि जनसंख्या नियंत्रण का समाधान किसी कानूनी दबाव से नहीं, बल्कि शिक्षा, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक सहभागिता से संभव है।

लखनऊ के सरोजनी नगर विधान सभा क्षेत्र से भाजपा विधायक राजेश्वर सिंह ने मुख्यमंत्री को सौंपी अपनी सात पेज की रिपोर्ट में उल्लेख किया है कि मुस्लिम बहुल देशों बांग्लादेश, इंडोनेशिया, ईरान, ट्यूनीशिया, तुर्की और मलेशिया ने महिलाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और धार्मिक समुदायों की भागीदारी के जरिये जनसंख्या स्थिरीकरण में उल्लेखनीय सफलता पाई है। डॉ. सिंह का कहना है कि उत्तर प्रदेश जैसे बड़े और विविध राज्य में भी यह मॉडल प्रभावी रूप से लागू किया जा सकता है। डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि यह नीति सामाजिक और जनसांख्यिकीय संतुलन बनाए रखते हुए विकास के समान अवसर सुनिश्चित करेगी। उन्होंने सुझाव दिया कि महिला स्वास्थ्य, शिक्षा और आर्थिक सशक्तिकरण को इस नीति का केंद्रीय तत्व बनाया जाए। सिंह ने अपनी रिपोर्ट में पश्चिमी यूपी के रामपुर, संभल, मुरादाबाद, मेरठ, बरेली मंडल सनेत पूरब के आजमगढ़ और मऊ जिलों के कई ब्लाकों में मुस्लिम जनसंख्या 60 फीसदी से अधिक होने का जिक्र भी किया है।

मुख्य सिफारिशें

- लड़कियों की शिक्षा और विवाह की औसत आयु में वृद्धि पर बल
- प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर गर्भनिरोधक साधनों की सुलभ उपलब्धता
- धर्माचार्यों और सामाजिक संगठनों की साझेदारी से संवाद
- महिला स्वावलंबन के लिए माइक्रोफाइनेंस और स्वरोजगार योजनाओं का विस्तार
- जिला स्तर पर 'जनसंख्या डैशबोर्ड' और डेटा मॉनिटरिंग सिस्टम

सुझावों पर योगी ने दिया कार्ययोजना बनाने का निर्देश

सूत्रों का कहना है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रिपोर्ट का अवलोकन करते हुए शिक्षा, स्वास्थ्य और जागरूकता के विस्तार को स्थायी जनसंख्या संतुलन के लिए अहम माना है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को रिपोर्ट का गहन अध्ययन कर इसके सुझावों पर कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। यह रिपोर्ट उत्तर प्रदेश के लिए एक संतुलित, संवैधानिक और सामाजिक दृष्टिकोण पर आधारित जनसांख्यिकीय नीति की रूपरेखा मानी जा रही है। नीति-निर्माण से जुड़े सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री स्तर पर समीक्षा के बाद इसे राज्य जनसंख्या नीति 2025 के प्रारूप में शामिल किया जा सकता है।

जिला स्तर पर बने जनसंख्या डैशबोर्ड

रिपोर्ट में प्रस्ताव रखा गया है कि प्रदेश के प्रत्येक जिले में एक 'जनसंख्या डैशबोर्ड' बनाया जाए, जो कुल प्रजनन दर, महिला शिक्षा दर, बाल विवाह और पलायन जैसे मानकों की नियमित निगरानी करे। साथ ही, विभिन्न धर्मों के धर्माचार्यों और सामाजिक संगठनों की सहभागिता से 'जिम्मेदार अभिभावकता' का संदेश समाज में प्रसारित किया जाए। रिपोर्ट में इस नीति को स्वैच्छिक, अधिकार-आधारित और सामाजिक सहमति पर आधारित बताया गया है।

न्यूज ब्रीफ

नीट यूजी में 27 तक दे सकेंगे प्राथमिकताएं

अमृत विचार, लखनऊ : नीट यूजी 2025 की तीसरी काउंसिलिंग की समय सारिणी में एक बार फिर फेरबदल हुआ है। पुन : संशोधन के बाद मेरिट सूची में शामिल अभ्यर्थी 27 अक्टूबर सुबह 11 बजे तक मनपसंद कॉलेजों की प्राथमिकता दे सकेंगे। यह सूचना चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक कार्यालय द्वारा वेबसाइट पर जारी कर दी गयी है। चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक अपर्णा यू ने शुक्रवार को बताया कि प्रदेश के सभी मेडिकल और डेंटल कॉलेजों में एमबीबीएस व बीडीएस की कुल 962 सीटें रिक्त हैं। अभ्यर्थियों से कॉलेज की प्राथमिकताएं लेने के एक दिन बाद 29 अक्टूबर को सीट आवंटन के परिणाम घोषित कर दिए जाएंगे। तत्पश्चात अगले दिन 30 अक्टूबर से संबन्धित कॉलेज में दाखिले की प्रक्रिया शुरू हो जाएंगी, जिसे 5 नवंबर 2025 तक पूर्ण करनी होगी।

संभल के मनोकामना मंदिर का होगा कायाकल्प

अमृत विचार, लखनऊ : संभल स्थित मनोकामना मंदिर प्रदेश के पर्यटन मानचित्र में दिखेगा, उप्र. राज्य पर्यटन विकास निगम (यूपीएसटीडीसी) एक करोड़ 71 लाख रुपये से इसका विकास कराएगा। जिले के प्राचीन तीर्थस्थल और कुओं को संवारा जाएगा। इससे संभल एक प्रमुख पर्यटन केंद्र के रूप में स्थापित होगा। यह जानकारी पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने शुक्रवार को दी। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा संभल के कूपों, देव स्थलों और प्राचीन मंदिरों के संरक्षण व सौंदर्यीकरण कराया जा रहा है। उक्त क्रम में अब 141 वर्ष पुराने मनोकामना मंदिर के समीप पर्यटक सुविधाओं का विकास किया जाएगा।

आजम खान भी होंगे सपा के स्टार प्रचारक

अमृत विचार, लखनऊ : सपा ने बिहार चुनाव के लिए स्टार प्रचारक घोषित कर दिए हैं। भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली को सौंपी गयी 20 प्रचारकों की सूची में सपा प्रमुख अखिलेश यादव और डिंपल यादव के साथ पार्टी के सहासचिव आजम खान भी शामिल हैं। पार्टी के राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र चौधरी द्वारा भेजी गयी सूची में अखिलेश समेत कुल 14 सांसदों को प्रमुखता दी गयी है। इसके अलावा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष किरणमय नंदा, विधायक तेज प्रताप सिंह यादव व ओम प्रकाश सिंह, सपा सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष काशीनाथ दव व प्रदेश अध्यक्ष धर्मेन्द्र सोलंकी को शामिल किया गया है। सांसदों में अफजाल अंसारी,अवधेश प्रसाद, बाबू सिंह कुशवाहा, नरेश उत्तम पटेल, रमाशंकर विद्यार्थी राजभर, लाल जी वर्मा, छोटेलाल खरवार, राजीव राय, सनातन पाण्डेय, इकरा हसन और प्रिया सरोज को शामिल किया गया है।

हर जिले में होगी जिला औषधि नियंत्रण अधिकारी की तैनाती

मुख्यमंत्री ने नया पद सृजित करने के दिए निर्देश, दोगुनी होगी औषधि निरीक्षकों की संख्या

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

लखनऊ स्थित अपने आवास पर अधिकारियों के साथ खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की बैठक करते मुख्यमंत्री योगी।

- औषधि नियंत्रण संवर्ग का होगा पुनर्गठन, उपायुक्त (औषधि) के पद भी बढ़ेंगे
- औषधियों की गुणवत्ता सर्वोपरि, नियंत्रण तंत्र को बनाएं सुदृढ़ और प्रभावी : योगी

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को प्रदेश में औषधियों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से औषधि नियंत्रण संवर्ग के पुनर्गठन को मंजूरी दे दी है। निर्देश दिए कि हर जिले में जिला औषधि नियंत्रण अधिकारी पद सृजित किया जाए। साथ ही, औषधि निरीक्षकों की संख्या दोगुनी की जाए। उन्होंने उपायुक्त (औषधि) के पद बढ़ाने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री योगी ने अपने आवास पर शुक्रवार शाम को खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) विभाग की उच्चस्तरीय बैठक में औषधि नियंत्रण संवर्ग के पुनर्गठन और नए पदों के सृजन से संबंधित प्रस्तावों की समीक्षा की। योगी ने औषधि नियंत्रण तंत्र को सुदृढ़ और प्रभावी बनाने पर बल देते हुए कहा कि औषधियों की गुणवत्ता सर्वोपरि है, इसलिए नियंत्रण तंत्र को सुदृढ़ और प्रभावी बनाने में कोई लापरवाही या कमी नहीं आनी चाहिए। बैठक में बताया गया कि विभाग में वर्तमान में 109 औषधि निरीक्षक कार्यरत हैं, जो भारत सरकार के मानकों की दृष्टि से अपर्याप्त हैं। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में औषधि निरीक्षण व्यवस्था को राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाना जनस्वास्थ्य की दृष्टि से अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि जिलास्तर पर कार्य व्यवस्था को और मज़बूत करने के लिए अब 'जिला औषधि नियंत्रण अधिकारी' का पद सृजित किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि औषधि निरीक्षकों की संख्या को वर्तमान के सापेक्ष दोगुना किया जाए।

बैठक में औषधि नियंत्रण संवर्ग के उच्च पदों के पुनर्गठन पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने उप आयुक्त (औषधि) पदों की संख्या में वृद्धि और संयुक्त आयुक्त (औषधि) के पद पर पदोन्नति हेतु अर्हकारी सेवा में संशोधन के प्रस्ताव को अपनी सहमति दी। मुख्यमंत्री ने विभाग में औषधि नियंत्रक पद के लिए स्पष्ट योग्यताएं एवं मानक तय करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस पद के लिए एक निश्चित कार्यकाल निर्धारित किया जाए, ताकि तंत्र के शीर्ष स्तर पर नेतृत्व और जवाबदेही सुनिश्चित की जा सके।

लिखित परीक्षा से होगी भर्ती

मुख्यमंत्री ने कहा कि औषधि निरीक्षक के पदों पर चयन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, निष्पक्ष और गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए अब साक्षात्कार के स्थान पर लिखित परीक्षा के माध्यम से भर्ती कराई जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी जनपदों में औषधि निरीक्षकों की समुचित तैनाती सुनिश्चित की जाए और जिला स्तर पर प्रभावी पर्यवेक्षण और समयबद्ध जांच व्यवस्था लागू की जाए।

अक्टूबर के वेतन में मिलेगा बढ़ा महंगाई भत्ता, शासनादेश जारी

आदेशों के तहत 1 जुलाई से लागू होंगी संशोधित दरें

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश सरकार ने शुक्रवार को राज्य कर्मियों, सहायता प्राप्त शिक्षण एवं अशासकीय शिक्षण संस्थानों, नगरीय स्थानीय निकायों के नियमित एवं पूर्णकालिक कर्मचारियों, कार्यभारित कर्मचारियों तथा यूजीसी वेतनमानधारी पदाधिकारियों के लिए महंगाई भत्ता बढ़ाने के तीन अलग-अलग शासनादेश जारी किए हैं। इन आदेशों के तहत 1 जुलाई 2025 से संशोधित दरें लागू होंगी और बढ़े हुए भत्ते का भुगतान अक्टूबर 2025 के वेतन के साथ किया जाएगा।

राज्य सरकार के ये तीनों शासनादेश केंद्र सरकार के वित्त मंत्रालय, व्यय विभाग द्वारा 6 अक्टूबर 2025 को जारी आदेशों के अनुरूप हैं, जिनमें केंद्रीय कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ता सातवें वेतन आयोग वालों के लिए 55% से 58%, छठे वेतन आयोग वालों के लिए 252% से 257% और पांचवें वेतन आयोग वालों के लिए 466% से 474% किया गया था।

वित्त विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि राज्य सरकार ने उन कर्मचारियों के लिए, जो अभी भी छठे वेतन आयोग की संरचना में वेतन पा रहे हैं, महंगाई भत्ते की दर 252% से बढ़ाकर 257% कर दी है। यह वृद्धि केंद्र सरकार के वित्त मंत्रालय के 6 अक्टूबर 2025 के आदेश के अनुरूप है। पांचवें वेतन आयोग के तहत वेतन पा रहे कर्मियों के लिए महंगाई भत्ता 466% से बढ़ाकर 474% किया गया है। यह निर्णय केंद्र सरकार द्वारा जारी नवीनतम आदेशों के अनुरूप है, जिसे राज्यपाल ने स्वीकृति प्रदान की है। भुगतान और अवशेष राशि की व्यवस्था

सरकार के आदेश के अनुसार, संशोधित दरों पर 1 जुलाई से 30 सितंबर 2025 तक की देय अवशेष राशि कर्मचारियों के भविष्य निधि खाते में जमा की जाएगी। यदि कोई कर्मचारी भविष्य निधि का सदस्य नहीं है, तो यह राशि उसके पब्लिक प्रोविडेंट फंड या नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट में जमा होगी। अवशेष राशि को 1 अक्टूबर 2026 से पहले नहीं निकाला जा सकेगा। राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के तहत आने वाले कर्मचारियों के लिए, उक्त अवधि की अवशेष राशि का 10% कर्मचारी के टियर-1 पेंशन खाते में और 14% राज्य सरकार के योगदान के रूप में जमा किया जाएगा।

सेवानिवृत्त कर्मियों के लिए राहत

सरकार ने कहा है कि जो अधिकारी या कर्मचारी शासनादेश जारी होने की तिथि से पहले सेवानिवृत्त हो चुके हैं या अगले छह माह में सेवानिवृत्त होने वाले हैं, उन्हें देय महंगाई भत्ते की समस्त बकाया राशि नकद रूप में दी जाएगी।

डबल इंजन नहीं, भाजपा में सब झूठ के इंजन : अखिलेश

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा का कोई डबल इंजन नहीं है। सब झूठ के इंजन चल रहे हैं। झूठ के इंजन राजस्थान में भी चल रहे हैं। भाजपा ने दिल्ली और राजस्थान का अलग-अलग घोषणा पत्र बनाकर जनता के सामने रखा। सरकार बनने पर उस पर अमल नहीं किया।

सपा प्रमुख शुक्रवार को अजमेर राजस्थान में मीडिया से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा झूठ बोलने वाली पार्टी है। झूठे वादे करती है। भाजपा की केन्द्र और प्रदेश की सरकारों ने किसानों की आय दोगुना करने का वादा किया था लेकिन वादा पूरा नहीं किया।

मिलावटखोरी के खिलाफ जांच में आएगी तेजी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- नई प्रयोगशालाएं की जा रहीं स्थापित, हर वर्ष लगभग 24 हजार नमूनों की होगी जांच

अमृत विचार : दीपावली त्योहार के दौरान खुलकर सामने आ गया कि उत्तर प्रदेश में संगठित अपराधिक गैंग और उसके माफिया भले ठंडे पड़ गए हो लेकिन खाद्यपदार्थों के मिलावटखोर अब भी सक्रिय हैं। ऐसे मिलावटखोर लोगों की जान के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं।

त्योहारों के मौसम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर जनस्वास्थ्य की सुरक्षा के मद्देनजर प्रदेशभर में मिलावटखोरों के खिलाफ एक कड़ा अभियान चलाया गया। इससे पहले भी सरकार की ओर से यह स्पष्ट किया जा चुका था कि खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन अब मिलावटखोरों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई करेगा।

खाद्य पदार्थों और औषधियों की जांच में तेजी लाने के लिए कानपुर अयोध्या सहारनपुर और अलीगढ़ में नई प्रयोगशालाएं शुरू हो रही हैं। इन प्रयोगशालाओं से हर साल लगभग 24 हजार नमूनों की जांच की जाएगी। राज्य सरकार सभी मंडल मुख्यालयों पर ऐसी प्रयोगशालाएं स्थापित करने का प्रयास कर रही है। इन नई प्रयोगशालाओं के खुलने से जांच प्रक्रिया में तेजी आएगी।

भीड़ प्रबंधन के हों पुख्ता इंतजाम

मुख्य सचिव ने की छठ पूजा व पुलिस भर्ती परीक्षा की तैयारी की समीक्षा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्य सचिव एसपी गोयल एवं पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से सभी मंडलायुक्तों, जिलाधिकारियों और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक कर छठ पूजा एवं पुलिस भर्ती परीक्षा की तैयारियों की समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने इस दौरान कहा कि छठ पूजा के दौरान नदियों, तालाबों और जलस्रोतों का जल स्वच्छ रखा जाए ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। भीड़ प्रबंधन के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम हों। उन्होंने कहा कि पूजा स्थलों पर पर्याप्त पार्किंग, मोबाइल टॉयलेट, और चेंजिंग रूम की व्यवस्था रहे। मुख्य सचिव ने आतिशबाजी को आमजन से दूर रखने और महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिए जाने की हिदायत दी।

बैठक में पुलिस महानिदेशक ने कहा कि छठ पर्व की तैयारियों के दौरान पिछली घटनाओं का विश्लेषण कर लिया जाए ताकि अप्रिय घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके। उन्होंने छेड़खानी और दुर्व्यवहार की शिकायतों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए एंटी-रोमियो स्क्वॉड को वर्दी और सादी वर्दी में तैनात करने के निर्देश दिए।

1 व 2 नवंबर को दस जिलों में होगी भर्ती परीक्षा

अमृत विचार : मुख्य सचिव ने पुलिस भर्ती परीक्षा के संबंध में बताया कि कम्प्यूटर ऑपरेटर ग्रेड-ए पद के 1129 पदों की भर्ती परीक्षा 1 नवम्बर को और पुलिस उपनिरीक्षक (गोपनीय), पुलिस सहायक उपनिरीक्षक (लिपिक) और पुलिस सहायक उपनिरीक्षक (लेखा) के 921 पदों की भर्ती परीक्षा 2 नवम्बर को प्रदेश के 10 जिलों- आगरा, बरेली, मेरठ, मुरादाबाद, कानपुर नगर, लखनऊ, गोरखपुर, झांसी, प्रयागराज और वाराणसी में आयोजित होगी। उन्होंने कहा कि परीक्षा केंद्रों पर तलाशी के लिए पर्याप्त संख्या में महिला और पुरुष कर्मियों की तैनाती की जाए। अभ्यर्थियों को केवल आईकार्ड, एडमिट कार्ड और पेन के अतिरिक्त किसी अन्य सामग्री को ले जाने की अनुमति न दी जाए।

बिहार चुनाव में आकाश की क्षमता परखेगी बसपा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पार्टी से युवा समर्थकों को जोड़ने में जुटी पार्टी

अमृत विचार : बहुजन समाज पार्टी बिहार चुनाव में आकाश आनंद की क्षमता को परखेगी। आकाश मायावती के भतीजे और पार्टी के नेशनल कोऑर्डिनेटर हैं। पार्टी प्रमुख मायावती को भी उनसे काफी उम्मीदें हैं। ऐसे में अब आकाश के सहारे पार्टी, युवा समर्थकों को जोड़ने में जुटी है। बिहार विधानसभा चुनाव में आकाश भी बसपा के एक स्टार प्रचारक हैं। एक तरह से उत्तर प्रदेश में साल 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले आकाश के लिए बिहार चुनाव सेमीफाइनल सरीखा होने वाला है।

दरअसल, माना जा रहा है कि बसपा प्रमुख मायावती ने पार्टी के भविष्य को मजबूत करने के लिए एक नई रणनीति अपनाई है। मायावती ने पिछले दिनों पार्टी पदाधिकारियों की लगातार दो महत्वपूर्ण बैठकें बुलाईं। इन बैठकों में मायावती के भतीजे और पार्टी के नेशनल कोऑर्डिनेटर आकाश आनंद भी मौजूद रहे। मायावती ने पदाधिकारियों से साफ निर्देश दिए कि जैसे उन्होंने मेरा साथ दिया है, वैसे ही अब आकाश का भी साथ दें। यह बयान बसपा समर्थकों के लिए एक महत्वपूर्ण सूत्रवाक्य माना जा रहा है।

असंतुलन | लखनऊ विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं के अध्ययन में हुआ खुलासा

प्रदेश का पूर्वी हिस्सा विकास की दौड़ में सबसे पीछे

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- 19 विभिन्न मानकों पर पूर्वी यूपी के 28 जिलों का किया अध्ययन

अमृत विचार : विकास के क्षेत्रीय असंतुलन से देश के कई हिस्सें प्रभावित हैं। आधारभूत संरचना का असमान वितरण इसका सबसे बड़ा कारण रहा है। जिसे दूर करने के वादे-इरादे के साथ कई सरकारें आईं और गईं, लेकिन हालात बदलने का नाम नहीं ले रहे हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने इस तथ्य को उजागर किया है कि उत्तर प्रदेश का पूर्वी हिस्सा आज भी मध्य उत्तर प्रदेश और पश्चिम उत्तर प्रदेश की तुलना में काफी पिछड़ा है। विश्वविद्यालय के डॉ. नागेंद्र कुमार मौर्य और प्रो. रोली मिश्रा ने अपने शोध में यह दावा किया है।

विश्वविद्यालय के दोनों शोधकर्ताओं ने 19 सामाजिक और आर्थिक संकेतकों जैसे कि आय, शिक्षा, कृषि, रोजगार, बुनियादी ढांचा के आधार पर 28 जिलों का समग्र विकास सूचकांक तैयार किया है। भारतीय अर्थशास्त्र एवं विकास पत्रिका में प्रकाशित एक ताजा शोध में यह सामने आया है कि पूर्वी उत्तर प्रदेश के जिले बहराइच, बलरामपुर, श्रावस्ती और सिद्धार्थनगर आज भी राज्य के अति पिछड़े जिलों में गिने जाते हैं। शोधकर्ताओं का कहना है कि बेहतर सड़कें, स्कूल, अस्पताल और बिजली की पहुंच जीवन स्तर उठाने की कुंजी हैं।

ब्रोकला टैक्सोनोमिक विधि का किया प्रयोग

अध्ययन में ब्रोकला टैक्सोनोमिक विधि का इस्तेमाल कर हर जिले को विकास स्कोर दिया गया है। शोध में यह भी जांचा गया कि किन क्षेत्रों का समग्र विकास में सबसे ज्यादा योगदान है। शोध में पाया गया कि औद्योगिक विकास का असर सबसे कम है, क्योंकि क्षेत्र में निवेश और कारखानों की भारी कमी है।

शोध की खास बातें

- श्रावस्ती, बलरामपुर और बहराइच अति पिछड़े ज़िले पाए गए
- सिद्धार्थनगर ने अपेक्षाकृत बेहतर प्रदर्शन किया
- सभी जिलों में बुनियादी ढांचागत विकास व औद्योगिक विकास बेहद कमजोर
- कृषि और रोजगार के स्कोर सबसे कम
- ग्रामीण अर्थव्यवस्था मानसून पर पूरी तरह निर्भर

क्या है उपाय

शोध का समाधानपरक निष्कर्ष है कि शिक्षा, स्वास्थ्य और उद्योगों में बड़े सार्वजनिक निवेश की तत्काल जरूरत है, ताकि क्षेत्र को "निम्न-संतुलन जाल" से बाहर निकाला जा सके। "एक जिला एक उद्योग" जैसी योजनाओं का विस्तार किया जाए, ताकि हर जिला किसी उत्पादक क्षेत्र में विशेषज्ञता हासिल कर सके, रोजगार बढ़े और निवेश आकर्षित हो। बुनियादी ढांचे, कृषि और उद्योग में समन्वित व संतुलित विकास ही एकमात्र रास्ता है, जिससे पूर्वी उत्तर प्रदेश के पिछड़ेपन को दूर किया जा सकता है।

डिजिटलीकरण से बढ़ी पारदर्शिता

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- तकनीक और सुशासन के संगम से बन रहा नया मॉडल

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सुशासन नीति अब डिजिटल रूप में नई पहचान बना रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्वाकांक्षी पहल 'मिशन कर्मयोगी' को आगे बढ़ाते हुए योगी सरकार ने राज्य के अधिकारियों और कर्मचारियों को डिजिटल प्रशिक्षण से जोड़ने में उल्लेखनीय प्रगति हासिल की है। इस पहल से सरकारी सेवाओं में पारदर्शिता, जवाबदेही और दक्षता का नया आयाम जुड़ रहा है। समाज कल्याण विभाग इस दिशा में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

समाज कल्याण विभाग के आंकड़ों के अनुसार, सितंबर 2025 तक विभाग के 3,900 अधिकारी, संविदाकर्मी और शिक्षक आईजीओटी कर्मयोगी पोर्टल से जुड़ चुके हैं। इन कर्मचारियों ने अब तक 21,150 ऑनलाइन कोर्स पूरे किए, जिनमें लगभग 15,893 घंटे का डिजिटल प्रशिक्षण शामिल है।

इनमें से 2,759 कर्मचारियों ने कम से कम एक कोर्स पूरा किया, जबकि 2,289 ने तीन या उससे अधिक कोर्स सफलतापूर्वक पूरे किए हैं। यह पहल हर सरकारी कर्मचारी को कुशल, पारदर्शी और जवाबदेह बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है।

मिशन कर्मयोगी के पाठ्यक्रमों में प्रशासनिक सुधारों के साथ-साथ तकनीकी दक्षता पर विशेष बल दिया जा रहा है। आर्टिफिसियल इंटेलिजेंस, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और सूचना का अधिकार अधिनियम जैसे कोर्स सरकारी प्रक्रियाओं को आधुनिक और पारदर्शी बना रहे हैं। वहीं, कर्मचारियों के लिए स्वस्थ और सुरक्षित कार्यसंस्कृति के लिए योगा आदि विषय सुनिश्चित कर रहे हैं।

समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने कहा कि मिशन कर्मयोगी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की साझा सोच का परिणाम है। इसका लक्ष्य है कि शासन को पेपरलेस, पारदर्शी और परिणामोन्मुख बनाना।

न्यूज ब्रीफ

नहर से नवजात का शव बरामद

मवई, अयोध्या। कोतवाली रुदौली क्षेत्र के अंतर्गत हिंदू इंटर कॉलेज के समीप शारदा सहायक नहर में शुक्रवार सुबह एक नवजात शिशु का शव मिला है। नयागंज चौकी इंचार्ज अभिषेक सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और नवजात के शव को नहर से बाहर निकलवाया। उन्होंने बताया कि शिशु की उम्र लगभग दो से तीन दिन बताई जा रही है। प्रथम दृष्टया यह प्रतीत हो रहा है कि जन्म के तुरंत बाद किसी ने नहर में फेंक दिया। पुलिस आसपास के इलाकों में संभावित सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों की तलाश में जुट गई है।

हत्या में आरोपी की जमानत अर्जी निरस्त

अयोध्या। खेत की सिंचाई करने गए युवक की धारदार हथियार से गला रेत कर हत्या करने के मामले में आरोपी विनय कुमार प्रजापति की जमानत अर्जी निरस्त कर दी गई है। यह आदेश अपर जिला जज प्रथम सुरेंद्र मोहन सहाय की अदालत से शुक्रवार को हुआ। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता ज्ञानेश चंद्र पांडेय और रोहित पांडेय ने बताया कि घटना 23 मई 2025 की रात 10:30 बजे की है। पूराकलंदर थाना क्षेत्र के पलिया गोवा निवासी नागेंद्र प्रसाद यादव रात में खेत की सिंचाई करने गए थे इसकी रिपोर्ट मृतक के पिता राम प्रकाश यादव ने हत्या की धारा में अज्ञात के खिलाफ दर्ज कराई थी। विवेचना के दौरान विनय प्रजापति निवासी पलिया गोवा का नाम प्रकाश में आया। पुलिस ने निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त हसिया बरामद की थी। सुनवाई के बाद कोर्ट ने अर्जी निरस्त कर दी।

महिला हैंडबॉल का ट्रायल 28 को

अयोध्या, अमृत विचार : क्षेत्रीय क्रीड़ा कार्यालय के तत्वावधान में सीनियर महिला हैण्डबॉल खेल का चयन ट्रायल 28 अक्टूबर को डाभासेमर के डॉ. आंबेडकर अंतरराष्ट्रीय क्रीड़ा संकुल में होगा। क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी अनिमेष सक्सेना ने बताया कि जनपदीय ट्रायल सुबह नौ बजे व मंडलीय ट्रायल दोपहर दो बजे होगा। चयनित मंडलीय टीम लखनऊ में 31 अक्टूबर से आयोजित प्रदेशीय सीनियर महिला हैंडबॉल प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेगी। ट्रायल की प्रतिभागी खिलाड़ियों को अपने आधार कार्ड की छाया प्रति साथ लाना आवश्यक है।

फर्जी दस्तावेज से जमीन बेचने का आरोपी गिरफ्तार

पूराबाजार, अमृत विचार : थाना महराजगंज पुलिस ने शुक्रवार को कूट रचित दस्तावेज तैयार करके जमीन बेचने के आरोपी को गिरफ्तार कर उसका चालान कर दिया। थाना प्रभारी राजेश सिंह ने बताया कि थाना क्षेत्र के नारा गांव निवासी राजकुमार सिंह की शिकायत पर कूट रचित दस्तावेज तैयार कर जमीन बेचने का आरोपी इनायतनगर थाना क्षेत्र के उरुवा वैश गांव निवासी राजकुमार काफी दिनों से फरार चल रहा था। शुक्रवार को एक सूचना के आधार पर उप निरीक्षक प्रिंस सिंह व उनकी टीम ने आरोपी को झुनझुनवाला कॉलेज सुल्तानपुर रोड के पास से गिरफ्तार कर लिया।

पहचान के लिए फॉर्मर रजिस्ट्री कराएं किसान

अयोध्या। प्रदेश सरकार ने किसानों के लिए फॉर्मर रजिस्ट्री खोल दी है। यह प्रत्येक किसान के लिए विशिष्ट किसान पहचान होगा। इसके जरिए किसान के रूप में उसकी पहचान होगी। साथ ही सरकार से मिलने वाली सुविधाओं के लिए इसकी जरूरत पड़ेगी। फार्मर रजिस्ट्री को किसान अपने मोबाइल से कर सकते हैं। गांव में लगने वाले कैंपों में इसे कराया जा सकता है या फिर जनसेवा केंद्र या यूपी फार्मर सहायक एप के जरिए इसे कराया जा सकता है। फार्मर रजिस्ट्री कराने के लिए किसान का आधार, आधार से लिंक मोबाइल नंबर और जमीन का दस्तावेज जैसे खसरा खतौनी होना चाहिए। सहायक विकास अधिकारी रंजीत तिवारी ने बताया कि इसके जरिए कृषि उत्पादों का सुविधाजनक वितरण होगा। केसीसी आसानी से मिल सकेगा।

6वें अयोध्या कला संस्कृति महाकुंभ की तैयारी बैठक संपन्न

अयोध्या। अयोध्या की कला, संस्कृति, पर्यटन को स्वदेश भारत एवं विश्व से जोड़ने के उद्देश्य से स्वदेश संस्थान से अयोध्या में छठवें अयोध्या कला संस्कृति महाकुंभ का आयोजन 23 से 27 जनवरी के बीच होगा। शुक्रवार को संस्थान के परिसर में इसकी तैयारी बैठक की गई। संस्था के अध्यक्ष एसबी सागर प्रजापति कहा कि महाकुंभ में कला, संस्कृति, साहित्य, शिक्षा, क्राफ्ट, संगीत, अनुसंधान और पर्यावरण आधारित अनेक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। निदेशक अम्बरीष चन्द्र पाण्डेय ने बताया कि महाकुंभ मां सरस्वती की जयंती बसन्त पंचमी 23 से 27 जनवरी 2026 तक होगा।

परिक्रमा करने वाले श्रद्धालुओं के लिए आसान नहीं पुण्य प्राप्ति की राह

लथपथ परिक्रमा मार्ग : गड्ढे, गिट्टी व कीचड़ की भरमार, मार्ग अब भी बेजार

अयोध्या कार्यालय

लगी मशीनें व मजदूर, युद्ध स्तर पर चल रहा काम, तैयार किया जा रहा 14 कोसी परिक्रमा पथ

अमृत विचारः परिक्रमा पथ पर मशीनों के साथ बड़ी संख्या में मजदूरों को उतार दिया गया। कहीं सड़क बराबर करने के लिए जेसीबी लगी तो दूसरे स्थान पर मजदूर पथ को काला करने के लिए गिट्टी डाल रहे हैं। 14 कोसी परिक्रमा 29/30 अक्टूबर की रात शुरू होगी। लाखों लोगों को इसी सड़क से पुण्य अर्जित करने के लिए नंगे पाव चलना है। बड़े अफसरों ने गुरुवार को ही दौरा किया। मॉनिटरिंग के लिए विभाग के अफसरों की आवाजाही है।

अयोध्या के प्रसिद्ध 14 कोसी परिक्रमा में देश के कोने कोने से लाखों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। पिछले साल की परिक्रमा के समय से ही परिक्रमा पथ के चौड़ीकरण के साथ सुंदरीकरण किया जा रहा है। काम पूरा किए जाने का समय तो पूरा हो गया, लेकिन देखने से लगता है कि काम अभी पूरा नहीं है। मंडल और जिला प्रशासन के अफसर परिक्रमा को लेकर अगस्त महीने से ही निरीक्षण के साथ निर्देश दे रहे हैं। अब तक कई तारीखें बीत गईं, लेकिन यह चलने लायक तो नही बन पाया, लेकिन अब प्रयास है कि अगले चार दिन में इसे दुरुस्त कर दिया जाए। जिलाधिकारी निखिल टी. फुंडे ने अफसरों को निर्देश दिया कि जहां सड़क टूट फूट की स्थिति में है। उसे तुरंत ठीक कराया जाए। 29 तक इसे दुरुस्त किया जाना है।

14 कोसी परिक्रमा मार्ग पर अभी तक बिछी गिट्टी पर नहीं चढ़ाया गया डामर।

घोसियाना क्षेत्र की कीचड़ युक्त सड़क से गुजरेंगे चौदह कोसी परिक्रमा करने वाले श्रद्धालु।

घोसियाना के पास मिट्टी हटाती जेसीबी।

परिक्रमा मार्ग पर चल रहा पैचिंग का कार्य।

जनौरा क्षेत्र की सड़क का हाल।

कहीं सड़कें हो रहीं काली तो कहीं पड़ी हैं गिट्टियां

लखनऊ-अयोध्या हाईवे पर जनौरा अंडर पास से मोदहा तक के सर्वे में कहीं जेसीबी से मिट्टी उठाई जा रही थी। तो कहीं मजदूर सड़क काली कर रहे थे। नाली-नाले का गंदा पानी था। कुछ स्थानों पर तो अभी कीचड़ और मिट्टी पड़ी थी। अधूरे डक्ट और सीवर लाइन, पेयजल आपूर्ति की लाइन समय से न हो पाना पथ के निर्माण की सबसे बड़ी बाधा बताई गई।

कार्तिक पूर्णिमा मेले में 120 मेला स्पेशल बसों का होगा संचालन

अयोध्या कार्यालय

- एआरएम अयोध्या डिपो आदित्य प्रकाश बने मेला प्रभारी, बालूघाट पर बनेगा अस्थाई बस स्टेशन

अमृत विचार : कार्तिक पूर्णिमा व परिक्रमा मेले में श्रद्धालुओं के सुगम यातायात को लेकर परिवहन निगम ने 120 मेला स्पेशल बसों को चलाने की तैयारी की है। इन बसों का संचालन बालू घाट पर अस्थायी बस स्टेशन बनाकर किया जाएगा। अपरिहार्य परिस्थितियों को छोड़कर निगम के किसी के अधिकारी व कर्मचारियों को अवकाश नहीं दिया जाएगा। अयोध्या डिपो के एआरएम आदित्य प्रकाश को मेलाधिकारी बनाया गया है।

कार्तिक मेले की शुरुआत 30 अक्टूबर को होगी व पांच नवंबर को कार्तिक पूर्णिमा स्नान के साथ समाप्त होगी। इस अवधि में लाखों की संख्या में आसपास के जनपदों के साथ दूर दराज के श्रद्धालु अयोध्या आते हैं। इसको लेकर 29 अक्टूबर से 6 नवंबर तक परिवहन निगम द्वारा 120 मेला स्पेशल बसों को चलाने की तैयारी की गई है। इसके लिए गोंडा के लिए 25, बलरामपुर के लिए 10, बहराइच के लिए 5, बस्ती के लिए 20, गोरखपुर, अंबेडकरनगर व सुलतानपुर के लिए 15-15 व रायबरेली, लखनऊ व टांडा के लिए 5-5 स्पेशल बसों का संचालन किया जाएगा। अयोध्या परिक्षेत्र के क्षेत्रीय प्रबंधक विमल राजन ने बताया कि भीड़ बढ़ने पर इसके अतिरिक्त गोरखपुर परिक्षेत्र के बस्ती व सिद्धार्थनगर डिपो व देवीपाटन परिक्षेत्र के गोंडा व बहराइच डिपो से भी अतिरिक्त बसों का संचालन किया जाएगा। अस्थाई बस स्टेशन पर स्टाफ की तैनाती भी की गई है।

बाजार में तेजी से बढ़ रही मिलावटखोरी पर जताई चिंता

अयोध्या, अमृत विचार : अन्नपूर्णा केंद्र की स्थापना एवं घर घर चकिया अभियान को चलाने के लिए विसर्ग ट्रस्ट के तत्वावधान में सिविल लाइन्स स्थित कार्यालय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता प्रख्यात वैज्ञानिक और नवाचारी गंगाराम चौहान ने विकसित की हाथ चक्की और कृषि क्षेत्र के अन्य नवाचारों से मौजूद लोगों को परिचित कराया। युवा उद्यमी राज यादव ने इन उपयोगी नवाचारों के व्यावसायिक उत्पादन और व्यापक स्तर पर उपलब्धता सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम में कवि एवं चिंतक डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव निर्भीक ने विसर्ग की मूलभूत अवधारणाओं और अपरिग्रह के महत्व पर विवेचना प्रस्तुत की। बाजार में तेजी से बढ़ रही मिलावटखोरी पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए समाजसेवी गणेश भारती ने घर-घर चकिया अभियान की प्रासंगिकता और उपयोगिता बताई। बैठक में आम लोगों की मौजूदगी रही।

रुदौली विधायक के खिलाफ अमर्यादित टिप्पणी, केस दर्ज

मवई, अयोध्या

- सोशल मीडिया के जरिए समय-समय पर डाली जा रही भ्रामक और भड़काऊ पोस्ट

अमृत विचार : रुदौली विधायक रामचंद्र यादव के खिलाफ अमर्यादित और भड़काऊ टिप्पणी का मामला सामने आया है। इस संबंध में नगर पंचायत मां कामाख्या निवासी पंकज यादव ने थाना बाबा बाजार में तहरीर देकर इलियास अहमद, नदीम अहमद और अनिल यादव के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज करने की मांग की है।

बताया गया कि इलियास अहमद की फेसबुक आईडी पर नदीम अहमद द्वारा समय-समय पर भ्रामक और भड़काऊ पोस्ट किए जाते हैं, जिन्हें बाद में हटा दिया जाता है। पंकज ने तहरीर में कहा है कि नदीम अहमद की फेसबुक आईडी से एक अन्य पोस्ट की गई, जिसमें रुदौली के एसडीएम के तबादले संबंधी जानकारी डालकर टिप्पणी की गई। इस पोस्ट पर अनिल यादव द्वारा अपने फेसबुक अकाउंट से विधायक के खिलाफ अमर्यादित टिप्पणी की गई। बाबा बाजार थाना प्रभारी शैलेंद्र कुमार आजाद ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

नवागत एयरपोर्ट निदेशक धीरेंद्र ने ग्रहण किया कार्यभार

अयोध्या, अमृत विचार : महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर नए निदेशक धीरेंद्र सिंह ने कार्यभार ग्रहण कर लिया है। धीरेंद्र एयरपोर्ट के तीसरे डायरेक्टर हैं। इससे पहले विनोद कुमार यहां तैनात रहे। हवाई अड्डा परिसर में एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के अधिकारियों एवं कर्मचारियों नए निदेशक धीरेंद्र सिंह का स्वागत किया। कार्यभार ग्रहण करने से पूर्व धीरेंद्र सिंह कांगड़ा हवाई अड्डे पर निदेशक के पद पर कार्यरत थे। एयरपोर्ट प्रबंधन, संचालन व यात्री सुविधा के क्षेत्र में उनके समृद्ध अनुभव से अयोध्या हवाई अड्डे के संचालन एवं विकास में नई ऊर्जा और दिशा मिलने की उम्मीद है। ओएसडी अभिषेक सिंह ने बताया कि सभी विभागाध्यक्षों (सिविल, इलेक्ट्रिकल, सीएनएस, एटीएस, फायर एवं टर्मिनल) सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

विनोद कुमार नए एयरपोर्ट निदेशक धीरेंद्र सिंह का स्वागत करते हुए।

होम स्टे संचालक से मारपीट, पिस्टल छीनी

अयोध्या कार्यालय।

- कोतवाली नगर के साहबगंज का मामला, पुलिस ने छह नामजद व अज्ञात के खिलाफ दर्ज किया मुकदमा

अमृत विचार : कोतवाली नगर अंतर्गत साहबगंज इलाके में स्थित एक होम स्टे के मालिक दो भाइयों पर कुछ लोगों ने मामूली विवाद में हमला कर दिया। आरोपियों ने दोनों भाइयों की लाइसेंसी पिस्टल भी छीन ली। पुलिस ने छह नामजद व अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज तीन को गिरफ्तार कर उनसे दोनों पिस्टल बरामद कर ली है। गंभीर रूप से घायल एक भाई का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है।

पीड़ित अतुल तिवारी निवासी लक्ष्मणपुरी कॉलोनी ने बताया कि उनका साहबगंज स्थित साहबदीन सीताराम इंटर कॉलेज के सामने पीतांबरा होम स्टे है। गुरुवार की शाम करीब 6:20 बजे उन्होंने होम स्टे पर कुछ लकड़ी के कार्य के लिए तालिब निवासी साहबदीन सीताराम स्कूल को बुलाया। मजदूरी अधिक मांगने पर कार्य कराने से मना कर दिया। उसके बाद शाम करीब 7:50 बजे तालिब ने उन्हें फोन किया और कहा कि घर वाले आए हैं और कार्य से संबंधित बात करने के लिए मिलना चाहते हैं। वह अपने भाई अमित तिवारी के साथ वहां पहुंचा था। तभी तालिब, शोभित यादव, हरेंद्र यादव निवासी अमानीगंज पठान टोलिया, सुरेंद्र उर्फ सुमित, महेंद्र व कुछ अज्ञात लोगों ने गाली देते हुए जान से मार डालने के नियत से अमित पर हमला कर दिया। हरेंद्र ने अमित की लाइसेंसी पिस्टल व शोभित ने मेरी लाइसेंसी पिस्टल छीन लिया। उसी के बट से अमित के सिर पर वार किया। जब मैंने बचाने का प्रयास किया तो मुझे भी पीटा। घटना में अमित को गंभीर चोटें आईं, उसका जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। आरोप लगाया कि घटना के बाद रामअजोर यादव निवासी अज्ञात मौके पर आए व जान से मार डालने की धमकी दी।

एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी ने बताया कि अतुल की तहरीर पर छह नामजद व चार-पांच अज्ञात पर हत्या के प्रयास समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज किया गया है। कोतवाली नगर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी तालिब, हरेंद्र व शोभित को गिरफ्तार कर लिया है। इनके पास से दोनों लाइसेंसी पिस्टल भी बरामद हुई है। अन्य आरोपियों की तलाश के लिए पुलिस की टीम दबिश दे रही है।

अयोध्या के श्रीराम वल्लभाकुंज में भगवान को लगा छप्पन भोग।

हनुमंतलला के छठी महोत्सव पर लगा 56 व्यंजनों का भोग

अयोध्या, अमृत विचार : रामनगरी के मठ-मंदिरों में शुक्रवार को भव्यता के साथ हनुमंतलला का छठी महोत्सव मनाया गया। इस दौरान श्रीराम व किशोरी जी सहित हनुमंतलला को 56 प्रकार के व्यंजनों का भोग लगाकर श्रद्धा अर्पित की गई। हनुमान किला में भी छठी महोत्सव पर विविध आयोजन हुए। मंदिर के महंत राम किशोर दास ने बताया कि सुबह मंदिर में विराजमान हनुमानजी का पंचामृत अभिषेक किया गया। महोत्सव में महंत कमल नयन दास, विंदुगाद्याचार्य महंत देवेंद्र प्रसादाचार्य, जगद्गुरु रामदिनेशाचार्य, अधिकारी राजकुमार दास, महंत मैथिलीरमण शरण, महंत करुणानिधान शरण, महंत मिथिलेश नंदिनी शरण समेत बड़ी संख्या में संत-धर्माचार्यों की मौजूदगी रही। वहीं दूसरी ओर नाका हनुमानगढ़ी में महंत रामदास के संयोजन में विभिन्न अनुष्ठान हुए। हनुमान जी को पंचामृत व इत्र से स्नान कराया गया। फिर आभूषणों से साज-सज्जा की गई। इसके बाद 56 प्रकार के व्यंजनों का भोग लगाकर आस्था अर्पित की गई। महाआरती में भक्तों का रेला उमड़ा। हनुमानगढ़ी, हनुमत निवास, हनुमत सदन सहित अन्य मंदिरों में भी छठी महोत्सव का भव्य आयोजन हुआ।

कोटेदार को कारण बताओ नोटिस जारी

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचारः जिले में राशन की कालाबाजारी करने वाले कोटेदारों के खिलाफ आपूर्ति विभाग का चाबुक लगातार चल रहा है। इसी क्रम में जिला आपूर्ति अधिकारी बृजेश मिश्रा टीम के साथ नगर पंचायत भदरसा पहुंचे। यहां क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी सचिन कुमार के साथ उचित दर विक्रेताओं की दुकानों का निरीक्षण किया। सर्वप्रथम राम अवतार साहू महात्मा गांधी वार्ड की दुकान का निरीक्षण किया।

यहां विक्रेता द्वारा कार्डधारकों को निर्धारित मूल्य में खाद्यान्न का वितरण पाया गया। इसके बाद मोहम्मद सलीम लालपुर वार्ड दुकान की जांच की गई। दुकान बंद मिली। दुकान के बाहर सूचनाएं प्रदर्शित नहीं पाई गईं। इस कारण विक्रेता को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। तत्पश्चात जाहिद हुसैन उचित प्रथम फुलवरिया वार्ड की दुकान का निरीक्षण किया गया। अंत में शांति देवी ग्राम आनंदी की दुकान का निरीक्षण करने पर कार्ड धारकों द्वारा वितरण के प्रति संतोष व्यक्त किया गया। मौके पर उपस्थित कर धारकों को अपने परिवार के सदस्यों की केवाईसी पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं।

रामकोट की परिक्रमा करते हुए श्रीराम दिग्विजय यात्रा में शामिल गोपाल जी राव और विधायक वेद प्रकाश गुप्ता।

अयोध्या पहुंचा श्रीराम दिग्विजय रथ

अयोध्या, अमृत विचार : गोवा के पर्तगाळी मठ के 550 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में निकाला गया श्रीराम दिग्विजय रथ बद्रीनाथ धाम से प्रारंभ होकर शुक्रवार को अयोध्या पहुंचा, जहां श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के द्वारा स्वागत किया गया। यात्रा में शामिल मठाधीश स्वामी विद्याधीश तीर्थ श्रीपाद बडेर ने राम मंदिर में दर्शन पूजन किया। इसके बाद अपने शिष्यों के साथ रामकोट की परिक्रमा की। राम मंदिर ट्रस्ट के व्यवस्था प्रभारी गोपाल जी राव ने बताया कि श्रीपाद वडेर स्वामी ने रामकोट की परिक्रमा की है। यह अंतरग्रही परिक्रमा श्रेष्ठ मानी जाती है। यह इंजीनियरिंग करने के बाद युवा संन्यासी बने हैं। इस अवसर पर नगर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता भी मौजूद रहे।

आस्था | **कार्तिक पूर्णिमा को स्नान कर अनुष्ठान को दी जाएगी पूर्ण आहुति**

सरयू के तट पर कल्पवास कर रहे हजारों श्रद्धालु

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : रामनगरी में कार्तिक माह प्रारंभ होने के साथ ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु कल्पवास कर रहे हैं। सरयू के तट स्थित दर्जनों मंदिरों में एक माह रहकर दर्शन पूजन और धार्मिक अनुष्ठान की परंपरा को संपन्न किया जाएगा, जिसे कार्तिक पूर्णिमा स्नान कर अनुष्ठान को पूर्ण आहुति दी जाएगी।

साल के 12 महीनों में हर मास का अपना धार्मिक महत्व है। अलग-अलग तीर्थों में अलग-अलग मास में कल्पवास का विधान है। इस परम्परा में तीर्थ नगरी अयोध्या में कार्तिक कल्पवास की परम्परा सनातन काल से है। इस परम्परा के निर्वहन के लिए यहां लाखों श्रद्धालु पहुंच चुके है। इन श्रद्धालुओं ने विभिन्न आश्रमों में आश्रय लिया है। सरयू के तट पर कल्पवास के लिए आश्विन पूर्णिमा से जप अनुष्ठान व दर्शन-पूजन के साथ सत्संग की दिनचर्या शुरु हो गई थी, जहां प्रतिदिन प्रातःकाल श्रद्धालु सरयू नदी के पवित्र जलधारा डुबकी लगाकर पूजन कर दीपदान की परंपरा को संपन्न कर रहे हैं। इस वर्ष कार्तिक परिक्रमा पर अत्यधिक भीड़ होने की संभावना है। 31 अक्टूबर को देवोत्थानी एकादशी पर पंचकोसी परिक्रमा की जाएगी। 5 नवम्बर को पूर्णिमा होगी।

सरयू के तट पर पूजन अर्चन करते कल्पवासी।

रोज करते हैं रामलला का दर्शन

महाराजगंज से आई महिला श्रद्धालु सविता देवी ने कहा कि एक माह के लिए अपने परिवार और सभी घर के कार्यों को छोड़कर भगवान की आराधना पूजन के लिए कल्पवास कर रहे हैं। हर रोज सुबह स्नान के बाद राम मंदिर, हनुमानगढ़ी सहित अन्य मंदिरों में दर्शन पूजन के बाद अपने स्थान पर हवन पूजन करते हुए भगवान से कामना करते हैं कि हमारा परिवार और समाज खूब तरक्की करे। आने वाली समय सभी समस्याएं समाप्त हों।

तीसरी बार आया हूं कल्पवास करने

कल्पवासी राजेंद्र गुप्ता ने बताया कि इस बार हमारा तीसरा वर्ष है। पिछले तीन साल से अयोध्या में इस कल्पना पूरा करने के लिए आते हैं। हमारे साथ गांव के चार और लोग भी हैं। यहां पर अनुष्ठान पूजन करते हैं। बताया कि आने वाली 14 कोसी परिक्रमा व पंचकोसी परिक्रमा के बाद पूर्णिमा स्नान करते हुए इस समय कल्पवास को पूरा करेंगे।

संत धर्माचार्यों के बीच नव नियुक्त महंत बालकदास।

रावत मंदिर के महंत बने बालक दास

अयोध्या कार्यालय। रावत मंदिर में शुक्रवार को महंती समारोह का आयोजन किया गया। संत-धर्माचार्यों ने संत परंपरा के अनुरूप बालकदास को कंठी-चादर प्रदान कर महंत नियुक्त किया। अमन दास उर्फ अयोध्या दास को मंदिर का उत्तराधिकारी बनाया गया है। मंदिर के नवनियुक्त महंत बालक दास ने कहा कि वह संत परंपरा के संवर्धन में सदैव तत्पर रहेंगे। मंदिर की परंपराओं का सम्यक निर्वहन किया जाएगा। बीते दिनों रावत मंदिर के महंत राममिलन दास की मौत हो जाने के बाद मंदिर को प्रशासन के द्वारा सील करने की कार्रवाई की गई थी, लेकिन अयोध्या के साधु संतों ने इस कार्रवाई का विरोध किया, जिसके बाद मंदिर की परंपरा का निर्वाह करने के लिए साधु संतों ने नए महंत को दायित्व सौंप दिया गया। समारोह की व्यवस्था देख रहे महंत बालयोगी रामदास ने बताया कि महंती देने वालों में महंत मैथिली रमण शरण, महंत वैदेही बल्लभ शरण, महंत अवधेश दास, अधिकारी राजकुमार दास, महंत मिथिलेश नंदिनी शरण, महंत जन्मेजय शरण, जगद्गुरु परमहंसाचार्य, पूर्व सांसद लल्लू सिंह सहित बड़ी संख्या में संत-धर्माचार्य शामिल रहे।

अमृत विचार

अयोध्या, शनिवार, 25 अक्टूबर 2025

तिलोदकी गंगा नदी के कायाकल्प के लिए मांगा 6 माह का समय

हरित न्यायाधिकरण की सुनवाई में प्रशासन ने लिया समय, सुनवाई में नदी और नाले के साथ कई अन्य मुद्दों पर चर्चा

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : अयोध्या की पौराणिक तिलोदकी गंगा के पुनरुद्धार/ कायाकल्प के लिए छह महीने का समय तय किया गया है। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल की सुनवाई में जिला प्रशासन ने इसके कायाकल्प के लिए छह महीने का समय लिया है। अब तिलोदकी गंगा के पुनरुद्धार को लेकर काम तेज किया जाएगा। हालांकि प्रशासन ने एनजीटी की सुनवाई शुरू होने के साथ ही बारिश के पहले इस पर काम शुरू कर दिया था, लेकिन अब समयबद्ध ढंग से काम होगा।

त्रिलोकी गंगा नदी (फाइल फोटो)

- प्रशासन ने प्रस्तुत की अब तक कराए गए कार्यों की रिपोर्ट

अतीत में प्रशासन और दूसरे विभागों ने सोहावल के पंडितपुर में रमणक ऋषि की तपस्थली से निकलने वाली पौराणिक तिलोदकी गंगा नदी को नदी नहीं मान रहा था, जबकि पुराणों में इसका विस्तृत उल्लेख है। इसी को लेकर मामला एनएजीटी में पहुंचा। एनजीटी ने गंजा गांव के पास प्रदूषित जलभराव को लेकर पहले आदेश किया तो सिंचाई विभाग ने नदी के स्थान पर बिना सोचे समझे पक्का नाला बना डाला। वादी दुर्गा प्रसाद की शिकायत के बाद एनजीटी ने तिलोदकी गंगा नदी के पुनरुद्धार को लेकर पिछली सुनवाई में फिर आदेश जारी किया था। कहा था कि वादी के साक्ष्यों के आधार पर इसका पुनरुद्धार कराया जाए।

जिलाधिकारी निखिल टी.फुंडे और सीडीओ कृष्ण कुमार सिंह ने तिलोदकी गंगा को एक जिला एक नदी योजना में शामिल किया। दोनों अफसरों ने बारिश के पहले पहले चरण में लगभग सात किमी निरीक्षण के बाद काम शुरू कराया। इसकी रिपोर्ट एनजीटी को भेजा। वादी दुर्गा प्रसाद ने बताया कि एनजीटी की सुनवाई में तिलोदकी गंगा नदी के पुनरुद्धार/कायाकल्प के लिए प्रशासन ने छह महीने का समय मांगा। न्यायाधिकारण ने विचार के लिए तीन महीने पर प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के साथ समय स्वीकार कर लिया है।

गत दिनों इस मुद्दे पर हुई थी बहस

पिछले दिनों एनजीटी के जस्टिस अरुण कुमार त्यागी, ज्यूडिशियल मेंबर ईश्वर सिंह ने सुनवाई की। सुनवाई में वादी दुर्गा प्रसाद, प्रशासन की ओर से अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व महेंद्र कुमार सिंह, सिंचाई विभाग के अधिकारी सहित अन्य लोग वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए शामिल हुए। सुनवाई के दौरान एक बार फिर नाला और नदी के साथ सिंचाई विभाग से नदी के स्थान पर नाला बनाने के मुद्दे पर बहस हुई। जमीन संबंधी कुछ समस्याएं भी गिनाई गई। न्यायालय ने नदी के कायाकल्प को लेकर जिला प्रशासन से जानकारी चाही। प्रशासन की ओर से इसके पुनरुद्धार/कायाकल्प के लिए छह महीने का समय मांगा गया। न्यायाधिकरण ने छह महीने का समय इस शर्त के साथ स्वीकार किया है कि तीन महीने की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी। न्यायाधिकरण आदेश के मुताबिक कार्यों की प्रगति पर विचार करेगा।

सीता स्वयंवर से शुरू हुई अरथर की राम लीला

सोहावल, अमृत विचार: सोहावल तहसील क्षेत्र के अरथर गांव में श्री आदर्श रामलीला समिति की ओर से पांच दिवसीय मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम की लीलाओं का शुभारंभ सीता स्वयंवर के मंचन से हुआ। समिति के अध्यक्ष एवं समाजसेवी जनार्दन गौड़ ने उद्घाटन किया। प्रबंधक सुरेश सिंह बाबा, डायरेक्टर मास्टर धूम प्रसाद और कोषाध्यक्ष मास्टर रोजन अली ने श्री गौड़ को श्रीराम दरबार का स्मृति चिन्ह, तौहीद और मिट्ठू लाल अंग वस्त्र भेंटकर और पुष्पमाला पहनाकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में उपस्थित अशोक मिश्रा, सोहराब खान, अफरोज खान को समिति ने सम्मानित किया। वक्ताओं ने कहा कि अरथर की रामलीला हिन्दू-मुस्लिम एकता और गंगा-जमुनी तहज़ीब की जीवंत मिसाल है। प्रबंधक बाबा ने बताया कि रामलीला 46 वें वर्ष में प्रवेश कर चुकी है। सीता स्वयंवर का भावपूर्ण मंचन हुआ, जिसमें रावण-बाणासुर संवाद और परशुराम-लक्ष्मण संवाद जैसे प्रसंगों ने दर्शकों को भाव-विभोर कर दिया।

सनातन हिंदू एकता पदयात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते विधायक चंद्रभानु पासवान।

सनातन हिंदू एकता पदयात्रा को विधायक ने दिखाई झंडी

मिल्कीपुर, अयोध्या। अमृत विचार : मिल्कीपुर विधानसभा क्षेत्र के सिद्धनाथन मंदिर परिसर से शुक्रवार को दो दिवसीय सनातन हिंदू एकता पदयात्रा का शुभारंभ हुआ। मिल्कीपुर विधायक चंद्रभानु पासवान ने यात्रा को रवाना किया। यह यात्रा अयोध्या धाम के लिए रवाना हुई। यह यात्रा ब्राह्मण जागृति संस्था दिल्ली प्रदेश के उपाध्यक्ष धर्मेंद्र पाण्डेय की अगुवाई में निकाली जा रही है, जो 25 अक्टूबर को हनुमानगढ़ी धाम, अयोध्या में संपन्न होगी। आयोजक ने बताया कि इस यात्रा का उद्देश्य जात-पात और भेदभाव को मिटाकर सभी सनातनियों व हिंदुओं को एकजुट करना है। विधायक चंद्रभानु पासवान ने कहा कि यह यात्रा राष्ट्रहित और धर्महित दोनों के लिए एक प्रेरणादायक पहल है। भाजपा जिला उपाध्यक्ष कृष्ण कुमार पाण्डेय ने कहा कि ऐसे आयोजन पूरे देश में धार्मिक जागरण और सामाजिक समरसता का संदेश दे रहे हैं। आचार्य बद्री विशाल तिवारी, राहुल तिवारी, लवलेश मिश्रा, मोनू तिवारी, अभिषेक तिवारी, सुधीर तिवारी, रवि तिवारी, केके. शुक्ला समेत अन्य मौजूद रहे।

स्ट्रीट वेंडर को सिपाही ने लाठी से पीटा, फिर पलटा ठेला

अयोध्या कार्यालय।

- थाना रामजन्मभूमि क्षेत्र अंतर्गत श्रीराम अस्पताल के पास की घटना, इटावा जनपद में तैनात है आरोपी सिपाही
- वीडियो वायरल होने पर ड्यूटी से रिलीव हुआ सिपाही, इटावा पुलिस को अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए लिखा पत्र

अमृत विचार : एक सिपाही द्वारा स्ट्रीट वेंडर को थप्पड़ मारने व ठेला पलटने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। आरोपी सिपाही इटावा जनपद में तैनात है। वर्तमान में वह श्रीराम जन्मभूमि परिसर की सुरक्षा ड्यूटी में तैनात था। इसको संज्ञान में लेते हुए जिला पुलिस ने उक्त सिपाही को ड्यूटी से रिलीव करते हुए इटावा के पुलिस अधीक्षक को पत्र लिख अनुशासनात्मक कार्रवाई करने की संस्तुति की है। अमृत विचार वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है।

घटना श्रीराम जन्मभूमि पथ के पास श्रीराम अस्पताल के समीप की है। वायरल वीडियो में दिख रहा है कि सिपाही अनूप पांडेय रामपथ पर किनारे ठेले पर पूजन सामग्री बेच रहे युवक के पास जाता है व कुछ बात करता है। इसके बाद वह उसे थप्पड़ मारने लगता है, फिर डंडे से पीटता है। बाद में गुस्से में उसके ठेले को पलट देता है। जिससे ठेले पर रखे प्रसाद, फूल-माला और अन्य सामान सड़क पर बिखर जाते हैं। घटना का वीडियो वहां मौजूद किसी व्यक्ति ने बना लिया व उसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। इस पर लोगों ने कमेंट करते हुए सिपाही की करतूत पर नाराजगी जाहिर की। एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी ने बताया कि वायरल वीडियो को संज्ञान में लेते हुए उक्त आरक्षी अनूप पांडेय को ड्यूटी से रिलीव कर दिया गया है। साथ ही उसके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए इटावा पुलिस को पत्र लिखा गया है।

देव दीपावली पर 5100 दीपों से की जाएगी मां सरयू की आरती

अयोध्या कार्यालय।

अमृत विचार: श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास महाराज के उत्तराधिकारी शिष्य महंत कमलनयन दास की उपस्थिति में संत तुलसीदास घाट कच्चा घाट पर प्रतिदिन मां सरयू की आरती शुरू हो गयी है। कार्तिक पूर्णिमा देव दीपावली पर 5100 दीपों से मां सरयू की आरती की जाएगी।

संत तुलसीदास कच्चा घाट पर गुरुवार को दीपों की रोशनी और भक्तों के जयघोष से पूरा वातावरण राममय हो उठा। संपूर्ण व्यवस्था सीताराम पांडेय उर्फ बबलू महाराज ने संभाली। उन्होंने बताया कि मां सरयू की आरती प्रतिदिन होगी। मुख्य अतिथि समाजसेवी संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश यादव ने कहा कि अयोध्या की पहचान भक्ति, संस्कृति और अध्यात्म से है। प्रभु श्रीराम का मंदिर बन चुका है। अब माता सरयू की नित्य आरती इस पावन नगरी की नई परंपरा बनेगी। आने वाले देव दीपावली पर्व पर इसी स्थान पर भव्य आयोजन किया जाएगा। यह आरती अब प्रतिदिन शाम 6 बजे संपन्न होगी। इस मौके पर महापौर गिरीशपति त्रिपाठी, श्रीराम वल्लभा कुंज के अधिकारी राजकुमार दास, इकबाल अंसारी, माझी मझवार समाज कल्याण समिति के अध्यक्ष रामजस माझी, तीर्थ पुरोहित अध्यक्ष दुर्गेश महाराज, लड्डू गोपाल सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रदीप महाराज, सरदार गुरबीर सिंह, आरती व्यवस्थापक मुकेश शास्त्री, काशिफ शेख चौधरी सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

आरती करते समाजसेवी संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश यादव व अन्य।

मानसिक बीमारी से हूं ग्रसित, अशोभनीय शब्दों के लिए करें माफ

अयोध्या कार्यालय

- सीएमओ के आरोप पत्र पर सोहावल सीएचसी की बीसीपीएम ने दिया बिंदुवार जवाब

अमृत विचार : सोहावल सीएचसी की बीसीपीएम नेहा सिंह ने सीएमओ के आरोप पत्र पर जवाब दाखिल कर दिया है। उन्होंने कहा है कि वह वर्तमान समय में गंभीर मानसिक बीमारी से ग्रसित हैं। मनोचिकित्सक के द्वारा काउंसिलिंग की जा रही है। इस स्थित में मानसिक विकार के कारण इंसान से बोल चाल अथवा भाषा के सही उल्लेख करने में गलती होने की संभावना रहती है। यदि कोई अशोभनीय शब्द उजागर हुए हो तो इसके लिये वह माफी मांगती हैं।

दरअसल तीन अक्टूबर को सोहावल सीएचसी में हुए बवाल को लेकर सीएमओ डॉ.सुशील कुमार बानियान ने दूसरे दिन ही आठ बिंदुओं पर आरोप पत्र जारी किया गया था। इसमें आशाओं का नेतृत्व करते हुए उप जिलाधिकारी एवं तहसीलदार के समक्ष गंदी गन्दी गालियों एवं अलोकतांत्रिक और अमर्यादित ढंग से व्यवहार समेत अन्य बातों का जिक्र था। इस पर बीसीपीएम नेहा ने आठ अक्टूबर को सीएमओ को संबोधित पत्र में बिंदुवार लिखा है कि सीएचसी सोहावल का जो भी व्हाट्सएप ग्रुप है उसका इस्तेमाल केवल सूचनाओं को साझा करने एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में आने वाली समस्याओं के निराकरण व स्वास्थ्य के क्षेत्र में संचालित गतिविधियों आदि के लिये उपयोग किया जाता है। मेरे द्वारा अपने पद के गरिमा/आचरण के विपरीत कार्य नहीं किया गया है। टीकाकरण कार्ययोजना पूर्व में ही बनायी जाती है, जिसमें समस्त एएनएम और आशा को अपने टीकाकरण सत्र स्थल की जानकारी से पहले ही सूचित करा दिया जाता है। मेरे द्वारा आशा संगिनियों से प्रतिमाह 100/200 रुपये लेने की जो शिकायत की गयी थी। उस शिकायत का आरोप पत्र मुझे आज तक नहीं प्राप्त हुआ। वर्ष 2017-18 में माह जुलाई एवं अगस्त के अवधि में मेरी तैनाती मया बाजार सीएचसी पर थी। उक्त अवधि का आशाओं का कोई भी कलस्टर बैठक का भुगतान लम्बित नहीं। आशाओं के धरने पर बैठने का कारण वहां की चिकित्सा व्यवस्था थी।

मेरे द्वारा गभर्भावस्था के अवकाश के लिए जो भी आवेदन किया गया था उसमें अल्ट्रासाउंड रिपोर्ट और चिकित्सक के पर्चे पर गर्भ के संख्या का उल्लेख था। उक्त अवकाश की स्वीकृति आवेदन के परीक्षण उपरांत आपके स्तर से शासकीय नियमों के अधीन प्रदान की गई है। सोहावल में मेरे नाम से कोई भी आवास लिखित रूप से न तो आवंटित किया गया है और न ही निवास करने का कोई लिखित आदेश निर्गत है।

अयोध्या के अर्जुन स्काई ड्राइविंग के लिए रवाना

अयोध्या, अमृत विचार: मुख्य विकास अधिकारी कृष्ण कुमार सिंह ने शुक्रवार को फिट इंडिया मूवमेंट के अंतर्गत स्काई ड्राइविंग के लिए भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी, अयोध्या शाखा के प्रतिनिधि अर्जुन शंकर सिंह निवासी कुमारगंज को प्रतीक चिह्न और ध्वज सौंपकर व हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। वह आगामी नवंबर माह में नारनौल, हरियाणा स्थित 'स्काई हाई इंटरनेशनल ड्रॉपजोन में भारतीय सेना के रिटायर्ड अधिकारी ब्रिगेडियर सौरभ सिंह शेखावत के दिशानिर्देश में स्काई ड्राइव करेंगे। अर्जुन की शुरुआती शिक्षा सैनिक स्कूल, लखनऊ तथा उच्च शिक्षा काशी हिंदू विश्वविद्यालय, बनारस से हुई है। वर्तमान में वह यूनेस्को तथा रेडक्रॉस सोसाइटी के सदस्य भी हैं। इस दौरान भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी के चेयरमैन राम अनुज तिवारी, सचिव डॉ. संदीप कुमार शुक्ला एवं सीएमओ डॉ. सुशील कुमार बनियान समेत अन्य मौजूद रहे।

अर्जुन को प्रतीक चिह्न देते सीडीओ केके सिंह।

शिक्षक दिल्ली कूच को तैयार आज से जनजागरण मुहिम

अयोध्या, अमृत विचार : शिक्षकों के लिए टीईटी अनिवार्य किए जाने के बाद शिक्षकों का विरोध तेज हो गया है। इसी क्रम में अयोध्या जिले के शिक्षक संगठनों ने भी दिल्ली कूच की तैयारी तेज कर दी है। अखिल भारतीय शिक्षक संघर्ष मोर्चा के आह्वान पर 24 नवम्बर को दिल्ली के जंतर-मंतर पर होने वाले प्रदर्शन को सफल बनाने के लिए 25 अक्टूबर से अयोध्या जिले में जनसंपर्क और बैठकों का सिलसिला शुरू होगा। जिला संयोजक डॉ. संजय सिंह ने बताया कि टीईटी को अनिवार्य किए जाने का आदेश शिक्षकों के हित में नहीं है। यह निर्णय उन शिक्षकों के साथ अन्याय है जिन्होंने अपने समय की पात्रता के अनुसार नियुक्ति पाई थी। उन्होंने कहा कि अब सभी संगठनों ने मिलकर इसे वापस लेने की मांग उठाई है। बताया कि अयोध्या के सभी ब्लॉकों में 25 से 31 अक्टूबर तक शिक्षकों की बैठकें होंगी, जिसमें आंदोलन की रणनीति तय की जाएगी। साथ ही अधिक से अधिक शिक्षकों को 24 नवम्बर को दिल्ली पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है।

डॉ संजय सिंह, अध्यक्ष उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ

एसवीएस फाउंडेशन ने किया कॉर्पोरेट ऑफिस का शुभारंभ

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : समाज सेवा और राष्ट्र निर्माण के क्षेत्र में सक्रिय एसवीएस फाउंडेशन ने शुक्रवार को अयोध्या में अपने नए कॉर्पोरेट ऑफिस का शुभारंभ किया। जानकी सदन देवकाली रोड पर स्थित कार्यालय का शुभारंभ अवसर पर संस्था के अध्यक्ष योगेश पांडेय और सचिव साधना पांडेय मौजूद रहे। शुभारंभ प्रसिद्ध हस्तरेखाविद् अमरनाथ उर्फ अनादि बाबा ने किया।

उन्होंने कहा एसवीएस फाउंडेशन का यह कदम केवल संस्था का विस्तार नहीं, बल्कि समाज में नई चेतना और निस्वार्थ सेवा की नई शुरुआत है। एक नई इकाई का नाम संस्कार भारती संगठन रखा गया है।

कार्यालय का शुभारंभ करते अमरनाथ उर्फ अनादि बाबा व संस्था अध्यक्ष योगेश पांडेय।

संस्था के अध्यक्ष योगेश पांडेय ने कहा हम शिक्षा, महिला सशक्तिकरण और समाज के सर्वांगीण विकास के लिए ठोस कदम उठाएंगे। राज्य प्रबंधन अधिकारी रवीन्द्र कुमार समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

45 हजार विद्यार्थियों की हर माह कैरियर काउंसिलिंग

अयोध्या कार्यालय

- जिला स्तर पर गठित होगी पांच सदस्यीय कमेटी
- सिविल सर्विसेज, मेडिकल समेत अन्य के लिए विशेषज्ञ देंगे टिप्स

> माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए कैरियर काउंसिलिंग सत्र आयोजित किए जायेंगे। इसके लिए सभी प्रधानाचार्यों को पत्र भेजा जा रहा है। - डॉ. विनय कुमार तिवारी, डीआईओएस

अमृत विचार : माध्यमिक विद्यालयों में छात्रों के सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देने के लिए जल्द ही कैरियर काउंसिलिंग सत्र आयोजित किए जाएंगे। इस संबंध में सभी जिलों के जिला विद्यालय निरीक्षकों को विस्तृत निर्देश जारी किए गए हैं। निर्देशों में स्पष्ट कहा गया है कि इन सत्रों से छात्रों को भविष्य की प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने में सहायता मिलेगी। इसके लिए जिला स्तर पर पांच सदस्यीय कमेटी का गठन होगा। जनपद के 446 माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत 45 हजार विद्यार्थियों को इसका सीधा लाभ होगा। प्रत्येक माह कॉलेज में हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के विद्यार्थियों के लिए सत्र होंगे।

निर्देश में कहा गया है कि विद्यालयों में नियमित सत्र आयोजित किए जाएं, जिसमें विशेषज्ञों को आमंत्रित कर छात्रों को विभिन्न करियर विकल्पों जैसे इंजीनियरिंग, मेडिकल, सिविल सर्विसेज, आईटी और उद्यमिता के बारे में जानकारी दी जाए। यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत की जा रही है, जिसमें कक्षा छह से ही कैरियर गाइडेंस पर जोर दिया गया है। डीआईओएस को निर्देश दिए गए हैं कि प्रत्येक विद्यालय में मासिक सत्र अनिवार्य रूप से आयोजित हों, जिसमें अभिभावकों की भागीदारी भी सुनिश्चित की जाए। सत्रों में मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन, एप्टीट्यूड टेस्ट और करियर प्लानिंग वर्कशॉप शामिल होंगे। शिक्षाविदों का मानना है कि इससे ड्रॉपआउट दर में कमी आएगी, जो वर्तमान में माध्यमिक स्तर पर 12-15 प्रतिशत है। हर सत्र में अलग-अलग विशेषज्ञों को बतौर अतिथि आमंत्रित किया जाएगा। प्रत्येक सत्र तीन दिवसीय होगा और हर सत्र की रिपोर्ट जिला विद्यालय निरीक्षक को भेजी जाएगी। इसमें मनोवैज्ञानिक, चिकित्सक, शिक्षक, व्यवसायी और एडीएम, एसडीएम बच्चों का मार्गदर्शन करेंगे।

जनपदीय विद्यालयीय खेल प्रतियोगिता के पदक विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया।

पदक विजेता खिलाड़ी हुए सम्मानित

पूराबाजार, अयोध्या। अमृत विचार : बच्चू लाल इंटर कॉलेज पूरा बाजार में जनपदीय विद्यालयीय खेल प्रतियोगिता में पदक प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को शुक्रवार को सम्मानित किया गया। व्यायाम शिक्षक प्रवीन सिंह ने बताया कि राम बल्लभा इंटर कॉलेज इ्योढ़ी में हुई विद्यालयी खेल प्रतियोगिता में विद्यालय के पवन ने 200 मीटर, 400 मीटर व 1500 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक, शिवा ने लंबी कूद में रजत पदक व सूर्य भूषण सिंह ने गोला फेंक में कांस्य पदक जीतकर विद्यालय के साथ क्षेत्र का मान बढ़ाया है। प्रधानाचार्य देवेंद्र सिंह ने पदक विजेता खिलाड़ियों को माल्यार्पण व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि विजयी खिलाड़ियों को खेलों में आगे बढ़ाने के लिए व्यक्तिगत रूप से प्रत्येक सुविधा देता रहूंगा। डॉ. शैलेंद्र प्रताप सिंह, वेद प्रकाश गुप्ता, मुकेश कुमार, आशुतोष सिंह, रणवीर सिंह सहित शिक्षकों, छात्र व विद्यालय कर्मी मौजूद रहे।

कसा शिकंजा

24 मानक मदों में तीन वर्ष में दी गई धनराशि का उच्च शिक्षा विभाग ने मांगा ब्यौरा

मंडल के 25 राजकीय महाविद्यालयों से तीन साल का ब्यौरा तलब

अयोध्या कार्यालय

- उच्च शिक्षा विभाग की ओर से 15 दिन का समय किया गया तय

> उच्च शिक्षा विभाग द्वारा तीन वर्ष का ब्यौरा मांगा गया है। अभी दीपावली अवकाश के कारण कालेज और विश्वविद्यालय बंद है। सोमवार को सभी कालेजों को निर्देश दिए जायेंगे। - विनय कुमार सिंह, कुलसचिव, अवध विश्वविद्यालय

अमृत विचार : उच्च शिक्षा विभाग की ओर से डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय समेत मंडल के 25 राजकीय महाविद्यालयों से 24 मानक मदों में दी गई धनराशि का ब्यौरा तलब किया गया है। इसके लिए 15 दिन का समय दिया गया है। उच्च शिक्षा विभाग की ओर से ब्यौरा मांगे जाने के बाद राजकीय महाविद्यालयों में खलबली मची हुई है। इतना ही नहीं संबधित ब्यौरे के साथ कॉलेजों में हुए निर्माण और वर्तमान दशा की फोटो भी मांगी गई है।

उच्च शिक्षा विभाग की ओर से तीन वित्तीय वर्ष में जारी किए गए बजट में से कितनी धनराशि इन्होंने खर्च की। इसका पूरा हिसाब राजकीय महाविद्यालयों को देना होगा। 24 मानक मदों में दी गई धनराशि में इन्होंने कितना धन कॉलेज के विकास व अन्य कामों पर खर्च किया इसकी भी जानकारी मांगी गई है। यही नहीं उन्हें वर्तमान शैक्षिक सत्र वर्ष 2025-26 में जारी की गई धनराशि की अद्यतन स्थिति की भी जानकारी देनी होगी। अयोध्या मंडल में अयोध्या, अम्बेडकर नगर, बाराबंकी, अमेठी और सुल्तानपुर जनपद शामिल हैं। उच्च शिक्षा विभाग की आधिकारिक रिपोर्ट के अनुसार मंडल में कुल 25 राजकीय डिग्री कॉलेज संचालित हो रहे हैं। ये कॉलेज स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर की विभिन्न डिग्री कोर्स प्रदान करते हैं।

सभी मुख्य रूप से डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय से संबद्ध हैं। अयोध्या जिले में 2 राजकीय डिग्री कॉलेज हैं, जिनमें गौतम बुद्ध राजकीय डिग्री कॉलेज दर्शन नगर और के.एस. साकेत पी.जी. कॉलेज प्रमुख हैं। अम्बेडकर नगर में 3 कॉलेज पं. राम लखन शुक्ला राजकीय पी.जी. कॉलेज और रामाबाई राजकीय महिला कॉलेज शामिल हैं। बाराबंकी जिले में सबसे अधिक 5 कॉलेज हैं, जो फतेहगढ़, हैदरगढ़ जैसे क्षेत्रों में हैं। अमेठी जनपद में तीन राजकीय डिग्री कॉलेज रामगंज और मुसाफिरखाना राजकीय कॉलेज, जबकि सुल्तानपुर में 6 कॉलेज राजकीय पीजी कॉलेज सुल्तानपुर और झाम बाबा डिग्री कॉलेज आदि संचालित हैं। उच्च शिक्षा विभाग की ओर से तीन वर्ष के ब्योरे में वर्षवार सूचना देने के लिए निर्देश दिया गया है। इसमें छात्रों की फीस प्रतिपूर्ति को भी शामिल किया गया है। यह पूछा गया है तीन वर्ष के दौरान कितने छात्रों को कितनी फीस प्रतिपूर्ति दी गई है। राजकीय महाविद्यालयों के लिए वर्षवार उपलब्ध कराई जा रही निर्माण एवं संसाधनों के मद में क्या-क्या हुआ और उसका कितना सदुपयोग किया जा रहा है। बताया जाता है कि यदि निर्धारित समय पर ब्यौरा नहीं भेजा गया तो संबंधित कॉलेज के विरुद्ध कार्रवाई की जा सकती है।

उमेश के एपीएल में चयन पर क्षेत्र में खुशी की लहर

मिल्कीपुर, अयोध्या। अमृत विचार: प्रदेश की प्रतिष्ठित अयोध्या प्रीमियर लीग (एपीएल) क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए मिल्कीपुर तहसील मवई कला, पूरे रघुनाथ पंडित का पुरवा निवासी चन्द्रिका प्रसाद तिवारी के होनहार खिलाड़ी पुत्र उमेश तिवारी के चयन पर क्षेत्र में खुशी की लहर है। उप्र क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में नवम्बर में डाभासेमर स्थित डॉ. आंबेडकर अंतरराष्ट्रीय क्रीड़ा संकुल के क्रिकेट मैदान पर आयोजित होने वाली अयोध्या प्रीमियर लीग में चयन के लिए आस-पास जनपदों के सैकड़ों खिलाड़ियों ने किस्मत आजमाई। यूपीसीए ने खिलाड़ियों के चयन के लिए तीन चक्र ट्रायल लिया। अंततः उमेश सभी चयन प्रक्रियाओं में सफल हो कर अयोध्या प्रीमियर लीग की गंगा वॉरियर्स टीम में चयनित हुए। भाजपा नेता सुनील तिवारी व भरतकुंड नंदीग्राम महोत्सव के अध्यक्ष अंजनी पांडेय ने हर्ष व्यक्त कर शुभकामनाएं दी।

टूरिस्ट गाइड एसोसिएशन का गठन, दीपक भट्ट बने अध्यक्ष

अयोध्या, अमृत विचार : अयोध्या पर्यटन विभाग के पंजीकृत टूरिस्ट गाइडों ने पुलिस प्रशासन और क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी से उनकी गंभीर समस्याओं को दरकिनार किए जाने के विरोध में बैठक आयोजित की। बैठक में बतौर मुख्य अतिथि राष्ट्रीय लोक दल के प्रदेश उपाध्यक्ष विश्वेश नाथ मिश्रा सुड्डू मौजूद रहे। गाइडों ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि वे पर्यटन विभाग से प्रमाणित हैं। पुलिस सत्यापन के बाद ही उन्हें परिचय पत्र मिला है। इसके बावजूद उन्हें पुलिस प्रताड़ित करती है। आरोप लगाया कि प्रशासन और पर्यटन विभाग का यह उपेक्षापूर्ण रवैया अयोध्या की छवि को प्रभावित कर रहा है। गाइडों की समस्याओं को संगठित रूप से उठाने और प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने के लिए टूरिस्ट गाइड एसोसिएशन अयोध्या का गठन किया गया। सर्वसम्मति से पदाधिकारियों का मनोनयन किया गया। इसमें अध्यक्ष एवं मुख्य सलाहकार दीपक भट्ट, महामंत्री अमित पाण्डेय, कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष संदीप शर्मा, रंजीत पाण्डेय को नामित किया गया। बैठक में बादल पाण्डेय, उत्तम पाण्डेय, सूर्य प्रकाश पाण्डेय, रवि कुमार गुप्ता, मनीष कुमार कुशवाहा, ऊषा मौर्या, अजय कुमार,अख़िल राय, विशाल विशाल वर्मा सहित अन्य मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

सुंदरकांड पाठ के साथ लॉ कॉलेज का उद्घाटन

रुदौली, अयोध्या। अम्बिका लॉ कालेज का उद्घाटन सुंदर काण्ड का पाठ व हवन पूजन के साथ हुआ। कार्यक्रम में बार एसोसिएशन रुदौली के अध्यक्ष चौधरी अजीमुद्दीन, रमेश तिवारी, रमेश शुक्ला, रमेश सिंह, अखिलेश अवस्थी, अरविन्द सिंह, जगदम्बा श्रीवास्तव, ओम प्रकाश मिश्रा, बालेन्द्र सिंह, रामतेज, राजेन्द्र, लालमणि, विशम्भर वर्मा मौजूद रहे।

दरियाबाद पहुंचे 84 कोसी परिक्रमा के संत-भक्त

रामसनेहीघाट, बाराबंकी। महाराष्ट्र के बीड़ जिले स्थित श्री संत जगतगुरु तुकाराम महाराज वारकरी गुरुकुल तपोभूमि वागद्रा द्वारा आयोजित 84 कोसी परिक्रमा का विशाल जत्था शुक्रवार शाम दरियाबाद पहुंचा। इस यात्रा का नेतृत्व संत सत्यवान महाराज कर रहे हैं, जिनके साथ लगभग 50 भक्त शामिल हैं। परिक्रमा अयोध्या के मखौड़ा धाम से 19 अक्टूबर को शुरू हुई थी और गुरुवार को मैरामउ में विश्राम के बाद शुक्रवार को दरियाबाद पहुँची। यात्रा का अगला पड़ाव टिकैतनगर के फूलमती मंदिर में होगा। महाराज ने बताया कि यह यात्रा न केवल धार्मिक आस्था को बढ़ावा देती है, बल्कि हर घर में रामराज्य की स्थापना का संदेश भी देती है।

घर का ताला तोड़कर लाखों की चोरी

जैदपुर, बाराबंकी। मंगलवार दोपहर जैदपुर थाना क्षेत्र के मोहल्ला शाहकटरा निवासी नसरीन बानो के घर में चोरी की वारदात हुई। रिपोर्ट के अनुसार, अज्ञात चोर ने नसरीन के कमरे का ताला तोड़कर कमरे में रखे पर्स से बक्शे की चाबी चुरा ली। इसके बाद बक्शा खोलकर उसमें रखे कीमती सोने-चांदी के आभूषण और अन्य कीमती सामान चोरी कर लिया।

किसानों की बैठक में उठा छुट्टा मवेशी आलू बीज और भ्रष्टाचार का मुद्दा

अयोध्या कार्यालय

अफसरों ने संबंधित विभागों को दिया निस्तारण का निर्देश

कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित किसान दिवस की बैठक में मौजूद जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे।

अमृत विचार: किसान दिवस की बैठक में किसानों ने छुट्टा मवेशी, आलू बीज, भ्रष्टाचार सहित कई अन्य मुद्दे उठाए। अफसरों ने संबंधित विभागों को इनके निस्तारण का निर्देश दिया। बैठक जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। भाकियू के पदाधिकारियों ने छुट्टा मवेशियों से खेती और दुर्घटनाओं को बचाने, उन्नतशील आलू बीज पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराने, न्याय पंचायत स्तर पर धान क्रय केंद्रों के संचालन, सुचारू विद्युत आपूर्ति जैसी दर्जनों समस्याएं उठाई।

छुट्टा मवेशियों के सवाल पर सीडीओ केके सिंह ने बताया कि छुट्टा मवेशियों को पकड़कर गौशालाओं में जमा किया जाता है। यूनियन ने मांग की कि खानापूर्ति न करके नियमित रूप से अभियान चलाकर छुट्टा मवेशियों को गौशालाओं में रखा जाए। इनके लिए चारे की व्यवस्था की जाए। उद्यान विभाग के अधिकारी ने बताया कि सौ क्विंटल आलू 25 अक्टूबर को जिले में पहुंचेगी। इस पर यूनियन के जिला उपाध्यक्ष शंकरपाल पांडे ने कम से कम एक हजार क्विंटल आलू बीज उपलब्ध कराए जाने की मांग की। फरीद अहमद ने तहसील परिसर सोहावल में करोड़ों रुपये की लागत से बनी पानी की टंकी के भ्रष्टाचार का मामला उठाया। निष्पक्ष और त्वरित जांच की मांग की। उन्होंने रेलवे स्टेशन सोहावल से सीएचसी तक मार्ग के मरम्मत की मांग भी उठाई। जिलाध्यक्ष राम गणेश मौर्य ने विद्युत आपूर्ति 20 घंटा कराए जाने, नहरों में पानी छोड़े जाने की मांग की। सूर्यनाथ वर्मा ने गन्ना कैलेंडर वितरित करने, रबी सीजन के लिए पर्याप्त मात्रा में डीएपी खाद उपलब्ध कराने की मांग की।

उपनिदेशक कृषि डा. पीके कनौजिया ने किसानों को बताया कि राजकीय कृषि बीज भण्डार पर सरसों का बीज उपलब्ध है जिन किसानों को सरसों की बुवाई करनी है वे बीज गोदामों पर सीधे सब्सिडी के माध्यम बीज प्राप्त कर सकते हैं। सरसों का विक्रय दर 10847 रुपये प्रति क्विंटल है। इसमें कृषक अंश 5423 प्रति क्विंटल, गेहूं का विक्रय मूल्य 4680 रुपये प्रति क्विंटल है। इसके साथ ही उन्होंने अनाज बीजों का बिक्री मूल्य बताया।

खराब रैंकिंग वाले विभागों के अफसर लें व्यक्तिगत रुचि: कमिश्नर

अयोध्या, अमृत विचार : कमिश्नर राजेश कुमार ने मंडल के विकास कार्यों की समीक्षा की। समीक्षा मुख्यमंत्री डैशबोर्ड के माध्यम से सितम्बर में प्राप्त रैंकिंग के आधार पर की। कहा कि जिन विभागों की रैंकिंग खराब है। उनके अफसर व्यक्तिगत रुचि लेकर इसमें सुधार करें। आयुक्त सभागार में आयोजित बैठक में कमिश्नर ने सभी विभागों को निर्देश दिया कि पत्रावलियों का संचालन ई-ऑफिस के माध्यम से किया जाए। ई-ऑफिस को प्रभावी ढंग से लागू करें। उन्होंने छठ पूजा के मद्देनजर नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में घाटों पर लाइट की व्यवस्था, समय पर नियमित साफ सफाई और निर्बाध विद्युत आपूर्ति का निर्देश दिया। माध्यमिक शिक्षा के तहत संचालित प्रोजेक्ट अलंकार के लिए अधिक से अधिक प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजने का निर्देश दिया। उसकी नियमित मॉनीटरिंग के लिए सीडीओ को निर्देश दिया। उन्होंने

- मंडलायुक्त ने की मंडलीय विकास कार्यों की समीक्षा

आईजीआरएस की समीक्षा की। निर्देश दिया कि लंबित शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करें। जल जीवन मिशन की समीक्षा में कहा कि जिन क्षेत्रों में कार्य पूर्ण हो चुका है वहां पर उससे संबंधित रखरखाव की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। निर्माण कार्यों की समीक्षा में कहा कि जो निर्माण कार्य 90 फीसदी पूरे हो गए। उनको शत-प्रतिशत पूरा करें। बैठक में जिलाधिकारी अयोध्या निखिल टीकाराम फुंडे, जिलाधिकारी बाराबंकी शशांक त्रिपाठी, सुल्तानपुर कुमार हर्ष, अम्बेडकरनगर अनुपम शुक्ला और अमेठी संजय चौहान, अपर आयुक्त प्रशासन अजय कान्त सैनी सहित मंडलीय व जिला स्तरीय विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

किसानों से पराली न जलाने की अपील

उपनिदेशक कृषि डा. पीके कनौजिया ने सभी प्रगतिशील किसानों से पराली न जलाने की अपील की। उससे होने वाले लाभ के बारे में बताया। पराली जलाने की सूचना कन्ट्रोल रूम नं. 8791170168 पर दे सकते है। डीएम ने कृषि, उद्यान, पशुपालन, नलकूप, खाद्य एवं रसद और विद्युत विभागों की विभिन्न समस्याओं को त्वरित निस्तारण का निर्देश दिया। डीएम ने किसानों से अपील की कि वह जनसेवा केन्द्र पर जाकर फार्मर रजिस्ट्री करा लें नहीं तो पीएम किसान सम्मान निधि से वंचित हो जाएंगे। बैकक में उद्यान, पशुपालन, गन्ना, खाद्य एंव रसद, विद्युत आदि विभागों के अधिकारियों के साथ किसान पंकज सिंह, राहुल वर्मा, संतोष वर्मा, जगदीश यादव, रामदीन, अनूप पांडे नकुल, राम सुमेर भारती, सिद्धू भारती, कामता प्रसाद वर्मा आदि थे।

सड़क की मांग को लेकर किया प्रदर्शन

सड़क निर्माण को लेकर प्रदर्शन करते ग्रामीण। अमृत विचार

जहांगीरगंज, अंबेडकरनगर।

अमृत विचार। आलापुर विधानसभा क्षेत्र लगभग आधा दर्जन गांव के लोगों ने बैनर लगाकर रोड न बनने पर प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने रोड नहीं तो वोट नहीं का नारा लगाते हुए कहा कि इस रोड पर पांच गांव के लोगों का आना-जाना रहता है, लेकिन इसे बनवाए जाने को लेकर कोई भी नेता, सांसद, विधायक आज तक ध्यान नहीं दिए।

मामला माडर नहर के पटरी का है। नहर के पटरी पर बहुत पुराना खड़ंजा लगा है जो क्षतिग्रस्त हो चुका है। इस मार्ग से माडरमऊ-जमलूपुर-दुर्गूपुर-सामदीपुर-फरीदपुर गांव के लोगों का मुख्य मार्ग है। इसी मार्ग से स्कूली बच्चे, मरीज, वृद्ध को कभी आना-जाना रहता है, जिसके कारण काफी परेशानी हो रही है। हर विधानसभा लोकसभा चुनाव में नेताओं द्वारा रोड बनाए जाने का वादा किया जाता है, लेकिन इस मार्ग को बनाने के लिए कोई ध्यान नहीं देता। जिसके कारण ग्रामीणों को रोड पर आकर प्रदर्शन करना पड़ रहा है। इस बार अगर रोड नहीं बना तो उक्त गांव के लोग मतदान का बहिष्कार करेंगे, इसीलिए समय से पहले सबको अवगत कराया जा रहा है। माडरमऊ निवासी रामजियावन यादव के नेतृत्व में डॉक्टर समसुद्दीन, पूर्व प्रधान यदुवंश यादव, राम जियावन, राम बहाऊ गौड़, अजीत सिंह, मो. फिरोज सहित सैकड़ों की संख्या में ग्रामीणों ने प्रदर्शन भी किया तथा रोड के किनारे रोड नहीं तो वोट नहीं का बैनर भी लगाया है। हांलांकि ग्रामीणों की इस समस्या को सुनने के लिए कोई भी राजनीतिक दल के नेता या प्रशासनिक अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा। इस बाबत उप जिलाधिकारी आलापुर सुभाष सिंह धामी ने बताया कि इस तरह का मामला संज्ञान में नहीं आया है। संज्ञान में आने पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

भूमि विवाद के दौरान हमला, छह लोग घायल

फतेहपुर, बाराबंकी : अमृत विचार। फतेहपुर कोतवाली क्षेत्र में बुधवार सुबह एक विवादित जमीन को लेकर हिंसक झगड़ा हो गया। लाठी, ईंट पत्थरों से हुए हमले में करीब छह लोग घायल हो गए। मामले की शिकायत पुलिस में दर्ज कराई गई है। क्षेत्र के ग्राम लालपुर निवासी कुलदीप कुमार ने पुलिस को बताया कि विवाद का आरंभ रामप्रताप की पत्नी सुन्दरा द्वारा जमीन पर दीपक जलाने से हुआ। जब कुलदीप की दादी अंजली ने इसे रोकने की कोशिश की, तो रामप्रताप, उसके पुत्र मनीष कुमार और अन्य रिश्तेदारों ने गाली-गलौज करना शुरू कर दिया। थोड़ी देर बाद उनके घर वाले मौके पर पहुंचे तो विरोधियों ने उन्हें लाठियों और ईंट-पत्थरों से हमला किया। हमले में कुलदीप, उनके भाई संग्राम सिंह, बहन रोशनी, अन्य परिजन और गर्भवती चचेरी बहन पूजा सहित कई लोग घायल हो गए। घायल लोगों को स्थानीय लोगों की मदद से प्राथमिक उपचार के लिए सीएचसी ले जाया गया। कुलदीप ने बताया कि घटना के बाद 112 नंबर पर पुलिस को सूचना दी गई, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। हमलावर वहां से भाग गए।

दो पक्षों में हुई मारपीट, 15 लोगों के खिलाफ पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

जलालपुर, अंबेडकरनगर: ग्राम कन्नूपुर महमदपुर में रंजिश को लेकर दो पक्षों में लाठी-डंडों से मारपीट हो गई। पुलिस ने दोनों पक्षों के 15 लोगों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत किया है।

ओमप्रकाश निवासी कन्नूपुर ने आरोप लगाया सुबह उनकी पुत्री वंदना व भतीजी रीता खेत की ओर जा रही थीं तभी जगन्नाथ उनकी पत्नी झिनाऊ तथा पुत्रियां आरती, भारती और शिवांगी ने उन्हें देखकर गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर लाठी, घूंसे और चप्पलों से मारा-पीटा गया। ओमप्रकाश की तहरीर पर पुलिस ने जगन्नाथ, झीनाऊ, आरती, भारती, शिवांगी के खिलाफ केस पंजीकृत किया हैं। वहीं दूसरे पक्ष से जगन्नाथ ने तहरीर में कहा कि वह अपने घर के सामने शौचालय का निर्माण करा रहे थे। तभी ओमप्रकाश के ललकारने पर उसके परिवार के लोग लाठी-डंडे लेकर मौके पर पहुंचे, गाली-गलौज करते हुए निर्माण कार्य रुकवाने लगे और उन पर हमला कर दिया। बीच-बचाव करने गईं उसकी पुत्रियां आरती, भारती और शिवांगी को भी चोटें आईं हैं। दोनों पक्षों के आरोपों के बाद गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है। जगन्नाथ की तहरीर पर पुलिस ने ओमप्रकाश, रमाशंकर, मुन्नी देवी, अनीता, श्वेता, शालिनी, सिखा, खुशी, वंदना व अंकित के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया है।

युवक पर लगाया छेड़छाड़ का आरोप

जलालपुर, अंबेडकरनगर: कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी एक विवाहित महिला ने गांव के ही एक युवक पर छेड़छाड़, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़िता ने एसपी को प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है।

एक महिला ने आरोप लगाया कि राजकुमार उसके घर के सामने गाली-गलौज करता है और अश्लील हरकतें करता है। पीड़िता ने बताया कि वह बच्चों के साथ अकेली रहती है। जब वह विरोध करती है तो राजकुमार उसे मारने की धमकी देता है। पीड़िता का कहना है कि उसने पहले भी थाना जलालपुर में शिकायत दी थी लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

विवेक हत्याकांड: मुठभेड़ में आरोपी गिरफ्तार, असलहा व कारतूस बरामद

संवाददाता, आजमगढ़

अमृत विचार: दीपावली की रात जहानागंज थाना क्षेत्र के कोढ़वा गांव में हुए विवेक यादव हत्याकांड में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मुठभेड़ के बाद दो घायल सहित तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। घायलों को अस्पताल भेजा गया है। जहानागंज क्षेत्रान्तर्गत गोधौरा से बजहां जाने वाले मार्ग पर स्थित सीही गांव के पास बीती रात चेकिंग के दौरान अभियुक्तों ने पुलिस टीम पर फायरिंग की जिसके जवाब में पुलिस ने भी फायरिंग की। मुठभेड़ में पवन यादव (25) पुत्र जयप्रकाश यादव, निवासी बैठौली थाना सिधारी और अभिषेक चौहान (24), पुत्र सूबेदार चौहान निवासी माहपुर(करहा) थाना मुहम्मदाबाद गोहना जनपद मऊ गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें जिला अस्पताल ले जाया गया। वहीं अंकित यादव (20) पुत्र राजेन्द्र यादव निवासी नीबी थाना मुबारकपुर को मौके से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने अभियुक्तों के कब्जे से अवैध पिस्टल, दो जिंदा कारतूस, दो खोखा कारतूस, एक अवैध तमंचा, दो जिंदा कारतूस, बाइक आदि बरामद किया। घायलों में पवन यादव और अभिषेक चौहान शामिल हैं। गौरतलब है कि घटना में पुलिस अभियुक्त विशाल सिंह पुत्र संतोष सिंह को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है।

युवती लापता, दो के खिलाफ केस दर्ज

जलालपुर, अंबेडकरनगर: जलालपुर कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में मूर्ति विसर्जन के बाद घर लौटी मां को पुत्री लापता मिली। आरोप है कि गांव के ही दो युवकों ने युवती को बहला-फुसलाकर भगा ले गए हैं। मिली जानकारी के अनुसार एक महिला मूर्ति विसर्जन कार्यक्रम में गई थी। देर रात करीब 11 बजे जब वह घर लौटीं तो उनकी बेटी घर पर नहीं मिली। आसपास खोजबीन करने पर भी युवती का कोई पता नहीं चला। परिजनों को गांव के दो युवकों पर शक है, जिनके खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की गई है। लापता युवती की उम्र लगभग 19 वर्ष बताई जा रही है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर जांच शुरू कर दी है।

जो धर्म का अपमान करेगा, उसे समाज कभी स्वीकार नहीं करेगा : राजू दास

अंबेडकरनगर, अमृत विचार: जिले के हासिमगढ़ छितौनी गांव में रामलीला महोत्सव के समापन समारोह में पहुंचे हनुमानगढ़ी के महंत राजू दास ने एक बार फिर विवादित बयान दिया है। महंत ने कहा सनातन के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करने वाले जनप्रतिनिधियों को ठीक करना चाहिए। समाज को ऐसे लोगों को पहचानना चाहिए। जो धर्म का अपमान करेगा उसे समाज कभी स्वीकार नहीं करेगा। महंत ने रामलीला महोत्सव के समापन समारोह में पूर्व परिवहन मंत्री राम अचल राजभर पर निशाना साधा है। दरअसल सपा नेता ने बीते दिनों बैठक के दौरान रामायण जलाने वालों की तारीफ की थी। महंत ने कहा आजकल कुछ लोग राजनीतिक स्वार्थ में धर्म का मजाक बना रहे हैं, लेकिन सनातन धर्म किसी व्यक्ति या समुदाय से नहीं डरता। यह सृष्टि की आत्मा और आस्था की आधारशिला है जो व्यक्ति धर्म की निंदा करेगा, उसे समाज कभी स्वीकार नहीं करेगा। महंत ने कहा कि अगर हर व्यक्ति अपने परिवार में रोज रामचरितमानस का एक दोहा भी पढ़े, तो समाज की कई बुराइयां खुद ही खत्म हो जाएंगी। रामचरितमानस केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं बल्कि जीवन का मार्गदर्शन है।

महिला ने खाया विषाक्त, मौत

बसखारी, अंबेडकरनगर: पारिवारिक विवाद के चलते विषाक्त खाने से तीन बच्चों की मां की इलाज के दौरान मौत हो गई। मरने से पहले मृतका ने अपनी सास ज्ञानमती और देवरानी रंजन पर जहर खिलाने का बयान दिया है। जिसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल है। हालांकि वायरल वीडियो की पुष्टि अमृत विचार नहीं करता है।

घटना बीती रात घेरवा मरौचा गांव की है। जहां गुरुवार रात मधु देवी पत्नी संजय कुमार की हालत बिगड़ने लगी। उसे बसखारी स्थित एक निजी चिकित्सालय ले जाया गया। जहां हालत गंभीर देख उसे सीएचसी बसखारी और फिर मेडिकल कॉलेज सद्दरपुर और शुक्रवार को ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर कर दिया गया। लखनऊ ले जाते समय रास्ते में महिला ने दम तोड़ दिया। घटना की सूचना पाकर मृतका के पिता इंद्रबली, भाई मनीष निवासी भिदूण व जिला पंचायत सदस्य अंगद निषाद व अन्य ग्रामीण भी मौके पर पहुंच गए। वहीं सूचना पाकर मौके पर बसखारी पुलिस व फोरेंसिक टीम भी पहुंच गई। मृतका का पति संजय कुमार रोजी-रोटी के सिलसिले में कहीं बाहर रहता है। एक बेटी साक्षी उम्र 15 वर्ष, दो पुत्र शाश्वत 8 वर्ष, अनुराग 6 वर्ष है। मृतका के पिता इंद्रबली के प्रार्थना पत्र पर बसखारी पुलिस ने ज्ञानमती पत्नी घरभरन व देवरानी रंजना देवी पत्नी संजीव कुमार के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कर जांच-पड़ताल में जुट गई है।

घटना के बाद रोते-बिलखते परिजन। अमृत विचार

जिपं अध्यक्ष पर झूठी जानकारी देने का आरोप

जिला संवाददाता, अंबेडकरनगर: जिपं अध्यक्ष श्याम सुंदर वर्मा उर्फ साधु वर्मा पर शिकायत दर्ज की गई है। उन पर चुनाव के समय दिए गए शपथ पत्र में आपराधिक मुकदमे छिपाने व झूठा शपथ पत्र दाखिल करने का आरोप है। बता दें दौलतपुर महमूदपुर निवासी मेराज अहमद अंसारी ने टांडा कोतवाली में यह शिकायत पत्र दिया है। पत्र में जिक्र किया गया है कि टांडा उत्तरी पूर्वी सीट से नवनिर्वाचित जिपं सदस्य श्यामसुंदर वर्मा ने अपने नामांकन पत्र और शपथ पत्र में उल्लेख किया था कि उनके विरुद्ध कोई आपराधिक केस दर्ज नहीं है। शिकायतकर्ता के अनुसार श्यामसुंदर वर्मा पर थाना इब्राहिमपुर में मुकदमा पंजीकृत है। इस मामले में पुलिस ने 28 मार्च 2019 को कोर्ट में आरोप पत्र भी प्रस्तुत किया था। शिकायत में कहा गया प्रतिवादी ने गंभीर आपराधिक प्रकरण को छिपाकर झूठा शपथ पत्र प्रस्तुत किया है। वहीं पूरे मामले में टांडा कोतवाल दीपक सिंह रघुवंशी ने बताया कि अभी तहरीर नहीं मिली है।

बिजली विभाग की 7 शिकायतों का हल

अंबेडकरनगर, अमृत विचार: डीएम अनुपम शुक्ला ने समस्त अधिशासी अभियंताओं और उपखंड अधिकारियों को विद्युत बिल से संबंधित आईजीआरएस, 1912, कार्यालय में प्राप्त विद्युत बिल सुधार संबंधी शिकायतों के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। वे शुक्रवार को बिल से संबंधित समस्याओं को सुन रहे थे। अधिशासी अभियंता विद्युत वितरण खंड अकबरपुर ने बताया कि जनपद की चारों खंडों में घरेलू, कॉमर्शियल और अन्य श्रेणी के उपभोक्ताओं से विभिन्न विद्युत उपकेंद्रों के बिल संशोधन के लिए कुल 07 शिकायतें प्राप्त हुए, जिसमें से सभी 07 शिकायतों का शिविर में ही निस्तारण किया गया।

अंबेडकरनगर डायरी

अनाज भंडारण की समुचित व्यवस्था न होने से किसान परेशान

अंबेडकरनगर : जनपद गेहूं और धान की खेती में प्रदेश के अग्रणी जनपदों में से एक है। यहां लगभग चार लाख किसान 1.19 लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल में इन फसलों की खेती करते हैं। इसके बावजूद जनपद में अनाज भंडारण की समुचित व्यवस्था न होने से किसानों को अपनी उपज औने-पौने दाम पर बेचने को मजबूर होना पड़ता है, जिससे खरीद कार्य भी प्रभावित होता है। जनपद में अनाज भंडारण के लिए मात्र दो सरकारी गोदाम उपलब्ध हैं। जिनमें से एक गोदाम टांडा के डुहिया में है, जिसकी क्षमता लगभग पांच हजार मीट्रिक टन है, जबकि दूसरा गोदाम बेलांगर में है, जिसकी क्षमता लगभग आठ हजार मीट्रिक टन है। इस प्रकार कुल भंडारण क्षमता लगभग 13 हजार मीट्रिक टन है, जो जनपद की कृषि उपज के मुकाबले बेहद कम है।

आईटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज

जलालपुर, अंबेडकरनगर : जैतपुर थाना क्षेत्र के एक गांव की युवती ने अपने रिश्तेदार पर सोशल मीडिया से बदनाम करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने केस दर्ज किया है। पीड़िता ने बताया कुछ माह पूर्व जौनपुर के बारी गांव निवासी शिवा चौहान उसके घर आया था। इस दौरान उसने युवती का मोबाइल नंबर ले लिया था। इसके बाद वह अलग-अलग नंबरों से कॉल और वीडियो कॉल कर परेशान करने लगा। आरोप है कि शिवा ने वीडियो कॉल की रिकॉर्डिंग कर उसे इंस्टाग्राम व फेसबुक पर बदनाम करने के उद्देश्य से पोस्ट कर दिया। जब परिजनों ने इस पर आपत्ति जताई, तो आरोपी ने युवती और उसके परिवार को जान से मारने की धमकी दी। आरोपी ने युवती से शादी करने का दबाव बनाते हुए कहा कि यदि उसने शादी नहीं किया तो वह उसकी इज्जत खराब कर देगा। परिवार द्वारा विरोध करने पर आरोपी के पिता और अन्य परिजनों ने भी धमकी देना शुरू कर दिया।

तीन दिन से सामुदायिक शौचालय में पड़ा है मृत कुत्ता, लोग परेशान

जलालपुर, अंबेडकरनगर : जलालपुर नगर पालिका परिषद की लापरवाही एक बार फिर चर्चा का विषय बनी हुई है। कोतवाली के निकट स्थित सामुदायिक शौचालय में पिछले तीन दिनों से एक कुत्ता मरा पड़ा हुआ है, जिससे आसपास के क्षेत्र में बदबू फैल रही है। शौचालय का उपयोग करने वाले लोग मजबूरन बैरंग लौट रहे हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि नगर पालिका के जिम्मेदारों को इसकी सूचना कई बार दी गई, लेकिन किसी ने ध्यान नहीं दिया। शुक्रवार को जब दोबारा कुछ लोग शौचालय पहुंचे तो देखा कि मृत कुत्ता अब भी वहीं पड़ा है और दुर्गंध और भी तेज हो गई है। नगर के जियालाल, मोहम्मद इरफान, अशोक कुमार आदि नागरिकों ने बताया कि नगर पालिका की ऐसी मनमानी और लापरवाही आए दिन देखने को मिलती है।

सीएमओ ने दिए जांच के आदेश

अंबेडकरनगर, अमृत विचार : जलालपुर क्षेत्र में अवैध रूप से गर्भपात कराए जाने का मामला सामने आया है। हॉस्पिटल के संचालक का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है जिसमें वह गर्भपात कराने की बात स्वीकार करता नजर आ रहा है। हालांकि वायरल वीडियो की पुष्टि अमृत विचार नहीं करता है। वीडियो में अस्पताल संचालक कह रहे हैं कि जितना हो उतना ले आओ, सबका एबॉर्शन हो जाएगा। वीडियो सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है। सीएमओ डॉ. संजय कुमार शैवाल ने मामले में जांच के आदेश दिए हैं। सीएमओ ने बताया कि जलालपुर के एसडीएम, सीओ और चिकित्सा अधीक्षक को जांच के लिए पत्र लिख दिया गया है। सीएमओ ने यह भी बताया कि उक्त अस्पताल बिना लाइसेंस के संचालित हो रहा था। जांच टीम को अस्पताल के सभी कागजात, लाइसेंस और संबंधित चिकित्सा अभिलेखों की जांच के निर्देश दिए गए हैं। यदि आरोप सही पाए गए तो कार्रवाई की जाएगी।

किसान खेतों में न जलाएं कृषि अपशिष्ट : अश्विनी कुमार

अंबेडकरनगर, अमृत विचार : कृषि विभाग ने जनपद के किसानों से पराली न जलाने की अपील किया है। पराली जलाने से बढ़ते वायु प्रदूषण को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। उप कृषि निदेशक अश्विनी कुमार सिंह ने जनपद के समस्त किसानों से अपील किया है कि वह कृषि अपशिष्ट या पराली को खेतों में न जलाएं। उन्होंने बताया कि पराली जलाने से वायु प्रदूषण बढ़ता है, जिससे मानव जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। इसी कारण सर्वोच्च न्यायालय ने इस विषय को गंभीरता से लेते हुए सख्त निर्देश जारी किए हैं। बता दें कि जनपद में पराली धान की पुवाल एवं अन्य कृषि अपशिष्टों के जलाने से उत्पन्न होने वाले पर्यावरण प्रदूषण की रोकथाम के लिए जनपद, तहसील और विकास खंड स्तर पर टीमों का गठन किया गया है। इन टीमों के माध्यम से किसानों को लगातार यह जागरूक किया जा रहा है कि राष्ट्रीय हरित अधिकरण एनजीटी के आदेशानुसार फसल अवशेष जलाना एक दण्डनीय अपराध है। उप कृषि निदेशक ने बताया कि पराली जलाने की घटना पाए जाने पर संबंधित व्यक्ति पर राष्ट्रीय हरित अधिकरण अधिनियम की धारा 24 के तहत क्षतिपूर्ति वसूली जाएगी तथा धारा 26 के अंतर्गत उल्लंघन की पुनरावृत्ति पर अर्थदंड और एफआईआर दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अब तक तहसील अकबरपुर के 2 किसानों पर 10 हजार रुपए का दंड लगाया जा चुका है।

कार्यक्रम मिशन शक्ति 5 .0 के अंतर्गत छात्राओं से संवाद सशक्तिकरण की ओर एक सार्थक पहल

छात्राओं को दी हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी, किया जागरूक

जिला संवाददाता, अंबेडकरनगर

अमृत विचार: शासन के मंशानुसार जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला के निर्देशन में मिशन शक्ति 5.0 के तहत शुक्रवार को जनपद के विभिन्न विद्यालयों में छात्राओं के बीच संवाद और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को आत्मनिर्भर, सजग और सशक्त बनाना रहा। छात्राओं को उनके हक के बारे में जागरूक कर विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम प्रमुख रूप से राजकीय बालिका इंटर कॉलेज अकबरपुर, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज नगर पालिका परिषद टांडा, राजकीय बालिका हाईस्कूल बसिया तथा राजकीय हाईस्कूल कहरा सलेमपुर सहित अन्य विद्यालयों में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को विभिन्न महिला सुरक्षा और आपातकालीन हेल्पलाइन नंबरों की विस्तृत जानकारी दी गई। जिनमें 1090 वूमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्पलाइन, 101 अग्निशमन सेवा, 102 गर्भवती महिला संबंधी एम्बुलेंस सेवा, 108 आपातकालीन एम्बुलेंस सेवा, 1930 साइबर हेल्पलाइन नंबर तथा 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर प्रमुख रूप से शामिल रहे। छात्राओं को इन हेल्पलाइन सेवाओं के उपयोग और महत्व के बारे में बताया गया ताकि वह आपात स्थिति में सुरक्षित और सक्षम तरीके से सहायता प्राप्त कर सकें। साथ ही कार्यक्रम में गुड टच और बैड टच जैसे संवेदनशील विषय पर चर्चा की गई। जिसमें छात्राओं को स्वयं की सुरक्षा और जागरूकता के महत्व से अवगत कराया गया।

छात्राओं को जागरूक करतीं शिक्षिकाएं। अमृत विचार

महिलाओं को योजनाओं के बारे में दी जानकारी

अंबेडकरगर, अमृत विचार : श्रम विभाग द्वारा मिशन शक्ति योजना अंतर्गत पंचायत भवन दुल्हुपुर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुआ। उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं और मनरेगा श्रमिकों को श्रम विभाग की विभिन्न योजनाओं तथा महिला सशक्तिकरण से संबंधित अधिनियमों की जानकारी प्रदान करना था। श्रम प्रवर्तन अधिकारी कमलेश कुमार सिंह द्वारा उत्तर प्रदेश भवन और अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड की योजनाओं जैसे मातृत्व, शिशु एवं बालिका मदद योजना, कन्या विवाह सहायता योजना, संत रविदास शिक्षा सहायता एवं प्रोत्साहन योजना, निर्माण कामगार मृत्यु एवं दिव्यांगता योजना, महात्मा गांधी पेंशन योजना, अटल आवासीय विद्यालय योजना तथा श्रमिक पंजीयन और नवीनीकरण आदि विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गई।

अमृत विचार

अयोध्या, शनिवार, 25 अक्टूबर 2025

सुलतानपुर

न्यूज ब्रीफ

आप सांसद के केस में दरोगा तलब

सुलतानपुर, अमृत विचार : आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह के खिलाफ एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट कोर्ट में चल रहे मुकदमे में शुक्रवार को साक्षी थाना प्रभारी प्रवीण कुमार यादव हाजिर नहीं हुए। अदालत ने मामले में 19 नवम्बर के लिए उन्हें तलब किया है। बंधुआ कला थाने के तत्कालीन थाना प्रभारी प्रवीण कुमार यादव ने 13 अप्रैल 2021 को आम आदमी पार्टी से राज्य सभा सांसद संजय सिंह समय 13 लोगों के खिलाफ नामजद व अज्ञात लोगों के विरुद्ध आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया था।

अंतरिम अग्रिम जमानत अर्जी मंजूर

सुलतानपुर, अमृत विचार : कोतवाली नगर के एक मोहल्ले में शादी का झांसा देकर यौन उत्पीड़न करने के आरोपी सतप्रीत सिंह को सेशन जज राकेश पांडेय ने राहत देते हुए अंतरिम अग्रिम जमानत मंजूर कर ली है। बचाव पक्ष के वकील अरविंद सिंह राजा ने बताया कोर्ट ने नियमित अग्रिम जमानत पर सुनवाई के लिए 29 अक्टूबर की तारीख नियत की है। आरोप है कि आरोपी ने युवती के साथ शादी का झांसा देकर यौन उत्पीड़न किया था।

पीओ हत्याकांड में नहीं हाजिर हुए पूर्व डीआईजी

सुलतानपुर, अमृत विचार : कोतवाली देहात के नकराही गांव में 38 वर्ष पूर्व सीबीसीआईडी के अभियोजन अधिकारी सुरेश चंद्र अग्निहोत्री की हत्या के मामले में गवाह सेवानिवृत्त डीआईजी सुशील कुमार सिंह शुक्रवार को कोर्ट में हाजिर नहीं हुए। न्यायाधीश संतोष कुमार ने लखनऊ के पुलिस अधीक्षक को पत्र भेजकर उनकी उपस्थिति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। एडीजीसी पवन दूबे ने बताया अब इस प्रकरण की अगली सुनवाई 31 अक्टूबर को होगी।

संदिग्ध हालात में लटका मिला युवक का शव

सुलतानपुर, अमृत विचार : कोतवाली नगर क्षेत्र के महादेवा गांव निवासी महेश यादव 28 वर्ष का शव शुक्रवार की सुबह घर के अंदर कमरे में लटकता मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेजा दिया। मिली जानकारी के मुताबिक मृतक की मां घर के पास बने मंदिर में आरती में सम्मिलित हो जब घर लौटी तो युवक को लटकता देखा। मृतक की पत्नी पारिवारिक अनबन के चलते पति को छोड़ मायके गई हुई थी। युवक की मौत से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

जाम से जूझे राहगीर व स्कूली वाहन

जिला मुख्यालय पर लाइलाज हुआ जाम का झाम, घंटों ठप रही ट्रैफिक व्यवस्था

संवाददाता, सुलतानपुर

मेडिकल कॉलेज के सामने लगा जाम)। ● अमृत विचार

अमृत विचारः शहर की सड़कों पर जाम का झाम अब लोगों के लिए रोजमर्रा की मुसीबत बन गया है। शुक्रवार को भी जिला मुख्यालय पर घंटों तक ट्रैफिक व्यवस्था ठप रही। मेडिकल कॉलेज रोड, चौक, सदर तहसील, शाहगंज, पायगीपुर और अमहट जैसे प्रमुख मार्गों पर वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं। कई लोग सड़क पर बेबस खड़े जाम खुलने का इंतजार करते नजर आए।

दोपहर में मेडिकल कॉलेज रोड पर शुरू हुआ जाम धीरे-धीरे पूरे नगर में फैल गया। पुलिसकर्मी मौके पर मौजूद तो रहे, लेकिन तमाम प्रयासों के बावजूद ट्रैफिक व्यवस्था सामान्य नहीं हो सकी। ई-रिक्शा और कार चालकों की लापरवाही, मनमाने ढंग से वाहन खड़ा करने की प्रवृत्ति और ट्रैफिक नियमों की अनदेखी ने हालात को और बिगाड़ दिया। जाम के कारण स्कूली बच्चों को लेकर जा रहे वाहन फंस गए। कई एंबुलेंस भी लंबे समय तक जाम में फंसी रहीं, जिससे मरीजों को अस्पताल पहुंचने में देरी हुई। लोगों ने बताया कि नगर में यह समस्या नई नहीं है, बल्कि रोजाना की परेशानी बन चुकी है। शास्त्रीनगर निवासी सिद्धार्थ उर्फ भीम शुक्ला ने कहा कि हर दिन जाम से जूझना पड़ता है, पुलिस और प्रशासन सिर्फ दिखावे की कार्रवाई करते हैं। वहीं कई लोगों ने बताया कि रात के समय भी ट्रैफिक की स्थिति सुधरती नहीं, जिससे आमजन के साथ आपात सेवाएं भी प्रभावित होती हैं। लोगों का कहना है कि यदि जिला प्रशासन और यातायात विभाग जल्द कोई ठोस रणनीति नहीं बनाते, तो जाम की यह समस्या और गंभीर रूप ले सकती है। शहरवासी अब स्थायी समाधान की मांग कर रहे हैं ताकि उन्हें इस लाइलाज जाम से राहत मिल सके।

संत कुमार को अखण्ड नगर तो विजयंत मिश्रा को मिला कूरेभार

सुलतानपुर, अमृत विचार : हिस्ट्रीशीटर के साथ बर्थडे पार्टी सेलिब्रेट करना कूरेभार थाना प्रभारी को महंगा पड़ गया, फोटो वायरल होते ही एसपी ने लाइन हाजिर कर दिया। वही अखण्ड नगर थाना प्रभारी दीपक कुशवाहा व बेलवाई चौकी इंचार्ज विनोद पटेल पर पीड़ित परिजनों पर पिटाई का आरोप लगा था। कादीपुर विधायक राजेश गौतम ने पुलिस अधीक्षक को फोन कर थाना प्रभारी व चौकी इंचार्ज को हटाए जाने की बात कही थी।गुरुवार की रात ही पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह ने कूरेभार थाना प्रभारी रवींद्र सिंह, अखण्ड नगर थाना प्रभारी दीपक कुशवाहा, चौकी इंचार्ज विनोद पटेल व दो सिपाहियों को लाइन की राह दिखाई। अखण्ड नगर थाने का प्रभार निरीक्षक संत कुमार सिंह को तो कूरेभार थाने का प्रभार उप निरीक्षक विजयंत मिश्रा को सौंपा है।

कथा व्यास की आरती उतारते आयोजक। ● अमृत विचार

धर्म, ज्ञान व वैराग्य का संदेश देती भागवत कथा

सुलतानपुर, अमृत विचार : निराला नगर स्थित एक मैरिज लॉन में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा ज्ञानयज्ञ में तीसरे दिन कथा व्यास डॉ. जयदेव त्रिपाठी ने भगवान श्रीकृष्ण की महिमा, भागवत महात्म्य, राजा परीक्षित के जन्म, श्राप और उनके द्वारा श्रीमद् भागवत श्रवण के प्रसंगों का मनोहर वर्णन किया। व्यासपीठ से उन्होंने भक्ति मार्ग को जीवन का परम लक्ष्य बताते हुए श्रद्धालुओं को धर्म, ज्ञान और वैराग्य के संदेश से भावविभोर कर दिया। कथा के दौरान श्रोताओं ने भक्ति भाव से जय श्री कृष्ण के उद्घोष से वातावरण को भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम के मुख्य यजमान विजयपाल तिवारी, दुर्गावती तिवारी, विनीत तिवारी, देवल, अरिंदम, अंकित, नवीन आदि उपस्थित रहे। कथा आयोजक सुरेन्द्र तिवारी ने सभी श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया और आगामी दिवसों में कथा श्रवण हेतु अधिकाधिक उपस्थित होने का आग्रह किया। कथा प्रतिदिन दोपहर दो बजे से शाम छह बजे तक संपन्न हो रही है।

डीएम-एसपी ने सीताकुंड घाट का लिया जायजा

संवाददाता, सुलतानपुर

सीताकुंड घाट कर निरीक्षण करते डीएम-एसपी। ● अमृत विचार

अमृत विचारः डाला छठ पर्व की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को जिलाधिकारी कुमार हर्ष और पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह ने नगर पालिका अध्यक्ष प्रवीन अग्रवाल सहित प्रशासनिक अधिकारियों के साथ गोमती नदी तट के सीताकुंड घाट का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने घाट पर चल रहे तैयारियों के कार्यों की प्रगति का जायजा लिया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

पालिका अध्यक्ष प्रवीन अग्रवाल ने बताया कि छठ पर्व को वृहद रूप से मनाने में स्वर्णकार समाज की विशेष भूमिका रहेगी। श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए घाट की लंबाई बढ़ाकर करीब 300 मीटर तक की जा रही है। घाट पर बैरिकेडिंग, अस्थायी चेंजिंग रूम, बालू

● घाट पर सुरक्षा, साफ-सफाई और रोशनी की व्यापक व्यवस्था के निर्देश

से समतलीकरण, अस्थायी रैंप निर्माण, फॉगिंग, सफाई, पेयजल व जनरेटर युक्त प्रकाश व्यवस्था जैसी तैयारियां तेजी से की जा रही हैं। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए घाट क्षेत्र को सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में रखा जाएगा। साथ ही गोताखोरों की टीम और सुरक्षाबलों की तैनाती सुनिश्चित की जाएगी। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी कार्य समय से पूरे किए जाएं ताकि त्योहार सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हो सके। निरीक्षण के दौरान एडीएम राकेश सिंह, एसडीएम विपिन द्विवेदी, ईओ लालचंद्र सरोज, स्वर्णकार समाज के पदाधिकारी मौजूद रहे।

मेडिकल कॉलेज में उमड़ी मरीजों की भीड़

संवाददाता, सुलतानपुर

दवा के लिए कतार में लगे लोग। ● अमृत विचार

अमृत विचारः मौसम में बदलाव के साथ खांसी-बुखार और मौसमी बीमारियों ने लोगों को परेशान कर रखा है, गुरूवार को भाई दूज के चलते 12 बजे तक ही ओपीडी चली थी इसका नतीजा शुक्रवार को मेडिकल कॉलेज की ओपीडी में साफ नजर आया, जब रिकॉर्ड संख्या में मरीज उपचार के लिए पहुंचे। शुक्रवार को कुल 1844 मरीजों के ओपीडी पर्चे बने, जिससे अस्पताल परिसर में सुबह से ही भारी भीड़ रही।

रजिस्ट्रेशन काउंटर, ब्लड सैंपल कक्ष, ओपीडी और दवा वितरण केंद्र पर लंबी-लंबी लाइनें लगी रहीं। कई मरीजों को इलाज के लिए घंटों इंतजार करना पड़ा। पर्ची काउंटर इंचार्ज आमिर ने बताया कि शुक्रवार को कुल 1844 रजिस्ट्रेशन हुए ही। कुड़वार से आए राजकुमार ने बताया कि वह

● 1844 बने ओपीडी पर्चे, घंटों इंतजार के बाद मिला इलाज

फिसलकर गिर गए थे, जिससे पैर में फ्रैक्चर हो गया। उन्होंने कहा कि सुबह साढ़े आठ बजे आया था, लेकिन एक्स-रे और दवा मिलने में डेढ़ बजे तक का समय लग गया। इसी तरह लंभुआ से अपनी भाभी को दिखाने आई पूनम ने बताया कि भाभी शकुंतला को तेज बुखार था, पर लाइन में लंबे इंतजार के चलते उन्हें भी चक्कर और बुखार आ गया। कई अन्य मरीजों ने भी अव्यवस्था और भीड़ से जुड़ी अपनी परेशानी साझा की। फिजिशियन डॉ. अविनाश गुप्ता ने बताया कि इन दिनों खांसी, जुकाम और बुखार के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि लोगों को मौसम में बदलाव के समय सावधानी बरतनी चाहिए।

किशोरी पर धर्म परिवर्तन का दबाव डालने के आरोपी की जमानत खारिज

सुलतानपुर, अमृत विचार : विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट अपर सत्र न्यायाधीश नीरज कुमार श्रीवास्तव ने आरोपी यासीन खां की जमानत अर्जी खारिज कर दी। अभियोजन पक्ष की तरफ से वादी के वकील दीपांशु निगम ने पैरवी की। कोतवाली नगर थानाक्षेत्र के एक मोहल्ले के पीड़िता के पिता ने बीती 16 सितंबर केस दर्ज कराते हुए आरोप लगाया था कि उनकी 13 वर्षीय पुत्री को आरोपी एक वर्ष से बहला-फुसलाकर धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बना रहा था। घटना के दिन आरोपी ने पीड़िता को अपने धर्म में शामिल कर उसका नाम बदलने का दावा करते हुए स्वयं को उसका पति बताया। पुलिस ने मामले में धर्म परिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम और पॉक्सो एक्ट समेत कई धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था।

चाचा-भतीजा हत्याकांड में दरोगा के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी

सुलतानपुर अमृत विचार : अमेठी जिले के मुसाफिरखाना कोतवाली क्षेत्र के भद्दौर गांव में 27 फरवरी 2023 को हुए चाचा-भतीजा हत्या कांड में शुक्रवार को सुनवाई नहीं हो सकी। बचाव पक्ष के अधिवक्ता संतोष पांडेय ने बताया कि अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम संतोष कुमार की अदालत में साक्ष्य के लिए तलब किए गए इंस्पेक्टर अमर सिंह हाजिर नहीं हुए। इस पर अदालत ने सख्त रुख अपनाते हुए उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) जारी करते हुए कारण बताओ नोटिस भी जारी किया है। मामले की अगली सुनवाई के लिए अदालत ने 31 अक्टूबर की तारीख निर्धारित की है।

मतदाता सूची में पारदर्शिता बरतने के निर्देश

दोस्तपुर, सुलतानपुर

बीएलओ की बैठक में मौजूद अधिकारी। ● अमृत विचार

अमृत विचारः आगामी त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर शुक्रवार को तहसील सभागार में तहसीलदार उमेश चंद यादव की अध्यक्षता में विकासखंड दोस्तपुर के सभी बीएलओ और सुपरवाइजरों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मतदाता नामावली को शुद्ध एवं पारदर्शी बनाने के लिए दिशा-निर्देश दिए गए।

तहसीलदार ने कहा कि फार्म 6, 7 और 8 को भरने में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। जिनकी उम्र एक जनवरी 2026 तक 18 वर्ष पूरी हो रही है, उनका नाम मतदाता सूची में जोड़ा जाए। वहीं जो मतदाता अन्य जगह शिफ्ट हो

● त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर बीएलओ की बैठक सम्पन्न

चुके हैं या कहीं और नाम जुड़ चुका है, उन्हें सूची से हटाया जाए। उन्होंने कहा कि शादीशुदा महिलाओं का नाम यदि उनके मायके की मतदाता सूची में है, तो उसे भी हटाया जाए। ऐसे मतदाताओं के नाम जो एक ही ग्राम पंचायत में दो बार दर्ज हैं, उन्हें भी विलोपित किया जाए। साथ ही, मृत मतदाताओं के नामों को हटाने के निर्देश भी दिए गए। तहसीलदार ने स्पष्ट कहा कि मतदाता सूची तैयार करते समय किसी भी प्रकार के दबाव या प्रभाव में आकर कार्य न करें। सूची पूरी तरह पारदर्शी और त्रुटिरहित होनी चाहिए।

कैडेट्स ने सीखा फायर फाइटिंग का हुनर

संवाददाता, सुलतानपुर, अमृत विचार : राणा प्रताप पीजी कॉलेज में 18 यूपी बटालियन एनसीसी प्रतापगढ़ के त्रिजनपदीय वार्षिक दस दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के तीसरे दिन कैडेट्स ने शारीरिक और मानसिक मजबूती के साथ सुरक्षा कौशल भी सीखे। उत्तर प्रदेश पुलिस की फायर फाइटिंग टीम ने आग से बचाव और आपदा प्रबंधन के गुर सिखाए। दोपहर में खेल प्रतियोगिताओं के तहत रस्साकशी और वॉलीबॉल का आयोजन हुआ, वहीं शाम 4 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रिहर्सल की गई। रूल कॉल के दौरान कैंप कमांडेंट ने कैडेट्स को दिशा-निर्देश दिए।

राम का जीवन मर्यादा व सदाचार का प्रतीक

लंभुआ, सुलतानपुर

नि:शुल्क वस्त्र वितरित करते प्रधान संघ के अध्यक्ष कैलाश चन्द्र दूबे। ● अमृत विचार

अमृत विचारः दूल्हापुर गांव में जय बजरंग रामलीला समिति के पदाधिकारियों को आद्या फाउंडेशन एवं सक्षम वेलफेयर एसोसिएशन के तत्वावधान में अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आईजी सुभाष चन्द्र दूबे ने कहा कि भगवान राम ने न्याय, करुणा और दया का भाव रखते हुए रिश्तों के प्रति गहरा त्याग और समर्पण प्रदर्शित किया। उन्होंने कहा कि भगवान राम का जीवन मर्यादा, धैर्य और सदाचार का प्रतीक है, इसी कारण उन्हें 'मर्यादा पुरुषोत्तम' कहा गया। उनके जीवन से हमें सीख मिलती है कि सफलता के लिए संयम और सहनशीलता

● दूल्हापुर में रामलीला समिति के पदाधिकारियों का हुआ सम्मान

आवश्यक है। आईजी दूबे ने उपस्थित लोगों से भगवान राम के आदर्शों को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर राजनाथ दूबे, द्रोपदी दूबे, प्रधान संघ अध्यक्ष कैलाश दूबे, अलंकृता दूबे, रविंद्र सिंह, विनीत सिंह, केदारनाथ दूबे, प्रेम नाथ दूबे, नीरज चतुर्वेदी ,सोनू आदि उपस्थित रहे।

कच्ची शराब के साथ एक गिरफ्तार

कादीपुर, सुलतानपुर, अमृत विचारः कोतवाली पुलिस ने अवैध देशी कच्ची शराब बेचने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके पास से पांच लीटर अवैध शराब बरामद की। उपनिरीक्षक सगीर मोहम्मद ने बताया कि गुरुवार को मुखबिर खास की सूचना पर दौलतपुर स्थित भट्टे के पास छापेमारी की गई। वहां से एक व्यक्ति को शराब बेचते हुए पकड़ा गया। तलाशी में उसके पास से पांच लीटर देशी कच्ची शराब बरामद हुई। पूछताछ के दौरान आरोपी की पहचान रौनक सिंह, निवासी पहाड़पुर श्रीरामपुर, कोतवाली कादीपुर के रूप में हुई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ विधिक कार्रवाई करते हुए उसे जेल भेज दिया।

कमरे में पंखे से लटकता मिला युवक का शव

करौंदीकला, सुलतानपुर, अमृत विचार : शुक्रवार की दोपहर दो बजे क्षेत्र के हिन्दुआबाद निवासी दुर्गेश निषाद का शव कमरे में पंखे से लटकता मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मिली जानकारी के मुताबिक युवक की शादी हो चुकी थी उसके एक पुत्र भी था। काफी दिनों से युवक का पत्नी से विवाद चल रहा था। सूचना पर पहुंचे प्रभारी निरीक्षक चंद्रभान वर्मा ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेजा है।

एल्डर्स कमेटी सदस्य के निधन पर दी श्रद्धांजलि

सुलतानपुर, अमृत विचार : एल्डर्स कमेटी के सदस्य व वरिष्ठ अधिवक्ता आम्बा प्रसाद के आकस्मिक निधन पर अधिवक्ता संघ में शोक की लहर दौड़ गई। बार अध्यक्ष राघवेंद्र प्रताप सिंह व महासचिव दिनेश कुमार दूबे ने शुक्रवार को शोक सभा आयोजित कर श्रद्धांजलि दी। शोक सभा में पूर्व अध्यक्ष नरेंद्र बहादुर सिंह, नागेंद्र सिंह, रामविशाल तिवारी , अरविंद सिंह राजा, अब्बास अहमद खान, राजन शुक्ल, शिशिर सिंह समेत अन्य अधिवक्ता मौजूद रहे।

रंजिश में महिला को पीटा, मुकदमा दर्ज

संवाददाता, सुलतानपुर, अमृत विचार : चांदा थाना क्षेत्र के बरुआ उत्तरी गांव निवासी सावित्री पत्नी अखिलेश ने थाने पर तहरीर दी है। सावित्री ने बताया कि वह घर पर काम कर रही थी तभी विपक्षी जितेंद्र, चित्रलेखा, संतरा, शिम्पी व बंदना उसके घर आए।पुरानी रंजिश के चलते उक्त लोग गाली गलौज देते हुए उसे पीटने लगे गांव के लोगों ने बीच बचाव किया तो उसकी जान बची। चांदा थाना प्रभारी ने बताया कि तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

अमृत विचार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मैं राज कुमार सिंह पुत्र स्व0 संत सिंह व श्रीमती मनोज सिंह पत्नी श्री राज कुमार सिंह निवासीगण-547/160/2क, निकट संतोषी माता मंदिर, जलालपुर, राजाजीपुरम लखनऊ मेरा पुत्र शिवम सिंह उर्फ शिवा सिंह व पुत्रवधू श्रीमती श्रेया सिंह झगड़ालू प्रवृत्ति के है वह लोग मेरे साथ लड़ाई झगड़ा व अभद्र व्यवहार करते हैं और कहना नहीं मानते है जिस कारण हम अपने पुत्र व पुत्रवधू को अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल करते है। भविष्य में पुत्र व पुत्रवधू के किसी भी कृत्य या लेन देने के लिए मेरा कोई वास्ता व सरोकार नहीं होगा। अपने कृत्यों के वह स्वयं जिम्मेदार होगें।

सूचना

सूचित हो कि मेरा हाईस्कूल का अंकपत्र सह प्रमाण पत्र वर्ष 2025 रोल नंबर 1252279706 माध्यमिक शिक्षा परिषद का वास्तव में खो गया है। **आयुष कुमार बौद्ध पुत्र मनोज कुमार बौद्ध निवासी ग्राम खुर्दाशीर रामगढ़ करनैलगंज जनपद गोंडा।**

सूचना

मैं, **श्रीमती ज्योति सिंह पत्नी कौशलेंद्र सिंह निवासिनी ग्राम पूरे बनिया मजरे हेवतहा नेवढ़िया, पोस्ट हेवतहा नेवढ़िया थाना जगतपुर जिला रायबरेली** ने अपना नाम जठे सिंह (JATHEY SINGH) से ज्योति सिंह शपथ पत्र दिनांकित 16.10.2025 द्वारा कर लिया है। यही मेरा वास्तविक नाम है और भविष्य में इसी नाम से जानी पहचानी जाऊंगी।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैने HDFC CHILDREN'S DOUBLE PLAN की पॉलिसी नं. 10217268 कराई थी, जिसमें त्रुटिवश मेरा नाम अशोक कुमार पुत्र रामराज और जन्मतिथि 10/02/1983 ई. अंकित है, जबकि अभिलेखों में अशोक पुत्र रामराज जन्मतिथि 25/10/1978 ई.दर्ज है जो कि सही है। **अशोक पुत्र रामराज, नि. – पूरे सुख्खा मजरे कोलवा पो. अशरफपुर परगना रोखा तह. सलोन, जिला – रायबरेली**

सूचना

मैं **संगीता पत्नी स्व. अवधेश कुमार पूरे भुजवन मजरे बेलाभेला थाना भदोखर, जिला रायबरेली** की रहने वाली हूं। मैं अपने बड़े बेटे शिवम के गलत आचरण से परेशान होकर अपनी समस्त चल अचल संपत्ति से बेदखल करती हूं। उनसे सभी प्रकार के संबंध विच्छेद करती हूं। भविष्य में शिवम द्वारा किए गए किसी भी कार्य के लिए परिवार जिम्मेदार नहीं होगा। उसका वह स्वयं जिम्मेदार होगा।

सूचना

मैं मनोज कुमार मेरे आधार कार्ड, निर्वाचन कार्ड, हाई स्कूल अंकपत्र व प्रमाण पत्र मे मेरे पिता का नाम गया प्रसाद अंकित है। जबकि मेरे पासपोर्ट मे पिता का नाम गया प्रसाद कनौजिया अंकित हो गया है जबकि वास्तविक नाम गया प्रसाद है। अतः भविष्य मे गया प्रसाद के नाम से जाना व पहचाना जाये। निवासी ग्राम व पोस्ट भांई थाना–धम्मौर, जिला–सुलतानपुर (उ0प्र0)

सूचना

यह घोषित किया जाता है कि **श्रीमती रेणु देवी पत्नी स्वर्गीय श्री कृष्ण कुमार , निवासी: स्थायी पता: ग्राम–बलुआ, पोस्ट–डुमरा, वार्ड नं. 3, जिला–सीतामढ़ी, बिहार–843316, वर्तमान पता: मकान संख्या 1/1130, रतन खंड, शारदा नगर, लखनऊ, उत्तर प्रदेश।** विवाह से पहले उनका नाम रेणु कुमारी था, लेकिन विवाह के बाद उन्होंने अपना नाम रेणु कुमारी से बदलकर रेणु देवी रख लिया। अब वे रेणु देवी के नाम से जानी जाती हैं। अतः इस समाचार पत्र के माध्यम से सभी को सूचित किया जाता है कि उनका वास्तविक नाम रेणु देवी है।

सूचना

मैं **मोहम्मद हारुन निवासी हमिरापुर मलिहाबाद लखनऊ–227111, उत्तर प्रदेश, भारत,** यह घोषित करता हूँ कि मेरे पासपोर्ट में मेरा नाम गलत रूप से मोहम्मद हारुन अब्दुल हसन दर्ज है,सही नाम मोहम्मद हारुन है जबकि माता एवम पिता का नाम भी गलत दर्ज है, पिता का गलत नाम अब्दुल हसन मेहँदी हसन सही नाम अब्बुल हसन है, माता का गलत नाम सबीहा खातून अब्दुल हसन दर्ज है, सही नाम सबीहा खातून है। कृपया भविष्य में पासपोर्ट रिकार्ड में इन्हीं को सही माना जाए।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पासपोर्ट नम्बर N3709359 में पिता का नाम त्रुटिवश बन्नू (BANNU) अंकित हो गया था जबकि मेरे पिता का सही नाम अब्दुल बारी ABDUL BARI है अतः उससे इसी नाम से पढ़ा व समझा जाए। **अज्जन खान पुत्र अब्दुल बारी नाज़िरपुरा बहराइच 271801**

सूचना

मैं **देवकी नन्दन वर्मा पुत्र श्री चन्द्रभाल वर्मा, निवासी– ग्राम अम्बरपुर क्लार्कनगर पोस्ट खगेसियामऊ तहसील व जिला सीतापुर** उ0प्र0 261001 का हूँ , मेरे पुत्र वंश राजपूत के स्कूल अभिलेखों में वंश राजपूत (VANSH RAJPUT) लिखा है जबकि सही नाम वंश राजपूत (VANSH RAJPOOT) है जो कि सच व सही है। पुत्र के विद्यालय अभिलेखों में वंश राजपूत (VANSH RAJPUT) स्थान पर आधारकार्ड के अनुसार सही नाम वंश राजपूत (VANSH RAJPOOT) दर्ज किया जाय।

अनदेखी

सुदनापुर–भटमई मार्ग से निकलकर ढेका पखनपुर होते हुए इनायतपुर–घोंपा मार्ग तक जाने वाली सड़क की मरम्मत की राह देख रहे ग्रामीण

दो जिलों को जोड़ने वाला संपर्क मार्ग खस्ताहाल, राहगीर परेशान

संवाददाता, सुलतानपुर

विभागीय उदासीनता का शिकार क्षतिग्रस्त सड़क।

अमृत विचारः दो जिलों को जोड़ने वाली ढेका पखनपुर मार्ग व बनमई संपर्क मार्ग लंबे समय से जर्जर हालत में हैं। सुदनापुर भटमई मार्ग से निकलकर ढेका पखनपुर होते हुए इनायतपुर-घोंपा मार्ग तक जाने वाली लगभग डेढ़ किलोमीटर लंबी सड़क व टांडा-बांदा मार्ग से निकली बनमई गांव तक की करीब दो किलोमीटर लंबी सड़क दोनों ही मरम्मत की बाट जोह रही हैं। विभागीय उदासीनता और जनप्रतिनिधियों की लापरवाही के चलते ग्रामीणों को रोज परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

ढेका पखनपुर मार्ग ग्रामीण अभियंत्रण विभाग द्वारा निर्मित है। कई वर्ष पूर्व बनाई गई यह सड़क अब पूरी तरह जर्जर हो चुकी है। इंटर कॉलेज नटौली के पास तक जाने वाली इस सड़क पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं। सड़क का डामर उखड़ चुका है और बारिश में यह कीचड़ से भर जाती है। इस मार्ग से रोजाना सैकड़ों छात्र, किसान और व्यापारी आवागमन करते हैं। जर्जर सड़क के कारण बच्चों के गिरकर चोटिल होने की घटनाएं आम हो गई हैं। ग्रामीण बताते हैं कि सड़क पर बने गड्ढों में गिरने से कई बार बाइक सवार भी घायल हो चुके हैं। ढेका पखनपुर मार्ग पर स्थित ईंट भट्ठे की ओर जाने वाले भारी वाहनों का दबाव सड़क की दुर्दशा का बड़ा कारण है। ट्रकों की लगातार आवाजाही से सड़क की ऊपरी परत टूटकर बिखर गई है। ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने कई बार विभागीय अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को सड़क की मरम्मत के लिए पत्र दिया, लेकिन हर बार केवल आश्वासन ही मिला। विभागीय स्तर पर अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है, जिससे लोगों में रोष व्याप्त है। दूसरी ओर, टांडा-बांदा मार्ग से बनमई गांव तक जाने वाली सड़क की स्थिति भी दयनीय है। करीब दो किलोमीटर लंबा यह मार्ग चार वर्षों से मरम्मत की प्रतीक्षा कर रहा है। सड़क पूरी तरह खस्ताहाल हो चुकी है। यह रास्ता आसपास के कई गांवों को मुख्य मार्ग से जोड़ता है, लेकिन इसकी दुर्दशा के चलते लोग अब वैकल्पिक रास्तों का सहारा लेने को मजबूर हैं। बरसात के दिनों में यह मार्ग कीचड़ और जलभराव से भर जाता है, जिससे पैदल और वाहन दोनों का चलना मुश्किल हो जाता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बनमई मार्ग को लेकर संबंधित विभागों द्वारा भी इसकी ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। लगातार उपेक्षा के कारण यह सड़क अब दुर्घटनाओं का कारण बन गई है। वाहन चालकों को यहां से गुजरने में हमेशा खतरा बना रहता है। ग्रामीणों का कहना है कि खराब सड़कों के चलते न केवल दैनिक आवागमन प्रभावित हो रहा है बल्कि व्यापार, शिक्षा और आपात सेवाओं पर भी असर पड़ रहा है। मरीजों को अस्पताल तक पहुंचाने में देरी हो जाती है और बच्चों को स्कूल पहुंचना मुश्किल हो गया है। ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन से दोनों मार्गों की तत्काल मरम्मत कराने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि सड़कों की मरम्मत शीघ्र नहीं कराई गई तो आवागमन बाधित हो जाएगा। ग्रामीणों का कहना है कि सरकार ग्रामीण विकास की बात करती है,लेकिन ज़मीनी स्तर पर बुनियादी सुविधाएं आज भी उपेक्षा का शिकार हैं। ग्रामीण अभियंत्रण के अधिशाषी अभियंता कृष्ण कुमार मिश्रा ने बताया कि स्थलीय निरीक्षण करवा सड़कों का निर्माण कराया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

जमीन विवाद में मारपीट बालिका समेत 3 घायल

खरगुपुर। ग्राम पंचायत देवतहा के मजरा बालकराम पुरवा के राकेश कुमार वर्मा ने थाने पर दिए गए तहरीर में कहा है कि बृहस्पतिवार को आबादी जमीन को लेकर गांव के अरविंद वर्मा, निधिनगर के अनिल व सुनील तथा सोनपुरवा कंधरा तेजी देहात कोतवाली गोंडा के पिंटू लाठी डंडे लेकर उसे और पिता खेदू प्रसाद व लक्ष्मी देवी पुत्री नानबाबू पर हमलाकर घायल कर दिया।जिससे शरीर पर काफी चोटें आईं,विरोध करने पर जान से मारने की देते हुए भाग गए। थानाध्यक्ष प्रदीप सिंह ने बताया कि मारपीट के मामले में उक्त चार आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया है।

शिक्षकों की अनुपस्थिति पर नोटिस जारी

बालपुर, गोंडा : प्राथमिक विद्यालय सोनवार में शिक्षकों के समय पर स्कूल में उपस्थित न होने पर खंड शिक्षा अधिकारी श्रवण कुमार तिवारी ने बताया कि शिकायत के आधार पर सभी शिक्षकों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। उन्होंने बताया कि कारण स्पष्ट न होने पर विभागीय कार्रवाई की जाएगी। बीईओ ने बताया कि पिछले शुक्रवार सुबह सवा नौ बजे तक स्कूल में एक भी शिक्षक स्कूल नहीं पहुंच सके थे, जिसकी शिकायत मिली थी।

मंदबुद्धि युवती से छेड़छाड़, पड़ोसी फरार

नवाबगंज। थाना क्षेत्र के एक गांव में एक 26 वर्षीय युवती से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। पीड़िता मानसिक रूप से असमर्थ और बोलने-चालने में अक्षम है। पुलिस ने पीड़िता के पिता की तहरीर पर पड़ोसी युवक अजय सिंह के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। घटना के अनुसार, बुधवार की रात करीब 8 बजे पीड़िता अपने घर की छत पर अकेली टहल रही थी। इसी दौरान पड़ोसी अजय सिंह ने युवती के साथ आपत्तिजनक हरकत की और उसका मुंह दबा दिया। युवती के चीखने-चिल्लाने पर पास के पड़ोसी मुकेश शर्मा ने अपनी दो मंजिला खिड़की से बल्ब की रोशनी में यह दृश्य देखा। मुकेश ने तुरंत आवाज लगाई, जिससे अजय सिंह डरकर युवती को धक्का देकर छत से कूद गया और मौके से फरार हो गया। थानाध्यक्ष अभय सिंह ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। खोजबीन जारी है।

घर से लापता युवती बरामद, आरोपी फरार

नवाबगंज : थाना क्षेत्र के एक गांव से 19 वर्षीय युवती के अपहरण की घटना में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए उसे बरामद कर वन स्टाप सेंटर भेज दिया। आरोपी युवक की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें लगातार तलाश में लगी हुई हैं। पीड़ित पिता ने बताया कि उनकी बेटी 20 अक्टूबर की शाम करीब चार बजे घर से निकली थी, लेकिन रात तक वापस नहीं लौटी। परिजनों ने कई जगह तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। जानकारी मिलने पर पुलिस को तहरीर दी गई कि खड़ौवा के बड़का पुरवा गांव निवासी जितेंद्र उर्फ गोलू नाऊ ने शादी का झांसा देकर उनकी बेटी को अगवा किया है। थानाध्यक्ष अभय सिंह ने बताया कि आरोपी के खिलाफ अपहरण का मुकदमा दर्ज कर उसे पकड़ने के प्रयास जारी हैं। युवती को सुरक्षित बरामद कर वन स्टाप सेंटर भेजा गया है।

बीस हजार छीन ले गए बाइक सवार युवक

गोंडा : बीस हजार रुपये छिनैती का आरोप लगाते हुए पीड़ित ने पुलिस से जांच की मांग की है। कोतवाली देहात अंतर्गत पूरे उदयी के रहने वाले वीरेंद्र की ओर से की गई शिकायत में कहा गया है कि बैंक से पैसा निकालकर घर जा रहा था, लघु शंका के लिए रुका हुआ था, तभी बाइक सवार दो युवक आए और अवैध असलेहा निकालकर धमकाते हुए रुपये छीन ले गए। नगर कोतवाल ने बताया कि जांच की जा रही है।

शैक्षिक उन्नयन पर चर्चा

रुपईडीह : रुपईडीह न्याय पंचायत के प्राथमिक, पूर्व माध्यमिक व कंपोजिट विद्यालयों के शिक्षकों व शिक्षामित्रों की बैठक संकुल शिक्षक दुर्गेश कुमार पाठक की देखरेख में प्राथमिक विद्यालय पिपरा चौबे में आयोजित की गई। बैठक में उन्होंने उपस्थित सभी लोगों से विद्यालयों में कंपोजिट धनराशि के उपभोग, शिक्षक संदर्शिका का प्रयोग, सहायक शिक्षण सामग्री के उपयोग, शिक्षक डायरी पर चर्चा करते हुए आगामी दिनों में होने वाली छात्र-छात्राओं की अर्द्धवार्षिक परीक्षाओं की तैयारी किए जाने का निर्देश दिया।।

छात्रा को दी श्रद्धांजलि

रुपईडीह। कस्बा आर्य नगर के स्वामी दयाल सरस्वती विद्यालय इंटर कॉलेज में शोक सभा विद्यालय के प्रबंधक सुधाकर पांडेय की देखरेख में आयोजित की गई। विद्यालय की छात्रा शिवानी सोनी की सड़क दुर्घटना में हुई मौत पर दो मिनट का मौन धारण किया गया। प्रधानाचार्य पंकज पाठक, राजकुमार तिवारी, ओम प्रकाश, वासुदेव, हरिश्चंद्र शुक्ल, शुभम पांडेय आदि लोग उपस्थित रहे।

चिकित्सक पर नवजात को भर्ती न करने का आरोप, मौत

गोंडा, अमृत विचार : जिला महिला अस्पताल के चिकित्सकों पर एक बार फिर इलाज में लापरवाही का आरोप लगा है। मनकापुर के रहने वाले विनोद के मुताबिक उन्होंने अपने भाभी को सीएससी मनकापुर में प्रसव के लिए भर्ती कराया था, जहां पर उन्होंने एक नवजात को जन्म दिया। प्रसव के बाद नवजात की तबीयत खराब होने पर बीती रात जिला महिला अस्पताल में लेकर आए। आरोप है कि स्टाफ नर्स द्वारा दो हजार रुपये की मांग की गई और इलाज में लापरवाही बरती गई, जिसकी वजह से कुछ देर बाद नवजात की मौत हो गई। पीड़ित परिवार का आरोप है कि

- **सपा नेता ने पैसे मांगने का भी लगाया आरोप**

स्टाफ नर्स द्वारा कहा गया कि बाहर इलाज कराया तो 25000 लगेगा। परिवार इलाज के लिए अनुनय विनय करता रहा लेकिन किसी ने उसकी नहीं सुनी। नवजात भर्ती ही नहीं किया गया। समाजवादी पार्टी के नेता लालचंद गौतम के मुताबिक महिला अस्पताल के सीएमएस को बताया गया तो उन्होंने भर्ती करने का निर्देश दिया लेकिन इसके बाद भी नवजात को भर्ती नहीं किया गया और इलाज में लापरवाही बरती गई जिससे उसकी मौत हो गयी।

नहाय खाय के साथ चार दिवसीय छठ पूजन आज से

संवाददाता, गोंडा

- **पोखरों व नदी के तटों पर बनाए गए पिंड, अफसरों ने लिया जायजा**

अमृत विचार : पूर्वांचल का सबसे बड़ा व आस्था व श्रद्धा का पर्व छठ मैया के पूजन का हर जगह उल्लास है। 25 अक्टूबर से शुरू हो रहे इस पर्व का समापन 28 अक्टूबर को भोर में उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ समाप्त होगा। इसकी तैयारी के लिए शुक्रवार को ही सभी पोखरों, नदियों के घाटों की साफ सफाई की गई है।

नहाय खाय के साथ शनिवार से पर्व की शुरुआत होगी। पोखरों पर व्रती महिलाओं के परिजनों ने घाटों पर छठ मैया की पिंडी का निर्माण कर अपना स्थान आरक्षित कर लिया है। शुक्रवार को डीएम प्रियंका निरंजन ने घाटों का निरीक्षण कर जायजा लिया तथा पेयजल, साफ सफाई व सुरक्षा के इंतजाम को परखा और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए।

25 अक्टूबर को स्नान के साथ पूरे घर की सफाई की जाएगी, साफ कपड़े पहने जाएंगे। भोजन में लौकी, चावल, चने की दाल, कद्दू की सब्जी प्रसाद के रूप में पूरा परिवार ग्रहण करेगा। 26 अक्टूबर को खरना होगा। महिलाएं पूरे दिन निर्जला व्रत रखेंगी। शाम गुड़ चावल की खीर व रोटी बनाकर छठी मैया का भोग लगाएंगी। इसके बाद व्रती इस प्रसाद को ग्रहण करेंगे। इसके बाद पूरी रात जागकर छठी मैया का भजन कीर्तन की जाएगी। 27 अक्टूबर को शाम को घाट पर सामूहिक रूप से एकत्र होकर सूर्य का संध्या वंदन किया जाएगा। सूर्यास्त होते सूर्य भगवान को पानी में खड़े होकर अर्घ्य दिया जाएगा और बांस के सूप में फल, ठेकुआ, गन्ना व अन्य प्रसाद के साथ अर्पण किया जाएगा। इसके बाद 28 अक्टूबर को उगते सूर्य को उसी स्थान पर पहुंच अर्घ्य दिया जाएगा। मान्यता है कि भगवान सूर्य व छठी मैया की आराधना कर संतान सुख, स्वास्थ्य और परिवार की समृद्धि के लिए महिलाएं व पुरुष दोनों व्रत रखते हैं। इस दौरान पवित्रता, संयम और सात्विकता का पालन बहुत ही आवश्यक है।

खैरा भवानी पोखरे में फैली गंदगी, निरीक्षण करते एडीएम आलोक कुमार।

धान खरीद में किसानों का होगा आइरिस स्कैन

बढ़ेगी पारदर्शिता और बिचौलियों पर लगेगी रोक, इस बार 99 क्रय केंद्रों पर होगी खरीद

संवाददाता, गोंडा

अमृत विचार : धान खरीद मे पारदर्शिता के लिए सरकार लगातार तकनीक का सहारा ले रही है। धान खरीद प्रक्रिया में आइरिस स्कैन (नेत्र पहचान) व्यवस्था की शुरुआत होगी। यह व्यवस्था शासन की ओर से इसलिए लागू की गई है ताकि खरीद प्रक्रिया में बिचौलियों की भूमिका खत्म हो सके और वास्तविक किसानों को ही लाभ मिले। इसके अलावा किसान धान बेचने के लिए विभागीय पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीकरण कराते हैं। उसके बाद लेखपाल के माध्यम से सत्यापन कराया जाता है। समय सारणी के अनुसार जिले में एक नवंबर से धान खरीद शुरू होगी। धान खरीदने के लिए जिले में 99 क्रय केंद्र बनाए गए हैं। इन क्रय केंद्रों पर धान खरीद को लेकर पूरी तैयारी की जा रही है। इस बार एक लाख 18 हजार मीट्रिक टन धान खरीद लक्ष्य हैं। धान खरीद में पारदर्शिता लाने के लिए तकनीकी व्यवस्था को और मजबूत किया है।

> किसानों को धान बेचने में किसी तरह से बिचौलियों की दखल से नुकसान न हो। इसके लिए आइरिस स्कैन से धान खरीद करने को लेकर यह बदलाव किया गया है। इससे वास्तविक किसानों को एमएसपी बढ़ने का लाभ मिलेगा। नई व्यवस्था से जहां खरीद प्रक्रिया तेज और पारदर्शी बनेगी, वहीं किसानों को उनका हक सीधे मिलेगा।
>
> **-एनके पाठक,** डिप्टी आरएमओ

तकनीकी उपयोग से आएगी पारदर्शिता

किसानों को धान बेचने के लिए किसी तरह से परेशानी न हो और खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने और बिचौलियों की दखल पूरी तरह से समाप्त हो सके। पहले की व्यवस्था में कई बार बिचौलिए या फर्जी किसानों के नाम से धान की बिक्री कर देते थे, जिससे असली किसानों को नुकसान उठाना पड़ता था। लेकिन अब आइरिस स्कैनिंग से किसान की पहचान सीधे आधार डाटा से मिलान कर ली जाएगी। इससे यह एक सुनिश्चित होगा कि धान बेचने वाला व्यक्ति वास्तव में किसान ही है, न कि कोई दलाल या व्यापारी। बताया जाता हैं कि खरीद केंद्रों पर बायोमेट्रिक और आइरिस स्कैन दोनों की सुविधा दी जा रही है। किसान को अपने आधार कार्ड और बैंक खाते की जानकारी के साथ केंद्र पर आना होगा। स्कैनिंग के बाद जब उसकी पहचान सत्यापित हो जाएगी, तभी धान की खरीद की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। किसानों को भुगतान सीधे किसान के बैंक खाते में भेजा जाएगा, जिससे मध्यस्थता की गुंजाइश पूरी तरह खत्म हो जाएगी।

किसानों को मिले एमएसपी का लाभ

जिले में धान खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता के साथ-साथ सरकार किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य 2369 रुपये प्रति कुंतल का पूरा लाभ दिलाने के लिए भी प्रयासरत है। इस बार विगत वर्ष से धान बेचने वाले किसानों को 69 रुपये प्रति कुंतल अधिक मिलेगा।

निर्जला व्रत रख महिलाओं ने की मनचिंता देवी की पूजा

मनचिंता पर पूजन करतीं महिलाएं। अमृत विचार

खरगूपुर, अमृत विचार : परिवार के दीर्घायु व सुख समृद्धि के लिए महिलाओं व किशोरियों ने निर्जला व्रत रखकर मनचिंता माता की पूजा-अर्चना की। शुक्रवार को श्री राम जानकी मंदिर के निकट स्थित पोखरा पर मनचिंता माता पर्व पर मेले का आयोजन हुआ। स्थानीय नगर पंचायत व आस-पास क्षेत्रों की महिलाओं व किशोरियों ने निर्जला व्रत रखकर मनचिंता माता से अपने परिवार के दीर्घायु, सुख व समृद्धि के लिए जल का अर्घ्य दिया। मनचिंता महारानी खुश होकर मन्नतों को पूरा करती हैं।

कार्तिक की अक्षय नवमी को होगी झालीधाम की परिक्रमा

संत महंत के साथ बैठक में शामिल भाजपा के जिला महामंत्री आशीष त्रिपाठी।

खरगूपुर, अमृत विचार : अक्षय नवमी शुक्ल पक्ष के अवसर पर 30 अक्टूबर को एक दिवसीय परिक्रमा व मेला को लेकर शुक्रवार को झाली धाम आश्रम परिसर में तैयारी बैठक महंत नरसिंह दास महाराज की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। बैठक में मेला व परिक्रमा को देखते हुए साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश के साथ ही सुरक्षा व्यवस्था का दायित्व अलग-अलग लोगों को सौंपी गई। यहां आठ वर्ष की अवस्था में स्वामी राममिलन दास महाराज ने वैराग्य जीवन ग्रहण कर 14 वर्ष तक समाधि में लीन रहे। जिनकी समाधि का निर्माण 22 जून 1977 को हुआ था। तैयारी बैठक में भाजपा जिला महामंत्री आशीष त्रिपाठी, कमल नयन दास, अमित अवस्थी व पुलिस विभाग कर्मचारी रहे।

क्षेत्र की 32 लक्ष्मी देवी की प्रतिमाएं विसर्जित

रुपईडीह, अमृत विचार : दीपावली में स्थापित लक्ष्मी व गणेश जी प्रतिमाओं का विसर्जन ब्लॉक रुपईडीह मुख्यालय के निकट नौ बजे रात तक होता रहा। कस्बा आर्यनगर, बनगाई, खम्हरिया, चकई पुरवा, पूरे पाठक, पिपरा चौबे, मनोहरजोत, हरैंय्या, अड़बड़वा, मंगलनगर, पठानाजोत, हिसाब तिवारी पुरवा, परसा, कश्मिरवा, रुकमंगतपुर, गौसिहा, सोनापार, भवनियापुर आदि गांवों में श्रद्धालुओं ने मां लक्ष्मी व गणेश भगवान की मूर्ति पंडाल में स्थापित कर पूजा अर्चना किया। गुरुवार को भैया दूज के दिन शोभायात्रा निकालते हुए विभिन्न नारों की गूंज के साथ ब्लॉक मुख्यालय के बगल शिव पोखरा में विसर्जन किया। यहां पर 32 मूर्तियां विसर्जित की गई। पुलिस क्षेत्राधिकारी करनैलगंज राजेश कुमार सिंह, कौड़िया के प्रभारी निरीक्षक गोविंद कुमार, आर्य नगर चौकी प्रभारी अरुण कुमार द्विवेदी व खरगूपुर के पिपरा बाजार के शशांक मौर्य भारी पुलिस बल के साथ मुस्तैद रहे। इस दौरान कौड़िया, खरगूपुर व इटियाथोक थाना क्षेत्र को मिलाकर लगभग 32 मूर्तियों का विसर्जन किया गया।

ट्रक की टक्कर से युवक की मौत

इटियाथोक, गोंडा, अमृत विचार: मोटरसाइकिल सवार युवक डीसीएम से टकराकर गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने युवक को उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज भेजा है। उपचार के दौरान युवक की मौत हो गई।

उमाशंकर। (फाइल फोटो)

कठौआ गांव के उमाशंकर तिवारी (40) अर्जुनपुर विजयगढ़वा मार्ग पर सरदार पटेल इंटर कॉलेज के पास चाय की छोटी सी दुकान चलाता था। इसके अलावा अखंड रामायण का पाठ भी करते थे। धनतेरस में स्प्लेंडर मोटरसाइकिल खरीदी थी। शुक्रवार की सुबह वह मोटरसाइकिल से पांच सौ मीटर दूर शौच के लिए सागौन के बाग में गया था। शौच के बाद जैसे ही उसने मोटरसाइकिल सड़क की ओर मोड़ा। सामने से तेजी से आ रहे डीसीएम से टकरा गए। डीसीएम की ठोकर से वह घायल हो गया। वहीं बाइक डीसीएम में फंस गई। पुलिस ने युवक को अस्पताल भेजा है। उपचार के दौरान युवक की मौत हो गई। मृतक के चार लड़कियां और एक लड़का है। पत्नी किरन देवी व लड़कियां रूमांशी, नैंसी, अंजलि, वैष्णवी और सबसे छोटा लड़का अभिषेक है।

मूर्ति विसर्जन से लौट रही ट्रॉली ने बाइक सवारों को रौंदा

नवाबगंज, अमृत विचार : बृहस्पतिवार की देर शाम कटी तिराहे के पास स्थित सोती पुल के पास हादसा हो गया। घटना शाम करीब सात बजे की है। वजीरगंज की दिशा में जा रही एक अज्ञात ट्रैक्टर-ट्रॉली के चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए सामने से आ रही बाइक को टक्कर मार दी। बाइक पर सवार तीनों युवक पंकज मिश्र (28), पंकज पाल (18) और अजय पाल (20), तीनों निवासी ग्राम सिरसा सड़क पर गिरकर बुरी तरह घायल हो गए। राहगीरों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। नवाबगंज पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को सरकारी वाहन से सीएचसी नवाबगंज भेजवाया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल पंकज मिश्र को दर्शन नगर मेडिकल कॉलेज अयोध्या रेफर कर दिया। सीएचसी अधीक्षक डॉ. राम मोहन सिंह ने बताया कि पंकज मिश्र के सिर और दाहिने हाथ में गंभीर चोटें आई हैं। थानाध्यक्ष अभय सिंह ने बताया कि गंभीर रूप से घायल युवक को अयोध्या भेजा गया है। तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

शाहजोत का गौशाला बन रहा मवेशियों का कब्रगाह

कटरा बाजार, अमृत विचार: विकासखंड कटरा बाजार के ग्राम पंचायत शाहजोत में विकास कार्यों के दावे सिर्फ खोखले साबित हो रहे हैं। ग्रामीणों को विकास खण्ड का चक्कर न लगाना पड़े इसलिए सरकार ने लाखों रुपये खर्च कर पंचायत भवन का निर्माण कराकर सारी सुविधाओं से लैस कर दिया कि गांव के लोगों को मूलभूत सुविधाएं उनकी पंचायत में ही उप्लब्ध हो। लेकिन ग्राम पंचायत में बना पंचायत भवन में हमेशा बंद रहता है। पंचायत सचिव, पंचायत सहायक का कहीं पता ही नहीं है।

गांव के रामसागर, रामपति व विश्राम ने बताया कि यहां पर सार्वजनिक शौचालय का ताला एक वर्ष हो गए नहीं खुला है और न ही इसका उपयोग हो रहा है। वहीं ग्राम पंचायत में बना गौ आश्रय केंद्र बदहाली का शिकार है। वहां पर कुल 160 गौवंश हैं जिनमें से कई की हालत खराब है। चरनी में सूखा भूषा पड़ा हुआ है। एक गौवंश चरनी के पास अचेतावस्था में पड़ा था। वहीं गांव के एक व्यक्ति ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि यहां

- **शौचालय का नहीं खुला ताला जिम्मेदारी से भाग रहे सचिव**

बहुत दिनों से शौचालय में बंद ताला।

प्रधान धनीराम की जगह कोई दूसरा व्यक्ति प्रधानी देखना है। वह अपनी दबंगई के रसूख पर सरकारी धन का बंदरबांट कर रहा है। गौ आश्रय केंद्र के अंदर लगी चरी को अपने निजी उपयोग में लिया जा रहा है। गौशाला के गोबर की खाद को बेच दिया गया है। सुरेंद्र तिवारी ने बताया कि पूरे ग्राम पंचायत में पंचायत सचिव की मिलीभगत से सरकारी धन का बंदरबांट किया जा रहा है। सभी कामों में अनियमितता बरती जा रही है। उच्चाधिकारी मौन हैं। पशु चिकित्साधिकारी डॉ शिव प्रकाश मौर्य ने बताया कि गौशाला में कुल 160 गौवंश हैं जिनमें तीन अस्वस्थ हैं उनका इलाज किया जा रहा है। सचिव राममूर्ति वर्मा ने कुछ भी बताने से इनकार कर दिया।

सिटी डायरी

बहू बेटियों को जागरूक करतीं महिला पुलिसकर्मी।

बहू-बेटियों को जागरूक और सशक्त बनाने की है जरूरत

नवाबगंज (गोंडा)। महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए शुक्रवार को लौव्वाबीर पुर गांव स्थित कंपोजिट विद्यालय में मिशन शक्ति अभियान 5.0 के तहत बहू-बेटी सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व थानाध्यक्ष अभय सिंह और महिला उपनिरीक्षक अंतिमा सिंह ने किया। सम्मेलन में बालिकाओं और महिलाओं को छेड़छाड़, दहेज उत्पीड़न, बाल अपराध, एसिड अटैक जैसी घटनाओं से बचाव के उपाय बताए गए। उन्हें मिशन शक्ति केंद्रों, सुरक्षा हेल्पलाइन नंबरों और साइबर हेल्पलाइन 1930 की जानकारी दी गई। महिला उपनिरीक्षक अंतिमा सिंह ने कहा कि हमारा उद्देश्य सिर्फ सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि महिलाओं और बालिकाओं को जागरूक, सशक्त और आत्मनिर्भर बनाना है।

चलाया गया जागरूकता अभियान

तरबगंज। पुलिस अधीक्षक विनीत कुमार जायसवाल के निर्देश पर मिशन शक्ति फेज 5.0 के तहत थाना अध्यक्ष तरबगंज कमला कांत त्रिपाठी के नेतृत्व में थाना तरबगंज की एंटी रोमियो/मिशन शक्ति टीम ने सीसव गांव में बहू-बेटी सम्मेलन किया। बालिकाओं, महिलाओं को मिशन शक्ति नारी सुरक्षा, महिला हेल्प डेस्क व साइबर क्राइम संबंधी अपराध, बाल विवाह, पास्को एक्ट, नये कानून, घरेलू हिंसा और महिलाओं को जागरूकता अभियान के तहत हेल्पलाइन नंबर बताया गया।

कथा की तैयारी पूरी, आज निकलेगी निशान व कलश यात्रा

गोंडा, अमृत विचार : श्री मेहंदीपुर बालाजी परिवार गोंडा द्वारा अष्टम श्री बालाजी महोत्सव में आयोजित दिव्य संगीत में श्री राम कथा का आयोजन शुरू हो रहा है। शनिवार को कार्यक्रम का शुरुआत निशान शोभायात्रा एवं कलश यात्रा से होगा। निशान शोभायात्रा पुरानी हनुमान गढ़ी से निकाल कर नगर में भ्रमण करते हुए स्टेशन रोड श्री नूरामल मंदिर प्रांगण पर संपन्न होगी। निशान शोभा यात्रा में पहली बार श्री हनुमत लाल का पालकी दर्शन और मनमोहक झांकियां दिखाई जाएगी। कार्यक्रम रविवार 26 अक्टूबर से 2 नवंबर तक सुबह 7 से 9 बजे तक हनुमंत पूजन का कार्यक्रम होगा और सायंकाल 6 बजे से रात्रि 9 बजे तक श्री राम कथा का आयोजन होगा ।श्री राम कथा का रविशंकर महाराज गुरु भाई श्रद्धालुओं को सुनायेगे। 2 नवंबर को भंडारे का आयोजन होगा। कार्यक्रम को लेकर शुक्रवार को नूरामल मंदिर के प्रांगण में एक बैठक श्री मेहंदीपुर बालाजी परिवार द्वारा किया गया । जिसमें सभी पदाधिकारियों को अलग-अलग जिम्मेदारी सौंप गई। बैठक के दौरान प्रतीक टंडन, अजय कसौधन,शानू कसौधन, शुभम कसौधन, अनुराग शर्मा, सत्यम गुप्ता, वेद प्रकाश सोनी, अभिषेक गुप्ता, विवेक सिंह, राजू सोनी, अविनाश गुप्ता, अमित सोनी मौजूद रहे।

उद्घाटन के बाद से आरोग्य भवन का नहीं खुला ताला

बेलसर : लाखों रुपये से निर्मित आरोग्य भवन दिखावे की चीज बनकर रह गयी है। स्वास्थ्य मंत्री के दावे को जिले के अधिकारी पलीता लगा रहे हैं। मरीजों को सुविधा के लिए स्थापित स्वास्थ्य उप केन्द्र खरगूपुर का न तो ताला खुलता है और न कोई बैठता है। खरगूपुर के क्षेत्र पंचायत सदस्य तिलक राज सिंह ने बताया कि गत पंद्रह अगस्त को उद्घाटन की औपचारिकता तो पूर्ण कर दी गई, परन्तु अभी किसी चिकित्सक की तैनाती न होने से ग्राम वासियों को निराशा ही हाथ लगी है। परसपुर के सीएचसी प्रभारी डॉ. लवकेश शुक्ला ने बताया कि यहां डॉक्टर की तैनाती नहीं है एएनएम की तैनाती है बह शीघ्र ही उप केन्द्र का निरीक्षण करेंगे।

एसडीएम ने अस्पताल का किया औचक निरीक्षण

सीएचसी का निरीक्षण करतीa एसडीएम नेहा मिश्रा। अमृत विचार

करनैलगंज : उपजिलाधिकारी नेहा मिश्रा ने शुक्रवार दोपहर बाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र करनैलगंज का औचक निरीक्षण किया तो स्वास्थ्य सेवाओं की पोल खुल गई। अस्पताल में गंदगी और अव्यवस्था का आलम देख एसडीएम ने अधीक्षक को कारण बताओ नोटिस जारी किया। निरीक्षण के दौरान प्रसूता वार्ड में बेड पर सूखा खून, वाटर कूलर खराब, पेयजल की कोई व्यवस्था नहीं, तथा प्रसूता महिलाओं को नाश्ता व भोजन न मिलने की शिकायतें मिलीं। अधिकांश डॉक्टर व कर्मचारी ड्यूटी से गायब मिले। एसडीएम ने लेबर रूम, ऑपरेशन थिएटर, पैथोलॉजी, एक्स-रे कक्ष, वैक्सीन रूम सहित पूरे अस्पताल का निरीक्षण किया।

मिले पगचिह्न | रात में गूंजी दहाड़, दो बछड़े बने शिकार

तुलसीपुर माझा गांव में बाघ का आतंक!

नवाबगंज, अमृत विचार: थाना क्षेत्र के तुलसीपुर माझा गांव में पिछले दो दिनों से दहशत का माहौल है। ग्रामीणों का दावा है कि गांव के आसपास बाघ या तेंदुआ जैसा कोई जंगली जानवर घूम रहा है, जिसकी दहाड़ रातभर सुनाई दे रही है। खेतों में मिले पंजों के निशान और दो पालतू बछड़ों के मारे जाने से गांव में खलबली मची हुई है। अंधेरा होते ही लोग घरों के दरवाजे बंद कर लेते हैं और युवा मशाल व टॉर्च लेकर गलियों में गश्त करने लगते हैं।

गुरुवार रात को गांव के कुछ युवकों ने खेतों में घूमते इस जानवर का वीडियो बनाया, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल है। हालांकि

त्रिमोहनी घाट पर मिले पंजे के निशान।

घाट के पास जुटे ग्रामीण। अमृत विचार

अमृत विचार इस वायरल वीडियो की प्रमाणिकता की पुष्टि नहीं करता है। गांव के मजरे पूरे रामप्रसाद में गुरुवार की रात करीब नौ बजे यह जानवर देखा गया। शुक्रवार सुबह त्रिमोहनी घाट के पास खेतों में पंजों के निशान मिलने के बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और सघन कांबिंग की। गांव के रामतेज यादव ने बताया कि उनके भाई और भतीजा ट्रैक्टर की सर्विसिंग कराकर लौट रहे थे। रास्ते में त्रिमोहनी घाट के पास उन्होंने बाघ जैसा जानवर देखा। राकेश यादव ने बताया कि उनकी बछिया को वह खूंटे से झपट कर ले गया।

अमृत विचार

अयोध्या, शनिवार, 25 अक्टूबर 2025

न्यूज ब्रीफ

नहर में उतराता मिला नवजात शिशु का शव

बहराइच, अमृत विचार : फखरपुर क्षेत्र में शुक्रवार की सुबह नहर में उतराता एक नवजात का शिशु मिला। राहगीरों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना फखरपुर थाना क्षेत्र में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के निकट माधवपुर नहर की है। शुक्रवार की सुबह कुछ लोग खेतों में काम करने के लिए जा रहे थे। रास्ते में पडने वाली मधवापुर नहर में एक नवजात शिशु का शव दिखा। शव को देखने से ऐसा लग रहा था किसी ने जन्म होने के तुरंत बाद उसे नहर में फेंक दिया हो। सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक मौके पर पहुंचे। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

संकुल बैठक आयोजित

पयागपुर, बहराइच, अमृत विचार : न्याय पंचायत शिवदहा-पयागपुर की संकुल बैठक का आयोजन प्राथमिक विद्यालय थवई में किया गया। अध्यक्षता एआरपी शिप्रा शुक्ला एवं संचालन पूर्व एआरपी राजेश कुमार मिश्रा ने किया। न्याय पंचायत में इस माह के लिए चिन्हित 3 लर्निंग आउट कम पर चर्चा करके एक सरल और उपयोगी, सहायक शिक्षण सामग्री का निर्माण करवाया गया।

उम्मीद पोर्टल पर दर्ज होगा विवरण

बहराइच, अमृत विचार : जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी मो. खालिद ने बताया कि वक्फ संपत्तियों का विवरण उम्मीद पोर्टल पर भरे जाने हेतु 25 अक्टूबर को पूर्वान्ह 11.00 बजे वक्फ नं. 19 दरगाह शरीफ, बहराइच स्थित बरातघर में सेमिनार आयोजित किया गया है। जिसमें वक्फ बोर्ड द्वारा नामित कोआर्डिनेटर एवं मुतवल्ली भाग लेंगे जिससे पोर्टल पर वक्फ संपत्तियों की फीडिंग का कार्य पूर्ण कराया जा सके।

बाघ ने महिला पर किया हमला

धर्मापुर रेंज के मजरा त्रिमुहानी में हुई घटना, गंभीर हालत में मेडिकल कॉलेज रेफर

संवाददाता, बहराइच

अमृत विचार : कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग के धर्मापुर रेंज क्षेत्र में सुबह बाघ ने एक महिला पर हमला कर दिया। महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। महिला के शोर मचाने पर ग्रामीणों ने हाका लगाया। इसके बाद बाघ कर जंगल की ओर चला गया। ग्रामीणों के मुताबिक अभी भी आसपास के इलाके में बाघ की चहल कदमी देखी जा रही है। किसी ग्रामीण ने खेत में टहल रहे बाघ की तस्वीर भी कैमरे में कैद कर ली। वन विभाग को क्षेत्र में बाघ के मौजूदगी की जानकारी दी गई है।

धर्मापुर रेंज के हरखापुर के मजरा त्रिमुहानी निवासी महिला आयशा उर्फ कुरेशा बानो शुक्रवार की सुबह अपने घर से बाहर निकाल कर पालतू जानवरों के गोबर एकत्र कर रही थी। इसी दौरान जंगल से निकल कर आए बाघ ने महिला पर हमला कर दिया। महिला जब तक कुछ समझ पाती तब तक बाघ ने उसके सिर और गर्दन पर गंभीर घाव कर दिये। महिला ने अपने बचाव में शोर मचाया। जिस पर ग्रामीण लाठी डंडा लेकर उसकी ओर दौड़े और हांका लगाकर बाघ को खदेड़ा। फिलहाल बाग जंगल की तरफ चला गया। बाघ के हमले में महिला को गंभीर चोटें आई हैं। सीएचसी में चिकित्सकों ने महिला का प्राथमिक उपचार किया। चिकित्सक ने महिला की हालत गंभीर देखते हुए बेहतर इलाज के लिए उसे मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया है। ग्रामीणों के मुताबिक बाघ अब भी गांव के आसपास गन्ने के खेत व अन्य फसली खेतों में मौजूद है। किसी ग्रामीण ने साहस करते हुए खेत में मौजूद बाघ की तस्वीर भी अपने कमरे में कैद कर ली है। ग्रामीणों ने इसकी जानकारी वन विभाग को दी है। वन विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई है।

नानपारा क्षेत्र में भेड़िया ने 3 लोगों पर किया हमला

बहराइच, अमृत विचार : आदमखोर भेड़िया ने अपना इलाका बदल लिया है। भेड़िया ने शुक्रवार की सुबह नानपारा कोतवाली क्षेत्र में हमला कर एक ही परिवार के तीन लोगों को गंभीर रूप से जख्मी कर दिया। इनको इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नानपारा में भर्ती कराया गया। जहां से हालत गंभीर होने पर दो लोगों को मेडिकल कॉलेज बहराइच इलाज के लिए रेफर किया गया है। कैसरगंज और महसी तहसील के दर्जनों गांव के ग्रामीण करीब दो माह से भेड़िये के हमले से परेशान हैं। कैसरगंज क्षेत्र में भेड़िए के हमले में दंपति समेत 6 लोगों की जान गई है तो वही करीब दो दर्जन लोग घायल हुए हैं। इधर एक सप्ताह से भेड़िया के हमले से प्रभावित कैसरगंज क्षेत्र के लोगों ने थोड़ी राहत की सांस ली थी। भेड़िया ने शुक्रवार की सुबह कोतवाली नानपारा थाना क्षेत्र के मसूद नगर में एक ही परिवार के तीन लोगों पर हमला कर दिया। भेड़िया ने सबसे पहले चारा लेने गई महिला पर हमला किया। उसके शोर मचाने पर पड़ोस में मौजूद देवर ने दौड़ कर उसकी जान बचाई। दूसरा हमला इस परिवार के एक व्यक्ति पर उसे समय किया जब वह पूजा करने मंदिर जा रहा था। पुजारी को बचाने आए भाई पर भी भेड़िए ने हमला कर उसे घायल कर दिया। हमले में मोहन लाल (48, अमरीका प्रसाद (42) तथा केसरानी (54) गंभीर रूप से घायल हो गए। तीनों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नानपारा ले जाया गया। जहां पर हालत गंभीर होने पर चिकित्सक ने दो लोगों को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज बहराइच रेफर कर दिया।

वाहन की टक्कर से युवक की मौत

बहराइच, अमृत विचार : बहराइच नानपारा हाईवे पर गुरुवार को अज्ञात वाहन ने एक युवक को टक्कर मार दी जिससे उसकी मौत हो गयी। सूचना रामगांव पुलिस को दी गई। जिस पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

रिसिया थाना क्षेत्र के आजाद नगर बांग्लाचक निवासी मायाराम (35) पुत्र बच्चू चौहान मजदूरी करता था। गुरुवार को भी वह मजदूरी करने शहर गया था। देर शाम वह लौट रहा था। नानपारा-बहराइच हाईवे पर बेगमपुर बाजार के निकट वह पैदल ही घर जा रहा था। अचानक अज्ञात वाहन ने उसको टक्कर मार दी। इसके बाद चालक मय वाहन फरार हो गया। वाहन की टक्कर से युवक गंभीर रूप से घायल हो गया और उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। जानकारी आसपास मौजूद लोगों को हुई। लोगों ने इसकी सूचना रामगांव पुलिस को दी।

गणेश-लक्ष्मी प्रतिमाओं का हुआ विसर्जन

विसर्जन के लिए प्रतिमाओं को ले जाते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

पयागपुर, बहराइच, अमृत विचार : झाला तरहर में धनतेरस के दिन से शुरू हुआ गणेश-लक्ष्मी पूजा महोत्सव शुक्रवार को संपन्न हुआ। गाजे-बाजे के साथ भक्तों ने गणेश और लक्ष्मी की प्रतिमाओं का विसर्जन किया। विसर्जन यात्रा बपैतौरा चौराहा,ब्लॉक रोड होते हुए विसर्जन स्थल, तालाब बघेल स्थित घाट पर पहुंचह। यहां विधि-विधान के साथ प्रतिमाओं को विसर्जित किया गया। इस दौरान वातावरण पूरी तरह से भक्ति और उत्साह से भरा रहा। इस आयोजन में अशोक पांडेय, प्रधान पांडेय, सिद्धनाथ पांडेय, सर्वेश शुक्ल, उमेश मिश्र और बड़ी संख्या में स्थानीय श्रद्धालु मौजूद रहे।

दुर्घटनाओं में छह लोग हुए घायल

रफ्तार की मार

संवाददाता, पयागपुर, बहराइच

अमृत विचार : थाना पयागपुर क्षेत्र में शुक्रवार की सुबह विभिन्न स्थानों पर हुईं सड़क दुर्घटनाओं में छह लोग घायल हो गये। इनमें से तीन की हालत गंभीर बतायी जाती है। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पहला हादसा खुटेहना चौकी के पास गोबर-अरकापुर मार्ग पर हुआ, जहां ओवरटेक करने के प्रयास में ट्रैक्टर-ट्रॉली और मोटरसाइकिल में जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि मोटरसाइकिल के परखचे

हादसे के बाद क्षतिग्रस्त कार।

उड़ गए और एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर पहुंची 108 एम्बुलेंस ने घायल को तत्काल अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने घायल का उपचार शुरू किया। दूसरा हादसा सुबह करीब सात बजे खुटेहना चौराहे पर हुआ। गिलौला रोड की ओर से आ रही ऑल्टो कार को गोंडा की ओर से आ रहे ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार क्षतिग्रस्त हो गई। कार में सवार पांच लोगों में से दो गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि तीन को मामूली चोटें आईं।

हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन लेकर फरार हो गया। ग्रामीणों का कहना है कि खुटेहना चौराहे पर तेज़ रफ्तार वाहन आए दिन दुर्घटनाओं का कारण बन रहे हैं। पुलिस दोनों मामलों की जांच में जुटी है।

स्मैक के साथ नेपाल का नागरिक गिरफ्तार

रुपईडीहा, बहराइच, अमृत विचार : पुलिस और एसएसबी की संयुक्त टीम ने स्मैक को नेपाल ले जाते समय एक नेपाली नागरिक को गिरफ्तार किा। उसके पास से 12:30 ग्राम स्मैक बरामद की गई है। इसकी अंतर्राष्ट्रीय कीमत करीब 25 लाख रुपए आंकी गई है। पुलिस व एसएसबी की संयुक्त टीम गश्त कर रही थी। तभी एक नेपाली युवक गुरुवार की रात लगभग 10 बजे नेपाल सीमा में प्रवेश करने का प्रयास रहा था। इसके पूर्व ही उसे पकड़ लिया गया। उसके पास से 12 ग्राम स्मैक बरामद हुई। युवक की पहचान दीपेंद्र वर्मा निवासी खास कारकांदौ नेपालगंज के रूप में हुई।

गर्भावस्था में उचित पोषण जरूरी

बहराइच, अमृत विचार : गर्भावस्था के नौ महीने केवल एक बच्चे के जन्म तक सीमित नहीं हैं बल्कि ये भविष्य की सेहत की बुनियाद रखते हैं। इस दौरान मां को मिले सही पोषण का असर पीढ़ियों तक महसूस किया जा सकता है। विशेषज्ञ चिकित्सक इसके लिए दैनिक भोजन में पौष्टिकता शामिल करते हुए गर्भवती को पूरक आहार के रूप में प्रतिदिन आयरन/फोलिक एसिड टेबलेट लेने की सलाह देते हैं।

एसीएमओ डॉ. संतोष राना के अनुसार, गर्भावस्था में महिला स्वयं के साथ गर्भस्थ शिशु का भी पोषण करती है। ऐसे में सही पोषण न मिलने पर उसे एनीमिया यानी खून की कमी हो

गर्भवती महिलाओं को पोषक तत्वों की जानकारी देते विशेषज्ञ। ● अमृत विचार

सकती है। सीएमओ डॉ. संजय कुमार के अनुसार, आयरन, फोलिक एसिड टेबलेट सभी सरकारी अस्पतालों में निःशुल्क उपलब्ध हैं और इसे ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित वीएचएसएनडी सत्रों के दौरान सभी गर्भवती महिलाओं को एक गोली और एनिमिक को प्रतिदिन दो गोली दी जाती है।

पुलिस चौकी निर्माण के लिए भूमि पूजन करते अतिथि। ● अमृत विचार

नयी पुलिस चौकी निर्माण को हुआ भूमि पूजन

कैसरगंज, बहराइच, अमृत विचार : हरनी में नयी पुलिस चौकी के निर्माण लिए शुक्रवार को भूमि पूजन हुआ। सांसद प्रतिनिधि सुनील सिंह, एसडीम अखिलेश कुमार सिंह तथा रवि खोखर ने भूमि पूजन किया। सांसद प्रतिनिधि श्री सिंह ने कहा की हरनी में पुलिस चौकी बन जाने से कानून व्यवस्था और बेहतर होगी ।इस अवसर पर प्रभारी निरीक्षक बृजेंद्र कुमार मिश्र, राजन सिंह, चौकी प्रभारी बृजेंद्र गौड़ आदि मौजूद रहे।

ऑनलाइन टेस्ट सीरीज की करें व्यवस्था

संवाददाता, बहराइच

अमृत विचार : जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी ने राजकीय जिला पुस्तकालय में कराये गये कार्यों का निरीक्षण किया। 01 करोड 03 लाख 68 हजार की लागत से गेंद घर मैदान स्थित राजकीय जिला पुस्तकालय भवन की मरम्मत, कुर्सी, मेज का कार्य कराया गया है।

उन्होंने कार्यदायी संस्था के सहायक अभियन्ता चन्द्र प्रकाश त्रिवेदी को निर्देशित किया कि पुस्तकालय में एक अन्य भवन व अवशेष इन्टरलॉकिंग कार्य का आगणन तैयार करें। डीएम द्वारा

जिला पुस्तकालय का निरीक्षण करते जिलाधिकारी। ● अमृत विचार

जिला विद्यालय निरीक्षक सर्वदा नन्द को निर्देश दिये गये कि पुस्तकालय में आने वाले पाठकों विशेषकर विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों की रुचि एवं आवश्यकतानुसार सूची प्राप्त कर और पुस्तकों की व्यवस्था करायें। साथ ही विद्यार्थियों के लिए आनलाइन टेस्ट सिरीज़ की व्यवस्था भी करायी जाए। निरीक्षण के दौरान अधि.अधि. नगर पालिका परिषद प्रमिता सिंह को निर्देश दिये कि पुस्तकालय परिसर की समुचित साफ-सफाई करायी जाए। निरीक्षण के दौरान डीएम ने मौजूद पाठकों एवं छात्र-छात्राओं से पुस्तकालय के बारे में फीड बैक प्राप्त कर उन्हें उपयोगी टिप्स भी दिये। निरीक्षण के समय मुख्य विकास अधिकारी मुकेश चन्द्र, जिला समाज कल्याण अधिकारी श्रद्धा पाण्डेय, अपर जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी तीरथ वर्मा आदि मौजूद रहे।

आपात स्थिति में डायल करें हेल्पलाइन नंबर

जरवल रोड, बहराइच, अमृत विचार : थाना प्रभारी संतोष कुमार सिंह के मार्गदर्शन में मिशन शक्ति 5.0 अभियान के तहत भरत पब्लिक मोंटेसरी स्कूल में छात्राओं को जागरूक किया गया। अपील की गयी कि आपात स्थिति में हेल्पलाइन नंबर डायल करें।

उन्हें आत्मरक्षा के तरीके, विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई। थाना जरवल रोड की मिशन शक्ति/एंटी रोमियो टीम ने छात्राओं और स्टाफ को महिला सुरक्षा सशक्तिकरण और साइबर सुरक्षा के बारे में विस्तृत जानकारी दी। टीम के द्वारा यह भी जानकारी दी गई कि किसी भी समस्या या आपात स्थिति में बिना झिझक वूमेन पावर लाइन नंबर 1090 महिला हेल्पलाइन 181 चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 पुलिस हेल्पलाइन 112 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 फायर ब्रिगेड 101 या साइबर अपराध हेल्पलाइन 19 30 जैसे महत्वपूर्ण टोल फ्री नंबरों के बारे में जानकारी दी गई। छात्राओं को साइबर अपराध बचने और सोशल मीडिया पर बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में भी बताया गया।

विकास कार्यों का हुआ भूमि पूजन

संवाददाता, बलरामपुर

अमृत विचार : हनुमानगढ़ी मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए हाल, गेट, बाउंड्री वॉल तथा रेलिंग निर्माण का कार्य शीघ्र प्रारंभ किया जाएगा। आदर्श नगर पालिका परिषद बलरामपुर के अध्यक्ष डॉ. धीरेन्द्र प्रताप सिंह 'धीरू' के निजी सहयोग से लगभग 25 लाख की लागत से होने वाले इन विकास कार्यों का शुभारंभ शुक्रवार को भूमि पूजन के साथ किया गया।

हनुमानगढ़ी मंदिर में भूमि पूजन करते नगरपालिका अध्यक्ष एवं महंत महेंद्र दास।

भूमि पूजन महंत महेन्द्र दास के सानिध्य में सम्पन्न हुआ। अध्यक्ष डॉ. धीरू ने कहा कि हनुमानगढ़ी आस्था का प्रतीक स्थल है। श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना पालिका का दायित्व है। उन्होंने कहा कि हाल व अन्य निर्माण कार्यों से मंदिर परिसर में धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों के लिए उपयुक्त स्थल उपलब्ध होगा। कार्यक्रम में संघ के विभाग कार्यवाह सौम्य अग्रवाल, समाजसेवी डॉ. कौशल्या गुप्ता, डी.पी. सिंह बैस, डॉ. अजय सिंह पिंकू, अशोक पाण्डेय, उमाशंकर त्रिपाठी बाबा, अनूप मिश्रा डब्बू, विद्या भूषण, पवन शुक्ला, अविनाश मिश्र, संजय शर्मा, अतुल तिवारी, नरेश सेहरावत व संजय शुक्ला मौजूद रहे।

नवंबर में पीले होंगे 471 बेटियों के हाथ

बलरामपुर, अमृत विचार : मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत नवंबर में जिले की 471 गरीब बेटियों की शादी कराई जाएगी। इसके लिए समाज कल्याण विभाग ने तैयारियां तेज कर दी हैं। विभाग के पोर्टल पर अब तक 383 जोड़ों ने आवेदन किया है। सत्यापन पूर्ण होते ही पात्रों की अंतिम सूची जारी कर दी जाएगी। समाज कल्याण अधिकारी डॉ. राहुल कुमार गुप्त ने बताया कि पहले प्रत्येक विवाह के लिए 51 हजार की धनराशि निर्धारित थी, जिसे अब एक लाख कर दिया गया है। इसमें से 60 हजार की राशि सीधे वधू के खाते में भेजी जाएगी जबकि 25 हजार की राशि उपहार सामग्री के रूप में प्रदान की जाएगी।

संस्कृति का प्रतीक है गोपा अष्टमी का पर्व

संवाददाता, बलरामपुर

अमृत विचार : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के आनुषांगिक संगठन भारतीय किसान संघ की जिला कार्यसमिति की बैठक कैंप कार्यालय बहादुरपुर में सम्पन्न हुई। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष यदुनंदन मिश्र व संचालन जिला महामंत्री कमलेश त्रिपाठी ने किया।

मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश कार्यसमिति सदस्य जगदम्बा प्रसाद मिश्र उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि संगठन द्वारा आगामी 29 अक्टूबर को पूरे देश में गोपा अष्टमी पर्व धूमधाम से मनाया जाएगा। यह पर्व गौ-पूजन, भगवान श्रीकृष्ण एवं भगवान बलराम की आराधना के माध्यम से किसानों की समृद्धि और संस्कृति का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि सभी कार्यकर्ता

किसान संघ की बैठक में चर्चा करते पदाधिकारी व सदस्य। ● अमृत विचार

ग्राम पंचायत स्तर तक पहुंचकर श्रद्धापूर्वक पर्व का आयोजन सुनिश्चित करें। अध्यक्षता करते हुए जिलाध्यक्ष यदुनंदन मिश्र ने कहा कि सभी ब्लॉक स्तरीय पदाधिकारी अपने क्षेत्रों में समन्वय स्थापित कर पर्व की तैयारियों को रूप दें। उन्होंने कहा कि गोपा अष्टमी किसानों के जीवन और भारतीय संस्कृति से गहराई से जुड़ा पर्व है, इसलिए संगठन के प्रत्येक सदस्य की सहभागिता आवश्यक है।

बैठक में संरक्षक हरिबंश सिंह, जिला उपाध्यक्ष मदन गोपाल तिवारी, नवल किशोर, ओम प्रकाश चौरसिया, ब्लॉक अध्यक्ष अटल वर्मा, जैविक प्रमुख कृष्ण कुमार द्विवेदी, जिला सह मंत्री शिव योगी शुक्ला सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

महिलाओं को जागरूक करतीं महिला आरक्षी। ● अमृत विचार

मिशन शक्ति टीम ने महिलाओं को किया जागरूक

गैसड़ी, बलरामपुर, अमृत विचार। :थाना कोतवाली गैसड़ी के तत्वावधान में मिशन शक्ति टीम एवं एंटी रोमियो टीम द्वारा ग्राम कोहडोरा में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। मिशन शक्ति प्रभारी उप निरीक्षक गुलाब शाही ने कहा कि मिशन शक्ति का लक्ष्य महिलाओं और बालिकाओं को आत्मनिर्भर और सुरक्षित बनाना है। महिला कांस्टेबल सुषमा गौतम ने उपस्थित महिलाओं को उनके अधिकारों और कर्तव्यों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की उत्पीड़न या हिंसा की स्थिति में महिलाएं तुरंत पुलिस हेल्पलाइन नंबर 1090, 112 या 181 पर संपर्क करें। इस दौरान मुख्य आरक्षी विनोद यादव, आरक्षी अंकुर पाल और आरक्षी अमित यादव ने भी लोगों को जागरूक किया।

मिलेगी सौगात | **चेयरमैन ने निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा**

छठ घाट के लोकार्पण की तैयारी जोरों पर

संवाददाता, पचपेड़वा, बलरामपुर

अमृत विचार : सूर्य उपासना और लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा की तैयारियां नगर पंचायत पचपेड़वा में जोरों पर हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए नगर पंचायत प्रशासन द्वारा कच्चे और मिट्टी के घाट को पक्के छठ घाट में परिवर्तित किया गया है।

नगर पंचायत चेयरमैन रवि वर्मा ने शुक्रवार को छठ घाट पहुंचकर साफ-सफाई और अन्य व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिए कि घाट पर श्रद्धालुओं को असुविधा न हो। उन्होंने बताया

पटपरवर नगर में नवनिर्मित घाट का निरीक्षण करते अध्यक्ष रवि वर्मा व अन्य लोग। ● अमृत विचार

कि 27 अक्टूबर को छठ पूजा घाट का लोकार्पण किया जाएगा। गौरतलब है कि पिछले वर्ष 7 नवंबर 2024 को इसी घाट का शिलान्यास देवीपाटन मंदिर के महंत योगी मिथिलेश नाथ के कर-कमलों से कराया गया था। घाट का लोकार्पण भी उन्हीं के द्वारा किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान स्थानीय लोगों ने चेयरमैन रवि वर्मा की पहल की प्रशंसा की। यह जानकारी नगर पंचायत अध्यक्ष के प्रतिनिधि अभय वर्मा ने दी।

निर्माणाधीन अटल चौक की व्यवस्था पर उठे सवाल

उतरौला, बलरामपुर, अमृत विचार : नगर पालिका द्वारा पुरानी तहसील के बगल में निर्माणाधीन अटल चौक की व्यवस्था को लेकर नगरवासियों में नाराज़गी देखने को मिल रही है। नगर की सुंदरता बढ़ाने के उद्देश्य से बन रहा यह चौक अभी निर्माणाधीन ही है, लेकिन इसी बीच आवारा पशुओं ने चौक पर लगाए गए फाइबर बोर्ड और लाइटों से लिखे अटल चौक उतरौला के अक्षरों को नुकसान पहुंचा दिया।

नागरिकों का कहना है कि जब चौक का कार्य पूर्ण नहीं हुआ था, तो उसकी सुरक्षा और रखरखाव की उचित व्यवस्था क्यों नहीं की गई। लोगों का आरोप है कि लाखों खर्च होने के बावजूद निर्माण स्थल पर सुरक्षा इंतज़ाम न होना पालिका की लापरवाही को दर्शाता है। इस संबंध में पालिका की अध्यक्ष सविता गुप्ता ने कहा कि चौक को जल्द ही मरम्मत कराकर व्यवस्थित रूप दिया जाएगा तथा यहां भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा स्थापित की जाएगी। हालांकि नागरिकों का कहना है कि केवल मरम्मत पर्याप्त नहीं है; चौक की स्थायी सुरक्षा भी की जानी चाहिए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हों। नगरवासियों ने मांग की है कि कार्य पूर्ण होने तक चौक पर सुरक्षा गार्ड या अस्थायी बाड़ की व्यवस्था की जाए ताकि सार्वजनिक संपत्ति को सुरक्षित रखा जा सके।

न्यूज ब्रीफ

थाने पर ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

कुशीनगर : कप्तानगंज थाना क्षेत्र के सिसवा शुक्ल के दर्जनों ग्रामीणों ने बीते दिनों अंबेडकर मूर्ति के तोड़ने के मामले में थाने पर पहुंच निर्दोषों के ऊपर दर्ज किए गए मुकदमे के वापसी और दोषियों पर कार्यवाही को लेकर एक घंटे तक प्रदर्शन किया। प्रभारी निरीक्षक चंद्रभूषण प्रजापति के आश्वासन पर ग्रामीणों ने प्रदर्शन समाप्त किया। ग्रामीणों के अनुसार सिसवा शुक्ला में बुधवार को अराजक तत्वों द्वारा अंबेडकर की मूर्ति को खंडित किया गया था पुलिस प्रशासन कुछ लोगों के दबाव में गांव के निर्दोषों के ऊपर मुकदमा दर्ज कर लिया था। जिसकी वापसी और दोषियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करने की मांग को लेकर गांव के दर्जनों महिला और पुरुष शुक्रवार को थाने पर पहुंचे और कार्यवाही की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। यहां विशाल सिंह, भरत गुप्ता ,कन्हैया सिंह ,रबड़ी देवी ,गुड़िया देवी, राजमती देवी, विद्या देवी, रामकली, अर्जुन प्रजापति, संजय आशिक, शुक्ला टुनटुन, दुर्गेश शुक्ला, टुनटुन सिंह, ज्ञानी शुक्ला, हरि नारायण सिंह रहे।

छठ पर्व को लेकर घाट पर की गई सफाई

ककरहव (सिद्धार्थनगर) : लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर शुक्रवार को ककरहवा स्थित छठ घाट पर साफ-सफाई अभियान चलाया गया। स्थानीय युवाओं और कस्बावासियों ने मिलकर घाट की सफाई कर कचरा हटाया तथा घाट परिसर को स्वच्छ बनाया। श्रद्धालुओं के घाट पर खड़े होने एंव पूजा करने के लिए उचित व्यवस्था की जा रही है। पानी के किनारे सुरक्षा के दृष्टिकोण से बांस-बल्लियों का सहारा बनाकर घाट को सुरक्षित किया जा रहा है। स्थानीय कस्बा निवासी दुर्गेश वर्माव घुन्नु जायसवाल ने कहा कि छठ पूजा में स्वच्छता का विशेष महत्व होता है। इसीलिए रोजाना घाटों की सफाई की जा रही है। इस अवसर पर अशोक वर्मा,शिवरत्न कसौधन, सुनील वर्मा, दीपक वर्मा, संजय वर्मा आदि रहे।

महिलाओं को किया गया जागरूक

सिद्धार्थनगर : पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देशानुसार महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा में चलाये जा रहे अभियान के क्रम में जागरूक किया गया। वहीं मिशन शक्ति फेज 5 .0 कार्यक्रम महिला सशक्तिकरण, एन्टीरोमियो अभियान एवं साइबर अपराध सुरक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत के बारें में जानकारी दी गई। महिला सम्बन्धी अपराध पर अंकुश लगाने हेतु जारी हेल्प लाइन 1090 वुमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्प लाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्प लाइन, 112 पुलिस हेल्प लाइन, 1098 चाईल्ड केयर लाइन, 108 एम्बुलेंस हेल्प लाइन के बारे में जानकारी दी गई। इस दौरान मिशन शक्ति केन्द्र टीम में उप निरीक्षक कुंज बिहारी तिवारी, हेड कांस्टेबल अमरेश पाण्डेय, मीरा रानी मौजूद रहीं।

डीएम ने सुनी जनता की समस्याएं

गोरखपुर : जिलाधिकारी दीपक मीणा ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट परिसर स्थित जनसुनवाई कक्ष में आम नागरिकों की शिकायतें एवं समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई में शहर और ग्रामीण क्षेत्रों से आए सैकड़ों फरियादी अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। डीएम ने एक-एक करके सभी की बातें ध्यानपूर्वक सुनीं और संबंधित अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने अधिकारियों से कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान समयबद्ध, पारदर्शी और स्थाई रूप से किया जाए। उन्होंने निर्देश दिया कि जो फरियादी पहले भी अपनी समस्या लेकर आ चुके हैं और पुन: पहुंचे हैं, उनके पहले दिए गए प्रार्थना पत्र को संबंधित विभागों की रिपोर्ट सहित प्रस्तुत किया जाए।

कोई भी प्रकरण लंबित न रहे : जिलाधिकारी

कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न राजस्व वाद व वसूली संबंधित समीक्षा बैठक में डीएम ने दिए निर्देश

संवाददाता, सिद्धार्थनगर

अमृत विचार। जिलाधिकारी डॉ राजागणपति आर की अध्यक्षता एवं अपर जिलाधिकारी न्यायिक ज्ञान प्रकाश की उपस्थिति में राजस्व वाद एवं वसूली के सम्बन्ध में समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई। जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना बीमा योजना के लाभार्थियों को सहायता राशि उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कोई भी प्रकरण लंबित न रहे और समय-सीमा के अन्दर उसका निस्तारण करायें।

समीक्षा बैठक में डीएम ने आवेदन पत्रों का ऑनलाइन फीडिंग अनिवार्य रूप से कराएं। वहीं निर्विवाद वरासत एवं राजस्व वादों के निस्तारण आदि की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने समस्त उपजिलाधिकारी को

समीक्षा बैठक करते जिलाधिकारी व मौजूद अन्य अधिकारी। अमृत विचार

निर्देश दिया कि रिपोर्ट स्वयं चेक करके ही भेजे। निर्विवाद वरासत की कोई प्रकरण लम्बित न रहे समय सीमा के अन्दर निस्तारण करायें, राजस्व निरीक्षक,लेखपाल के स्तर पर लम्बित होने पर उनको नोटिस निर्गत करें। जिलाधिकारी ने धारा 24 के वादों को पोर्टल पर फीडिंग कराने के साथ निस्तारण कराने का निर्देश दिया। अवैध अतिक्रमण को चिन्हित करते हुये कब्जामुक्त कराये तथा अभियान चलाकर चकमार्ग को चिन्हित करायें। खण्ड विकास अधिकारी से समन्वय बनाकर चकमार्ग का मिट्टी पटाई का कार्य पूर्ण कराने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने समस्त उपजिलाधिकारी,उपजिलाधिकारी न्यायिक, तहसीलदार/तहसीलदार न्यायिक, नायब तहसीलदार को प्रत्येक दिन कोर्ट में बैठकर 03 वर्ष से अधिक के सभी वादो का निस्तारण करने का निर्देश दिया। प्रतिदिन केस की सुनवाई करें। वादों के निस्तारण को ऑनलाइन फीडिंग कराने का निर्देश दिया। वरासत के प्रकरणों का समय सीमा के अन्दर निस्तारण कराने का निर्देश दिया। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही नही होना चाहिए। किसी भी धारा का 05 साल एवं 03 साल के उपर का कोई भी प्रकरण लम्बित नही होना चाहिए। अंश निर्धारण में प्रगति लाने का निर्देश दिया। धारा-24, धारा 116, धारा- 176, धारा-67, धारा-80 के अन्तर्गत प्रकरण पर कार्यवाही करने का निर्देश दिया। खुर्रा बटवारा के प्रकरण निस्तारित कराये कोई भी प्रकरण लम्बित नही रहना चाहिए। सभी उपजिलाधिकरी प्रत्येक शुक्रवार को अपने अधीनस्थ कर्मचारी के साथ कार्यों की समीक्षा बैठक करें। इसके साथ ही सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराकर उस पर पत्थर लगवाने का निर्देश दिया। इस अवसर पर समस्त उपजिलाधिकारी, उपजिलाधिकारी न्यायिक, समस्त तहसीलदार, समस्त तहसीलदार, न्यायिक, नायब तहसीलदार, व अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

लाभार्थियों का ई-लॉटरी के माध्यम से हुआ चयन

सिद्धार्थनगर , अमृत विचार। जिलाधिकारी डॉ. राजा गणपति आर की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री गो संवर्धन योजना के लाभार्थियों का ई-लॉटरी के माध्यम से चयन हेतु बैठक संपन्न हुई। नंद बाबा दुग्ध मिशन के अंतर्गत संचालित मुख्यमंत्री को संवर्धन योजना 2025 26 हेतु कुल 2814 महिला व 14 पुरुष का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। आवेदकों द्वारा कुल 52 आवेदन ऑनलाइन माध्यम से प्राप्त हुए, जिसमें 48 आवेदनपत्र पात्र पाए गएं। पात्र 48 आवेदनों में जिलाधिकारी ने कुल 25 (11 महिला व 14 पुरुष) लाभार्थियों का ई-लॉटरी के माध्यम से चयन किया गया। ई-लॉटरी की प्रक्रिया लाभार्थियों आवेदकों की उपस्थिति में की गई।

बालश्रम उन्मूलन को लेकर उपजिलाधिकारी ने की बैठक

बैठक करते एसडीएम व मौजूद अन्य लोग। अमृत विचार

संवाददाता, सिद्धार्थनगर

अमृत विचार। बालश्रम एक गंभीर सामाजिक अपराध है, जिसे समाप्त करने के लिए समाज के सभी वर्गों को मिलकर आगे आना होगा और दिसम्बर 2026 तक जनपद को बालश्रम मुक्त किये जाने हेतु सभी को मिलकर प्रयास किये जाने की आवश्यक्ता है। इसी क्रम में जिलाधिकारी के निर्देश पर उपजिलाधिकारी बांसी के कक्ष में एसडीएम बांसी निखिल चक्रवर्ती की अध्यक्षता में व्यापार मंडल, ईंट-भट्ठा संचालकों एवं कारोबारियों के साथ बालश्रम उन्मूलन पर एक जागरूकता बैठक का आयोजन शुक्रवार को किया गया।

बैठक में एसडीएम निखिल चक्रवर्ती ने बताया कि बालश्रम कराना कानूनन अपराध है, और इसके लिए नियोक्ता को दंडनीय प्रावधानों का सामना करना पड़ता है। बालकों को शिक्षा का अधिकार प्राप्त है और उन्हें किसी भी प्रकार के श्रम में लगाना उनके भविष्य के साथ अन्याय है।

वहीं श्रम प्रवर्तन अधिकारी उज्ज्वल त्रिपाठी ने कहा कि समाज में बाल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता है। उन्होंने अधिकारियों और समाजसेवियों से अपील की कि वे ऐसे मामलों की जानकारी तुरंत प्रशासन को दें, ताकि बच्चों को उनके अधिकार दिलाए जा सकें। उन्होंने कहा कि बाल श्रम अधिनियम के उलंघन पर 50 हजार रुपये तक का अर्थ दंड एवं 1 वर्ष तक के कारावास का प्रावधान है।

बैठक में पुलिस क्षेत्राधिकारी बांसी सुजीत राय, खण्ड विकास अधिकारी बांसी कीर्तिका अवस्थी, बीडीओ मिठवल सौरभ कुमार पाण्डेय, एएचटी से उपनिरीक्षक भीम सिंह, चिकित्साधीक्षक बसंतपुर डॉ.धर्मेंद्र चौधरी, चिकित्साधीक्षक मिठवल डॉ. राजीव कुमार रंजन, डिटीएफ सदस्य जय प्रकाश गुप्ता, वरिष्ठ सहायक जीडी तिवारी, मानव संसाधन एवं महिला विकास संस्थान से ज्योति सिंह एवं श्रद्धा दूबे, व्यपार मण्डल अध्यक्ष घनश्याम जायसवाल, उमेश पाठक, ईंट भट्ठा व्यवसायी विजय प्रकाश राय, अफरोज खान, अशोक कुमार विशनानी, भानू प्रताप विशनानी, दिनेश कुमार विशनानी, आकाश कुमार, दिनेश धर द्विवेदी एवं व्यवसायी मौजूद रहे।

सरदार पटेल की देन है एकजुट भारत: हरि चरण

संवाददाता, सिद्धार्थनगर

अमृत विचार। भाजपा की ओर से सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती समारोह अभियान को लेकर भाजपा जिला कार्यालय पर जिलाध्यक्ष कन्हैया पासवान के अध्यक्षता में जिला कार्यशाला आयोजित हुई।

कार्यशाला के दौरान मुख्य अतिथि जिला प्रभारी हरि चरण कुशवाहा ने ने कहा कि जब देश आज़ाद हो रहा था, तब अंग्रेजों ने भारत को कई हिस्सों में बांटने की साजिश रची थी। उनकी कोशिश थी कि भारत कभी एक न हो सके। लेकिन लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल ने अपनी अद्भुत दूरदृष्टि और दृढ़ इच्छाशक्ति से 563 रियासतों को भारत गणराज्य में विलय कर राष्ट्रीय एकता को

कार्यशाला को संबोधित करते जिला प्रभारी हरि चरण व मौजूद अन्य।

• **सरदार पटेल की जयंती पर 31 से भाजपा चलाएगी अभियान**

मजबूत किया। उन्होंने कहा कि आज उत्तर से दक्षिण और पूरब से पश्चिम तक जो भारत एकजुट दिखता है, वह सरदार पटेल जी की देन है। इसलिए उनके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 11 वर्ष से हर साल 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जाता है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भाजपा और केंद्र व राज्य की सरकारें सरदार पटेल के 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के सपने को साकार करने के लिए कार्यरत हैं। जिलाध्यक्ष कन्हैया पासवान ने बताया कि 31 अक्टूबर को 'रन फॉर यूनिटी' का आयोजन पूरे जनपद में होगा। इसके बाद 1 नवंबर से 26 नवंबर तक हर विधानसभा क्षेत्र में 8 से 10 किलोमीटर लंबी 'एकता पदयात्रा' निकाली जाएगी। इसमें आर्मी के रिटायर्ड जवान, अन्नदाता, श्रमिक, भाजपा के अनुशांगिक संगठन, एनएसएस, एनसीसी, स्काउट गाइड सभी को जोड़ा जाएगा। यात्रा के दौरान भारत माता की जय, वंदे मातरम के जयघोष गूंजेंगे।

इस दौरान पूर्व विधायक राघवेंद्र सिंह, बृजबिहारी मिश्र,राम कुमार कुंवर, कुंवर विक्रम सिंह, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य साधना चौधरी, मीडिया प्रभारी निशांत पाण्डेय, महामंत्री विपिन सिंह,विजयकांत चतुर्वेदी,शिवनाथ चौधरी,विनीत कमलापुरी,अजय उपाध्याय,फतेबहादुर, अजय गुप्ता,विकास जायसवाल, रवि अग्रवाल आदि लोग उपस्थित रहे।

सामुदायिक भवन की बदहाली व गंदगी को लेकर आक्रोश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। नगर पंचायत शोहरतगढ़ के वार्ड नं.-4 दशरथ नगर के सामुदायिक भवन की बदहाली और गंदगी को लेकर स्थानीय लोगों में आक्रोश और निराशा देखने को मिल रही है। ग्रामीणों का कहना है कि सरकार की विकास योजनाओं और नगर पंचायत के दावों के विपरीत यह भवन उपेक्षा का शिकार बना हुआ है। सामुदायिक कार्यक्रमों के लिए बनाये गये इस भवन में अब कचरा जमा रहता है। लोगों का आरोप है कि नगर पंचायत द्वारा न तो सफाई की व्यवस्था की जा रही है और न ही मरम्मत पर ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने जल्द से जल्द भवन की सफाई, मरम्मत और नियमित देखरेख की मांग की है।

रेलवे स्टेशनों पर छठ गीतों का प्रसारण शुरू

गोरखपुर , अमृत विचार। भारतीय रेल ने छठ पूजा के शुभ अवसर पर रेलवे स्टेशनों पर छठ गीतों का प्रसारण शुरू किया है। इस पहल का उद्देश्य यात्रियों को त्योहार की पवित्र भावना से जोड़ना और उनके सफर को और भी सुहावना बनाना है। छठ पूजा के दौरान रेलवे स्टेशनों पर बजने वाले ये भक्तिपूर्ण गीत श्रद्धालुओं के लिए एक पवित्र माहौल का निर्माण कर रहे हैं। पटना, दानापुर, हाजीपुर, भागलपुर, जमालपुर, सोनपुर, नई दिल्ली, गाजियाबाद और आनंद विहार टर्मिनल, छपरा, छपरा कचहरी, सीवान, थावे, मसरख, सिधवलिया, एकमा, मैरवा, मढ़ौरा एवं गोपालगंज जैसे प्रमुख स्टेशनों पर इन गीतों से यात्रियों को संस्कृति की सुगंध का अनुभव हो रहा है, जिससे उनके सफर में भक्ति और उल्लास का संचार हो रहा है। वहीं गोरखपुर जं. रेलवे स्टेशन पर होल्डिंग एरिया में कुछ कलाकारों द्वारा छठ पूजा के गीतों पर प्रस्तुति दी। उक्त जानकारी मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह ने दी है।

छठ पूजा को लेकर चलाई जा रहीं स्पेशल ट्रेनें

गोरखपुर, अमृत विचार। भारतीय रेल यात्रियों की त्योहारों की यात्रा को सुगम और आरामदायक बनाने के लिए देशभर में 12,000 से अधिक स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही हैं। भारी त्योहारी भीड़ को ध्यान में रखते हुए, प्रमुख स्टेशनों जैसे नई दिल्ली, आनंद विहार टर्मिनल, उधना, पुणे, मुंबई, बेंगलुरु, गोरखपुर, छपरा, सीवान बनारस, बलिया आदि पर सभी यात्री सुविधाओं से युक्त होल्डिंग एरिया बनाए गए हैं। रेलवे कर्मचारी चौबीसों घंटे यात्रियों का मार्गदर्शन करने, व्यवस्था बनाए रखने और सभी को सुरक्षित रूप से अपने घर तक पहुंचाने में जुटे हैं ताकि वे अपने परिजनों के साथ त्योहार मना सकें। अब भारतीय रेल छठ पूजा के बाद यात्रियों की सुरक्षित और आरामदायक वापसी यात्रा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह तैयार है। 28 अक्टूबर से नवंबर माह के दौरान यात्रियों की वापसी यात्रा को सुगम बनाने के लिए 6181 स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही हैं, जिससे लोग अपने कार्यस्थलों पर समय पर लौट सकें। पटना, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, गया, सहरसा, गोरखपुर आदि स्टेशनों पर 24 x7 मेडिकल बूथ स्थापित किए गए हैं ताकि किसी भी स्वास्थ्य आपात स्थिति में तत्काल सहायता दी जा सके। राज्य सरकार, अग्निशमन विभाग और एंबुलेंस सेवाओं के साथ समन्वय स्थापित कर आपातकालीन सेवाओं को तत्पर रखा गया है। भारतीय रेल यात्रियों को सुरक्षित, विश्वसनीय और आरामदायक यात्रा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है और इस त्योहारी सीजन में समर्पण और सेवा भाव के साथ राष्ट्र की सेवा में तत्पर है। उक्त जानकारी मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह ने दी है।

कंटेनर से टकराई बिहार जा रही लग्जरी बस, 4 लोग गंभीर

संवाददाता, कुशीनगर

अमृत विचार। गुरुग्राम से बिहार जा रही लग्जरी बस हाटा कोतवाली क्षेत्र के हाईवे पर स्थित थरूआडीह के सामने गुरुवार की देर रात सड़क के किनारे खड़े कंटेनर से टकरा गई। इससे बस के अगले हिस्से के परखच्चे उड़ गये। इस घटना में एक महिला का पैर व एक किशोरी का हाथ कट गया। घटना के बाद की घंटो तक चीख-पुकार मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को सीएचसी हाटा में प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल चार यात्रियों को गोरखपुर रेफर किया गया।

गुरुग्राम से बिहार जा रही यह बस हाईवे के किनारे खड़ी कंटेनर नं बीआर 28 जीबी 4857 से टकरा गई। इस दौरान बस में सवार यात्रियों में चीख पुकार मच गई। बस में लगभग 100 यात्री सवार थे। इस दुर्घटना में बस में सवार पुष्पा देवी उम्र 45 वर्ष पत्नी आनन्द मिश्रा निवासी मोतीहारी बिहार का दाहिना पैर कट गया तो वहीं खुशी उम्र 16 वर्ष पुत्र दशरथ मंडल निवासी मुजफ्फरपुर बिहार का हाथ भी इस घटना में कट गया। संगीला देवरी पत्नी 45 वर्ष पत्नी राजकुमार मुखिया दरभंगा बिहार व दिव्यांशु 12 वर्ष पुत्र आनन्द मिश्रा निवासी मोतीहारी बिहार को भी गंभीर चोटें आईं। वहीं अन्य यात्रियों को भी चोटे आई।

सीएचसी हाटा में इलाज के बाद चारों घायलों को मेडिकल कालेज गोरखपुर रेफर कर दिया गया। वहीं बस के चालक व खलासी फरार हो गये।

प्रतियोगिता में 20 टीमें करेंगी प्रतिभाग

कुशीनगर। जिला क्रीड़ा अधिकारी रवि कुमार ने बताया कि ओपेन राज्य आमंत्रण पुरुष फुटबाल प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 29 अक्टूबर से बेदूपार इण्टर कॉलेज सेवरही कुशीनगर एवं पुरुष कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन 30 अक्टूबर से रामलीला मैदान, तमकुहीराज कुशीनगर में आयोजन किया जा रहा है। जिसमें प्रदेश से 20 टीमें प्रतिभाग करेंगी।

कार्यालय नगर निगम अयोध्या जोन-अयोध्या धाम

पत्रांक : 584 /न0नि0अयो0जो0 अयो0/2025-26 दिनांक: 24. 10. 2025

सार्वजनिक सूचना

नगर निगम अयोध्या के कर अनुभाग में नामान्तरण के लिए निम्नलिखित भवनों के सम्बन्ध में आवेदन पत्र प्राप्त हुए है। इन भवनों पर पूर्व में दर्ज भवन स्वामी हितबद्ध को सूचित किया जाता है कि इस नामान्तरण पर यदि किसी को आपत्ति हो तो अपने प्रमाणित साक्ष्य के साथ प्रकाशित तिथि से 15 दिवस के अन्दर आपत्ति पत्र प्रस्तुत करें. अन्यथा की स्थिति में नामान्तरण की कार्यवाही कर दी जायेगी, जिसका सम्पूर्ण उत्तरदायित्व आपका होगा, जिसका विवरण निम्नवत है:

क्र0 सं0	भवन संख्या	पूर्व में दर्ज नाम	दर्ज होने वाले नाम	दर्ज आधार
वार्ड-विद्याकुण्ड				
1	2/4/39	विश्वनाथ कुमहार	दिलीप, सोनू, दीपक, रामजी, संतोष पुत्रगण स्व0 विश्वनाथ प्रजापति	रजि वसीयत
वार्ड-मं0 रामचन्दर दास परमहंस नगर				
2	6/2/102	राम किशोर दास चे0 जगन्नाथ दास	राधेश्याम शरण दास चे0 राम किशोर	रजि0 महज्जरनामा
वार्ड-देवकाली				
3	15/5/2	मं0 धर्मेन्द्र दास चे0 स्व0 मं0 प्रभुदास	मं0 राम दास चे0 स्व0 जगन्नाथ दास	रजि0 महज्जरना
वार्ड-सीताकुण्ड				
4	24/3/35	गायत्री पाण्डेय, रजनीश उपाध्याय, सूर्य प्रकाश उपाध्याय, निखिल उपाध्याय	अवधेश कुमार उपाध्याय पुत्र गिरजा दत्त उपाध्याय	वरासत

कर अधीक्षक
नगर निगम अयोध्या

जोनल अधिकारी
नगर निगम अयोध्या

कार्यालय नगर निगम अयोध्या जोन-अयोध्या धाम

पत्रांक : 583 /न0नि0अयो0जो0 अयो0/2025-26 दिनांक: 24. 10. 2025

सार्वजनिक सूचना

नगर निगम अयोध्या के कर अनुभाग में नामान्तरण के लिए निम्नलिखित भवनों के सम्बन्ध में आवेदन पत्र प्राप्त हुए है। इन भवनों पर पूर्व में दर्ज भवन स्वामी हितबद्ध को सूचित किया जाता है कि इस नामान्तरण पर यदि किसी को आपत्ति हो तो अपने प्रमाणित साक्ष्य के साथ प्रकाशित तिथि से 15 दिवस के अन्दर आपत्ति पत्र प्रस्तुत करें. अन्यथा की स्थिति में नामान्तरण की कार्यवाही कर दी जायेगी, जिसका सम्पूर्ण उत्तरदायित्व आपका होगा, जिसका विवरण निम्नवत है:

क्र0 सं0	भवन संख्या	पूर्व में दर्ज नाम	दर्ज होने वाले नाम	दर्ज आधार
वार्ड-वृहस्पतिकुण्ड				
1	8/4/8	कालीचरन	श्री निषाद वंश प्राचीन पंचायती मन्दिर समिति अयोध्या अध्यक्ष इन्द्रेश कुमार निषाद	सोसायटी के नवीनीकरण प्रमाण पत्र
वार्ड-देवकाली				
2	15/4/88	गुलाबकली उपाध्याय	निखिल उपाध्याय पुत्र जर्नादन	रजि0 दान पत्र
वार्ड-सीताकुण्ड				
3	24/3/11	सुबोध श्रीवास्तव	रीता यादव पत्नी कंचन कुमार	रजि0 बैनामा
4	24/3/91	विन्देश्वरी प्रसाद	भरत लाल गुप्ता, राजकुमार पुत्रगण स्व0विन्देश्वरी	वरासतन
5	24/2/34A	सरस्वती सिंह पत्नी महावीर सिंह	जय प्रताप सिंह, विजय प्रताप सिंह, उदय प्रताप सिंह पुत्रगण महावीर सिंह	वरासतन
6	24/1/19	मुन्नी देवी राजेन्द्र प्रसाद श्रीवास्तव	सीमा श्रीवास्तव पत्नी स्व. रमेश चन्द्र श्रीवास्तव, वन्दिता श्रीवास्तव आदित्य श्रीवास्तव नाबालिग पुत्री व पुत्र स्व. रमेश चन्द्र श्रीवास्तव	रजि0 वसीयत
वार्ड-हनुमान कुंड				
7	43/2/18	जयराम पाण्डेय पुत्र स्व. रामरंगीले पाण्डेय	चन्द्रमणि, चन्द्रदीप पुत्रगण स्व0 जयराम पाण्डेय	वरासत
8	43/6/67	पुरुषोत्तम दास चे0 बाबा कल्याण दास पटठी उज्जैनिया	तेजपाल दास चेला पुरुषोत्तम दास	रजि0 तकर्रूर सरवरहाकारी
वार्ड-मणिरामदास छावनी				
9	49/2/35A	सरयू दास आचार्य चे0 राम प्रकाश दास	मं0सियाराम दास चे0 स्व0 राम प्रकाश दास	मा0 न्यायालय आदेश दिनांक 17.11.2005

कर अधीक्षक
नगर निगम अयोध्या

जोनल अधिकारी
नगर निगम अयोध्या

सख्ती | समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी ने अधिकारियों को दिए निर्देश

योजनाओं से संतृप्त किए जाएं मुसहर परिवार

संवाददाता, कुशीनगर

अमृत विचार। जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर की अध्यक्षता एवं मुख्य विकास अधिकारी गुंजन द्विवेदी की उपस्थिति में विकास कार्यक्रमों के महत्वपूर्ण एजेंडा पर समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न की गई। जिलाधिकारी ने मुसहर परिवारों के उत्थान हेतु चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित किए जाने हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपने विभाग से संचालित योजनाओं से शत-प्रतिशत आच्छादित करते हुए उसकी सूची ग्राम सभाओं में खुली बैठक के माध्यम से दी जाए।

समीक्षा बैठक करते जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर। अमृत विचार

उन्होंने निर्देशित किया कि यदि किसी ग्राम सभा में एक ही मुसहर परिवार है तो उसे भी सूची में शामिल करते हुए योजनाओं से संतृप्त किए जाएं। 15 दिन के भीतर इस अभियान के अंतिम चरण में संबंधित ग्राम सभाओं में चौपाल का आयोजन कर सभी संबंधित को योजनावार लाभान्वित कर सूची उपलब्ध कराएं ताकि रिपोर्ट शासन को प्रेषित की जा सके। प्रधानमंत्री आवास/मुख्यमंत्री आवास, वृद्धा पेंशन, दिव्यांग पेंशन, विधवा पेंशन, राशनकार्ड, जन आरोग्य योजना, पीएम किसान योजना, की गहन समीक्षा की गई। प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा दौरान जनपद में 51996 स्वीकृत आवासों में 51386 को पूर्ण होने,तथा अवशेष आवास के संबंध में विस्तृत जानकारी लेते हुए जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि यदि किसी पात्र के पास भूमि नहीं है तो उसे उप जिलाधिकारी को पत्र प्रेषित कर पट्टा आवंटित कराते हुए कार्य शुरू कराई जाय।

इसी प्रकार सभी प्रकार के पेंशन योजनाओं में लंबित आवेदनों को शीघ्र निस्तारण करते हुए अगले सप्ताह की बैठक में रिपोर्ट प्रस्तुत किए जाने का निर्देश संबंधित को दिए गए। फैमिली आईडी अंतर्गत विभिन्न विकास खंडों द्वारा संतोषजनक प्रगति नहीं पाए जाने पर इस माह के अंत तक लक्ष्य पूर्ति कर लिए जाने हेतु निर्देशित किया गया। डीएम ने समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित सामूहिक विवाह कार्यक्रम अंतर्गत अगले माह में तिथि निर्धारित करते हुए लक्ष्यपूर्ति हेतु निर्देशित किया। इस अवसर पर परियोजना निदेशक पियूष, डीसी मनरेगा राकेश, जिला पंचायतराज अधिकारी आलोक प्रियदर्शी, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी रविन्द्र प्रसाद सहित,अन्य जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

अमृत विचार

शनिवार, 25 अक्टूबर 2025

जिस दिन आपके सामने कोई समस्या न आए, आप यकीन कर सकते हैं कि आप गलत रास्ते पर चल रहे हैं।
–**विवेकानंद**, विचारक

तेल की धार

भारत की तेल नीति एक बार फिर अंतर्राष्ट्रीय भू-राजनीति के केंद्र में आ गई है। रूस से तेल खरीदारी के मामले ने देश की कूटनीति के क्षेत्र में स्वायत्तता बनाम वैश्विक दबाव को ले कर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। ट्रंप के इस दावे के जवाब में कि उनके कहने पर भारत, रूस से तेल खरीदना धीरे-धीरे बंद कर देगा, भारतीय विदेश मंत्रालय की प्रतिक्रिया थी कि भारत किसी भी दबाव में नहीं झुकेगा और उसकी ऊर्जा नीति का आधार सिर्फ राष्ट्रीय हित एवं उपभोक्ता सुरक्षा है, परंतु जमीनी हकीकत है कि निजी व सरकारी रिफाइनरियों द्वारा रूसी तेल आयात में भारी कटौती शुरू हो चुकी है, तो स्पष्ट है कि इस मामले में सरकार अमेरिकी प्रतिबंधों से तालमेल बैठाने की तैयारी में है।

आज सरकारी कंपनियां अपने दस्तावेजों की समीक्षा करने के साथ यह तय कर रहीं हैं कि रूसी तेल कंपनी रोजनेफ्ट या लुकोइल से कोई शिपमेंट सीधे न आए। यह आसानी से समझा जा सकता है, क्योंकि अमेरिका द्वारा रूस की दो सबसे बड़ी तेल कंपनियों, रोजनेफ्ट और लुकोइल पर कड़े प्रतिबंध लगाने के चलते भारतीय निजी रिफाइनरी कंपनियां- रिलायंस इंडस्ट्रीज और नायरा एनर्जी को कारोबारी संकट झेलना पड़ सकता है, क्योंकि इन कंपनियों को अब तक जो अरबों गैलन सस्ता रूसी कच्चा तेल मिलता था, वो अब खासा महंगा पड़ेगा। इसके अलावा रूसी तेल खरीद से जुड़े अमेरिकी द्वितीयक प्रतिबंधों का खतरा भारतीय बैंकों और बीमा कंपनियों तक पहुंच सकता है, भीषण टैरिफ थोपने से वैसे भी अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान हो ही रहा है।

सच यह है कि रूसी तेल खरीद में बड़ी कटौती का सबसे बड़ा आर्थिक नुकसान रूस को होगा, क्योंकि भारत उसका सबसे बड़ा ग्राहक है। देश सीधे बहुत कम तेल खरीदता है, ज्यादातर तेल देश के रिलायंस, नायरा एनर्जी सरीखी निजी रिफाइनरियां ही खरीदती हैं। नायरा एनर्जी जैसी कंपनियों का मुनाफा रूसी सस्ते तेल पर निर्भर था, महंगा तेल खरीदने से उनको भारी घाटा हो सकता है। भारतीय उपभोक्ताओं को इन सबके चलते महंगा तेल खरीदना पड़ सकता है, क्योंकि रूसी तेल की भरपाई के लिए भारत को खाड़ी देशों, सऊदी अरब, ईराक, संयुक्त अरब अमीरात से तेल आयात बढ़ाना होगा। इन स्रोतों से कच्चा तेल औसतन 10 से 15 डॉलर प्रति बैरल महंगा होगा। सरकार का नुकसान इसमें बहुत ज्यादा नहीं है। हां, सस्ते तेल का लाभ न मिलने से उसका आयात बिल बढ़ सकता है, पर अमेरिका अगर संभावनाओं के मुताबिक अपना टैरिफ 50 प्रतिशत से घटा कर 15 फीसदी कर देता है, तो यह उसके लिए फायदेमंद रहेगा। अमेरिका को रणनीतिक लाभ मिलेगा तो वह कुछ और कारोबारी छूट दे सकता है। नये हालात में अगर भारत रूसी तेल खरीदना बंद करता है, तो संभव है कि भारत और रूस के संबंध पर इससे असर पड़े। रूस की क्या प्रतिक्रिया होगी, इसको संवाद के जरिए संतुलित बनाए रखना होगा। फिलहाल सरकार को पारदर्शिता के साथ जनता को समझाना चाहिए कि यह फैसला देश की स्वायत्तता और रणनीतिक स्वतंत्रता से कोई समझौता नहीं है। इसे देश की वैश्विक स्थिति, ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता को ध्यान में रखकर लिया गया है।

प्रसंगवश

प्रकृति, पवित्रता व प्रार्थना का अनूठा लोकपर्व छठ

भारत की सांस्कृतिक चेतना में कुछ पर्व ऐसे हैं, जिनमें लोक, धर्म, प्रकृति और तपस्या का अद्भुत संगम दिखाई देता है। छठ महापर्व उन्हीं में से एक है। यह एक ऐसा पर्व है, जो अब किसी एक क्षेत्र की सीमाओं में नहीं बंधा बल्कि भारतीय आस्था के विशाल सागर में अपनी गहरी जड़ें जमा चुका है। वास्तव में यह आत्मशुद्धि, संयम और कृतज्ञता की वह साधना है, जिसमें मनुष्य सूर्य और प्रकृति के प्रति अपनी निष्ठा प्रकट करता है। बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश और नेपाल के तराई क्षेत्रों से शुरू होकर अब यह पर्व देश-विदेश के असंख्य भारतीयों के जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुका है।

चार दिनों तक चलने वाला यह महापर्व कार्तिक शुक्ल चतुर्थी से आरंभ होकर षष्ठी और सप्तमी को चरम पर पहुंचता है। 25

श्वेता गोयल
शिक्षिका

अक्तूबर से शुरू हो रहे इस वर्ष के छठ पर्व की शुरुआत 'नहाय-खाय' से हो रही है। इस दिन व्रती स्नान कर सात्विक भोजन बनाते हैं, जिससे शरीर और मन की शुद्धि होती है। यह भोजन केवल प्रसाद नहीं बल्कि एक प्रतीक है कि व्रती अब अपने जीवन के सारे विकारों को त्यागकर पूरी निष्ठा से साधना में प्रवृत्त होंगे। अगले दिन 'खरना' का विधान है। इस रोज दिनभर निराहार रहने के बाद व्रती संध्या के समय छठी मैया को खीर, रोटी और गुड़ का प्रसाद चढ़ाकर उसका सेवन करते हैं और प्रसाद बांटते हैं। माना जाता है कि खरना के बाद ही छठ की साधना की ऊर्जा जागृत होती है।

तीसरे दिन यानी 27 अक्टूबर को अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। यह दृश्य पूरे भारत की लोकआस्था का सबसे अनुपम रूप होता है। घाटों पर उतरती हुई स्त्रियां, सिर पर बांस के सूप में ठेकुआ, केला, नारियल और अन्य प्रसाद रखे हुए, जल में कमर तक डूबी हुई, सूर्य की ओर हाथ जोड़े श्रद्धा के साथ झुकी हुई, यह दृश्य केवल श्रद्धा नहीं बल्कि प्रकृति के प्रति समर्पण का जीवंत प्रतीक है। चौथे दिन यानी 28 अक्तूबर की प्रातःकालीन बेला में उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर छठ पर्व का समापन होगा। यह क्षण केवल सूर्योदय का नहीं बल्कि मनुष्य की आशा, नूतन ऊर्जा और नवजन्म का प्रतीक माना जाता है।

छठ पर्व की सबसे बड़ी विशेषता इसका अत्यंत पवित्र और कठोर अनुशासन है। व्रती न केवल उपवास रखता है, बल्कि चारों दिनों तक अत्यंत सात्विकता, संयम और आत्मसंयम का पालन करता है। इस पर्व में किसी पुजारी की आवश्यकता नहीं होती, बल्कि प्रत्येक व्रती स्वयं पूजा करता है। यह परंपरा दर्शाती है कि श्रद्धा का सबसे शुद्ध रूप वही है, जिसमें मनुष्य स्वयं को ही मंदिर, स्वयं को ही साधक और स्वयं को ही साध्य बना ले। छठ पर्व इसी आत्मानुशासन की साधना है, जहां आडंबरों की नहीं, आस्था की शक्ति बोलती है।

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार छठी मैया या षष्ठी देवी सूर्यदेव की बहन मानी जाती हैं, जो संतान की रक्षा करती हैं और परिवार में सुख, समृद्धि तथा स्वास्थ्य प्रदान करती हैं। छठ पर्व में सूर्य, उनकी पत्नी उषा और प्रत्यूषा, तथा छठी मैया, इन सभी की संयुक्त उपासना की जाती है। उषा और प्रत्यूषा क्रमशः सूर्य की प्रथम और अंतिम किरण का प्रतीक हैं, इसीलिए व्रती सूर्य को दोनों समय (अस्त और उदय) अर्घ्य अर्पित करते हैं। यह परंपरा जीवन के उस संतुलन का प्रतीक है, जिसमें आरंभ और अंत दोनों ही समान रूप से पवित्र हैं। छठ पर्व की उत्पत्ति को लेकर कई किंवदंतियां हैं। एक कथा के अनुसार, सूर्यपुत्र कर्ण ने सबसे पहले सूर्यदेव की उपासना प्रारंभ की थी। वे प्रतिदिन कमर तक जल में खड़े होकर सूर्य को अर्घ्य देते थे।

देश में बदलने वाला है उच्च शिक्षा का परिदृश्य

अनिल यादव
वरिष्ठ पत्रकार

अपने देश में जल्द ब्रिटेन के आठ नामी विश्वविद्यालयों के कैंपस खुलने जा रहे हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ साउथंपटन की स्थापना पहले ही गुड़गांव में हो चुकी है। हाल ही में भारत और ब्रिटेन के प्रधानमंत्रियों की मुलाकात हुई थी, जिसमें यह फैसला लिया गया था। एलान अब किया गया है। इसी के साथ ब्रिटेन, भारत में उच्च शिक्षा देने वाला सबसे बड़ा देश बन गया है। इसका मतलब यह है कि किसी और देश के इतने अधिक विश्वविद्यालय भारत में अभी नहीं खुले हैं। कल को कोई और देश भी यह दावा कर सकता है। बताया जा रहा है कि इन उच्च शिक्षा परिसरों से ब्रिटेन को सालाना करीब पचास मिलियन पाउंड की आमदनी होगी। नए खुलने जा रहे विश्वविद्यालय हैं- बंगलुरू में यूनिवर्सिटी ऑफ लिवरपूल और लंकास्टर यूनिवर्सिटी, मुंबई में यूनिवर्सिटी ऑफ यार्क, यूनिवर्सिटी ऑफ एबरडीन और यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिस्टल, गांधीनगर (गुजरात) में क्वीन्स यूनिवर्सिटी बेलफास्ट, कोवेंट्री यूनिवर्सिटी और यूनिवर्सिटी ऑफ सरे। इन्हें सरकार की अनुमति मिल चुकी है।

भारत सरकार का दावा है इससे हमारा देश शैक्षिक हब बन जाएगा, लेकिन ऐसा तो तब होता जब हमारे विश्वविद्यालयों की रैंकिंग दुनिया में अव्वल होती, यहां दाखिला पाने के लिए यूरोप न सही एशिया के ही छात्रों में होड़ लगी रहती और हमारे यहां की डिग्रियों की कुछ क्षेत्रों में रोजगार मिलने में खास अहमियत होती। दुर्भाग्य से ऐसा नहीं है। ये विश्वविद्यालय मुख्यतः ब्रिटेन की नई प्रवासी नीति के तहत खोले जा रहे हैं, जिसका उद्देश्य ब्रिटेन में तीसरी दुनिया खासतौर से भारत से आने वाले लोगों की भीड़ को कम करना है। पिछले कई सालों से ब्रिटेन में बाहर से आने वाले लोगों को लेकर भय और बेचैनी का माहौल देखने को मिल रहा है और सरकार उनकी संख्या को हर संभव तरीके से नियंत्रित करने की कोशिश कर रही है।

देश में जल्द ब्रिटेन के आठ नामी विश्वविद्यालयों के कैंपस खुलने जा रहे हैं। इसके साथ ही ब्रिटेन भारत में उच्च शिक्षा देने वाला सबसे बड़ा देश बन जाएगा। इससे ब्रिटेन को सालाना करीब पचास मिलियन पाउंड की आमदनी होगी।

भारत से ब्रिटेन जाने वाले छात्रों की बड़ी संख्या है, जो वहां पढ़ाई करने के लिए जाती है, लेकिन रोजगार की तलाश में वहीं रह जाती है। वहां वर्क वीजा की मांग करने वाले भारतीयों की संख्या लगातार बढ़ रही है, जिसका कारण सिर्फ रोजगार ही नहीं, यह भी है कि इन युवाओं को ब्रिटेन का जीवन स्तर और माहौल यहां से बेहतर लगता है। प्रवासियों की भीड़ रोकने के लिए एक तरफ तो वीजा नियमों को सख्त किया गया है और अब शिक्षा का ही निर्यात शुरू कर दिया गया है, जिसके बहाने से बड़ी संख्या में युवा वहां पहुंचते थे।

भारत के संपन्न और नवधनिक तबके में अभी भी विदेशी विश्वविद्यालयों की डिग्रियों का क्रेज है। पूरी संभावना है कि ये परिसर ऐसे ही युवाओं के हब बनेंगे। उन्हें ध्यान में रखते हुए इन ब्रिटिश विश्वविद्यालयों में ऐसे पाठ्यक्रम प्रस्तावित किए हैं, जिनकी फीस काफी है, लेकिन अकादमिक वैल्यू बहुत कम है। इन विश्वविद्यालयों के संचालन में कामयाबी मिलना तय है, क्योंकि यहां शिक्षक और बाकी स्टॉफ को ब्रिटेन की तुलना में बहुत कम सैलरी पर रखा जा सकेगा और संचालन का कुल खर्च भी कम आएगा। फिर भी इसके भारतीय रोजगार बाजार या जॉब मार्केट के प्रचलित मानदंडों से बेहतर रहने के आसार हैं।

इतनी बड़ी संख्या में विदेशी विश्वविद्यालयों के खुलने से एक चीज यह होने जा रही है कि भारतीय विश्वविद्यालयों को भी अपनी गुणवत्ता में सुधार करना पड़ेगा, क्योंकि उनकी तुलना अब इन संस्थानों से की जाएगी। इस मामले में जो करार हुआ है, उसके मुताबिक भारत सरकार ने वादा किया है कि स्थानीय कानूनों के तहत हर तरह की स्वायत्तता इन विश्विद्यालयों को मिलेगी। ऐसी स्वायत्तता कुछ हद तक अभी निजी ईलीट किस्म के शैक्षिक संस्थानों को हासिल है, जो अपने पाठ्यक्रम खुद बना सकते हैं और फैकल्टी का चयन कर सकते हैं। ऐसी स्वायत्तता निजी संस्थानों को तो हासिल है, लेकिन केंद्रीय विश्वविद्यालयों को नहीं है।

जल्दी ही विदेशी, प्राइवेट और सरकारी तीन तरह के विश्वविद्यालय और उनके बीच का प्रतिस्पर्धात्मक माहौल देखने को मिलेगा। यहां एक प्रश्न उठता है कि हमारे यहां के विश्वविद्यालयों के हर विभाग में भारतीय ज्ञान परंपरा लागू करने का सरकार की ओर से आग्रह और दबाव रहता है, क्या इन शैक्षिक परिसरों में भी इस तरह की परंपरा के पालन का आग्रह किया जाएगा या उन्हें इससे मुक्त रखा जाएगा। अभी तक इन विश्वविद्यालयों ने शायद जानबूझ कर प्रबंधन, सूचना प्रौद्योगिकी और ऐसे अन्य तकनीकी पाठ्यक्रम घोषित किए हैं, जिनमें भारतीय परंपरा की खोज करना संभव नहीं है। जब वे इतिहास, मानविकी, समाज विज्ञान के पाठ्यक्रमों को सामने रखेंगे तब पता चलेगा कि वे सरकारी दबाव से कितना मुक्त हैं। एक बात तय है कि ये विश्वविद्यालय अपनी स्वायत्तता पर देशी संस्थानों जितनी आसानी से समझौता नहीं करेंगे।

पिछले दस सालों में उच्चशिक्षा परिसरों में शिक्षकों की नियुक्तियों में योग्यता और अनुभव के बजाय एक खास विचारधारा से जुड़े होने को तरजीह देने के आरोप सामने आते रहे हैं। इस आरोप के जवाब में कहा जाता है कि पहले की सरकारें भी अपनी विचारधारा वालों को नियुक्त करती थीं, तो अब दूसरों की बारी आने पर किसी को एतराज नहीं होना चाहिए। शिक्षा जगत में आशा जताई जा रही है कि जिन लोगों को भिन्न विचारधारा का होने के कारण बीते वर्षों में अवसर नहीं मिले, इतनी बड़ी संख्या में विदेशी परिसरों के खुलने से उनकी लाटरी लग सकती है। नतीजा चाहे जो निकले, ईलीट शिक्षा के नए टापू बनने जा रहे हैं।

आमने

सामान खरीदते समय एक चीज जरूर देखिए- क्या उसमें हलाल सर्टिफिकेशन तो नहीं लिखा हुआ है? यानी हर वस्तु में हलाल सर्टिफिकेशन। हमने यूपी में इसे बैन किया है। मुझे लगता है कि यूपी में कोई उसे खरीदने या बेचने का दुस्साहस नहीं करेगा।

–**योगी आदित्यनाथ**
मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश

सामने

भारत एकता में विविधता पर विश्वास रखता है और जब तक यह विविधता बनी रहेगी, भारत मजबूत रहेगा। कोई भी हमेशा सत्ता में नहीं रहता। एक समय आएगा जब उन्हें सत्ता से हटा दिया जाएगा।

–**फारूख अब्दुल्ला**
अध्यक्ष, जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस

नवाचार की राह से ही बनेगा विकसित भारत

शिवालिक अवस्थी
लेखक

किसी भी देश का यही सपना होता है कि जितना संभव हो, उतना विकासात्मक कार्यों की प्रगति की जाए, ताकि देश का नाम शीर्ष पर रहे। इसके लिए उक्त देश हर क्षेत्र में विकास को गति प्रदान करने के लिए सदैव प्रयासरत रहते हैं। आजकल वैसे भी ज्यादातर देशों में एक-दूसरे से आगे बढ़ने की होड़ लगी हुई है। कोई देश आर्थिक रूप से सशक्त है, तो कोई विकास के क्षेत्र में अपनी पहचान वैश्विक स्तर पर बनाए हुए है। भारत देश भी समूचे विश्व में अपनी छवि विश्व गुरु के तौर पर सम्मिलित करने के लिए प्रयासरत है। इसके लिए भारत हर क्षेत्र में विकास के नए आयाम स्थापित करके आगे बढ़ने का प्रयत्न कर रहा है। विकसित भारत के निर्माण की नींव बहुत पहले ही रखी जा चुकी है। अब समय है तो विकसित भारत के सपने को साकार करने का। फिर चाहे बात स्वास्थ्य की हो, शिक्षा की हो, कृषि की हो या नई तकनीक के समावेश की हो। भारत को हर क्षेत्र में अब आगे बढ़ना है, जिसके लिए सरकार व समाज दोनों की महत्वपूर्ण भागीदारी सामने निकल कर आती है।

विकास दर तभी आगे बढ़ पाएगी, यदि विकास में नई योजनाओं की संलिप्तता बढ़ाई जाएगी। नई योजनाएं एवं नए विचारों के समावेश से विकास गति में तेजी लाई जा सकती है। आधुनिक निर्माण के लिए आधुनिक विचारों का प्रयोग अति आवश्यक है। उद्यमिता के क्षेत्र को गति प्रदान करना, आधुनिक निर्माण में एक बेहतर विकल्प के रूप में देखा जा सकता है। न केवल व्यावसायिक अपितु सामाजिक उद्यमिता का बढ़ता दायरा, विकास को बढ़ावा देने में कार्य कर सकता है। आजकल हर मंच से सिर्फ विकास की ही बात होती है। समय के साथ विकासात्मक आंकड़ों में सुधार भी हुआ है, लेकिन अभी भी कई पहलू हैं, जहां विकास मात खा रहा है।

केवल विकास-विकास कहने से विकास को गति नहीं मिलेगी, यह सभी को मालूम होना चाहिए। इसके लिए कई सुधारों की आवश्यकता है। नई योजनाओं का प्रयोग हर क्षेत्र में करना चाहिए, जिससे आधुनिक निर्माण को बल मिल सके। आज क्यों हम नई योजनाओं, नए प्रयोगों की बात कर रहे हैं? दरअसल, वीपो यानी विश्व बौद्धिक संपदा संगठन द्वारा हाल ही में वैश्विक नवाचार सूचकांक 2025 की रिपोर्ट विश्व भर में जारी की गई है, जिसमें विश्व भर की 139 अर्थव्यवस्थाओं की रिपोर्ट साझा की गई है। यह रिपोर्ट वीपो द्वारा हर वर्ष जारी की जाती है। किस देश की अर्थव्यवस्था किस दिशा जा रही है, यह सब इसमें दर्शाया जाता है। वैश्विक नवाचार सूचकांक से किसी भी देश की निर्भरता का पता चलता है कि कौन सा देश अन्य देशों पर अभी कितना निर्भर है। किस क्षेत्र में किस देश को सुधार करने की जरूरत है और कौन सा देश प्रगति के पथ पर निरंतर आगे बढ़ता नजर आने लगा है।

भारत की बात करें तो पिछले कुछ वर्षों से भारत ने निरंतर बढ़त बनाई हुई है। इस वर्ष भारत ने 38.2 स्कोर के साथ 38वां रैंक हासिल किया है। जो बीते वर्ष की तुलना में एक रैंक का उछाल है। बीते वर्ष भारत की रैंकिंग 39 आंकी गई थी। इस बार जीआईआई रैंकिंग में 66.0 स्कोर के साथ प्रथम स्थान पर स्विट्जरलैंड, 62.6 स्कोर के साथ दूसरे पर स्वीडन और 61.7 स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर अमरीका रहा है, जबकि 56.6 स्कोर के साथ चीन ने 10वां रैंक हासिल करके पहली दफा टॉप 10 में अपनी जगह बनाई है। आय समूह के आधार पर निम्न मध्य आय वाली अर्थव्यवस्थाओं की बात करें, तो भारत ने इसमें पहला स्थान प्राप्त किया है। एक ओर जहां 2020 में भारत का रैंक 48वां था, वहीं दूसरी ओर पिछले पांच वर्षों में भारत की रैंकिंग में 10 पायदान का भारी उछाल देखा गया है। इतना तो तय है कि नवाचार के क्षेत्र में भारत निरंतर आगे बढ़ता दिखाई दे रहा है।

अब बात करते हैं विभिन्न क्षेत्रों में भारत के प्रदर्शन की। बात करें उद्यमिता नीतियां और संस्कृति के क्षेत्र की, तो इसमें 12वां रैंक हासिल कर भारत ने बेहतर प्रदर्शन किया है। वैश्विक कॉर्पोरेट अनुसंधान एवं विकास निवेशक में 16वां रैंक, सकल पूंजी निर्माण में 14वां रैंक, स्टार्टअप और स्केलअप के लिए वित्त में 9वां रैंक, अंतिम चरण वेंचर कैपिटल सौदों की संख्या में चौथा रैंक, घरेलू बाजार पैमाने में तीसरा रैंक, आईसीटी सेवाओं का निर्यात में पहला रैंक, ज्ञान के प्रभाव में और यूनिकॉर्न मूल्यांकन में 11वां रैंक प्राप्त कर अपनी बेहतरीन शक्ति का प्रदर्शन किया है। यह कुछ वही क्षेत्र हैं जिनके आधार पर सभी देशों की गतिविधियां आंकी जाती हैं। मूलतः जीआईआई रिपोर्ट का मुख्य पहलू निवेश, तकनीकी और उसे अपनाने के स्तर के कार्य को दर्शाती है। यह किसी देश के सामाजिक व आर्थिक प्रभाव को भी दर्शाता है।

इस रिपोर्ट से किसी देश की निर्भरता का आंकलन किया जा सकता है। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा भी देश को आत्मनिर्भर बनाने का आह्वाहन किया गया। जो इसी दिशा की ओर इशारा करता है। प्रधानमंत्री ने साफ कहा कि हमारा कोई बड़ा दुश्मन नहीं है। यदि कोई दुश्मन है तो वह है दूसरे देशों पर हमारी निर्भरता। इसी निर्भरता को खत्म करके हमें आत्मनिर्भर बनना है और जीआईआई की रिपोर्ट एक हिसाब से आत्मनिर्भरता के प्रदर्शन को ही दर्शाती है, कहना गलत नहीं होगा।

विकास के लिए जरूरी है कि इसमें नई योजनाओं की संलिप्तता को बढ़ाया जाए। नवाचार के समावेश से विकास में तेजी लाई जा सकती है।

सोशल फोरम

फ्रेंच लेखक विक्टर ह्यूगो की बेटी की खामोशी

1850 में एक बरसात के दिन, न्यूयॉर्क पुलिस को एक युवती मिली जो खोई हुई और अस्त-व्यस्त लग रही थी। वह एक ऐसी भाषा बोल रही थी, जो उन्हें समझ नहीं आ रही थी। उसे अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में डॉक्टरों ने कहा कि वह अपनी याददाश्त खो चुकी है। कुछ वक्त बाद में, उन्हें पता चला कि वह लड़की कौन थी! वह लड़की थी एडेल ह्यूगो, प्रसिद्ध फ्रेंच लेखक विक्टर ह्यूगो की बेटी।

नॉलेज अड्डा
फेसबुक

एडेल की कहानी ने कई लोगों के दिलों को छू लिया। उसे अल्बर्ट पिंसन नाम के एक अंग्रेज सैनिक से प्यार हो गया था, लेकिन वह उससे प्यार नहीं करता था। फिर भी, वह उसके पीछे नोवा स्कोटिया तक गई। वहां, उस सैनिक ने उसका इस्तेमाल किया और उसे कुछ भी नहीं दिया। वह उन्हें छोड़कर चला गया। वह न्यूयॉर्क में अकेली और बिना किसी मदद के रह गईं।

जब उसे वापस फ्रांस भेजा गया, तो एडेल का दिल टूट गया और वह शर्म से भर गईं। अलबत्ता उनका कोई दोष नहीं था। उसने खुद से वादा किया कि वह फिर कभी नहीं बोलेगी। उसके पिता, विक्टर ह्यूगो ने उसके बोलने के लिए 35 साल तक लगातार कोशिश की। ह्यूगो के लिए यह बड़ा सदमा था, लेकिन वह कभी नहीं बोली।

1850 से लेकर 1915 में अपनी मृत्यु तक, 65 वर्षों तक एडेल लगातार चुप रहीं, ताकि वह स्वयं को याद दिलाती रहें कि उन्हें फिर कभी किसी से भी प्यार नहीं करना है।

सामयिकी

नकली दवा कारोबार को चाहिए 'सख्ती की दवाई'

दवा जीवन बचाती है, लेकिन देश में अब इसका जानलेवा कारोबार हो रहा है। जो बेहद घातक है। इससे लोगों के जीवन पर ही नहीं समाज और स्वास्थ्य व्यवस्था पर भी गंभीर खतरा मंडराने लगा है। नकली और अवैध दवाओं का धंधा संगठित अपराध, भ्रष्टाचार और आतंकवाद को भी बढ़ावा देता है। एक रिपोर्ट के अनुसार भारत दुनिया में नकली दवाओं के कारोबार में चौथे नंबर पर है। देश में बिकने वाली लगभग 25 फीसदी दवाएं नकली या घटिया हैं। कफ सिरप से बच्चों की मौत के बाद विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने भारत में बनी तीन मिलावटी दवाओं की पहचान की है। डब्ल्यूएचओ की जांच में पाया गया कि कोल्ड्रिफ सिरप में

विवेक सक्सेना
अयोध्या

एक जहरीला रसायन डायथिलीन ग्लाइकोल (डीईजी) बहुत अधिक मात्रा में मिला है।

डीईजी एक ऐसा केमिकल है, जो शरीर के लिए बेहद नुकसानदेह होता है। यह किडनी और लिवर को बुरी तरह प्रभावित कर सकता है और बच्चों के लिए यह जानलेवा साबित हो सकता है। कोल्ड्रिफ सिरप में इस रसायन की मात्रा 48 प्रतिशत से भी ज्यादा पाई गई, जबकि सुरक्षित मात्रा केवल 0.1 प्रतिशत तक होनी चाहिए। इसके अलावा दो और सिरप रेडनेक्स फार्मास्युटिकल्स की रेस्पिफ्रेश टीआर और फार्मा की रीलाइफ भी डब्ल्यूएचओ की चेतावनी में शामिल हैं।

ऐसे मामले 'दुनिया की फार्मेसी' के रूप में पहचान बनाने वाले भारत की प्रतिष्ठा भी धूमिल करते हैं। करीब 200 से अधिक देशों को किफायती दवाएं उपलब्ध कराकर भारत वैश्विक जेनेरिक दवा बाजार का अग्रणी खिलाड़ी है। पीएम जन औषधि योजना की सफलता में जेनेरिक दवाओं की अहम भूमिका है, लेकिन गुणवत्ता सुनिश्चित किए बिना ऐसी किफायती दवाएं राहत देने की जगह ऑफत बन जाती हैं। कफ सीरप से बच्चों की मौतें इस कड़वी सच्चाई को ही उजागर करती हैं कि भारत में सस्ती दवाएं तो उपलब्ध हुई हैं, पर उनकी गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

चंडीगढ़ स्थित पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च के डॉक्टरों ने 2024 के एक अध्ययन में यह स्पष्ट किया है कि असमान निर्माण मानक और कमजोर निगरानी परिणामों को कैसे प्रभावित करती है। दवा निर्माण के लिए भारत का केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ही व्यापक रूप से नियम निर्धारित करता है, पर कारखानों को लाइसेंस देना, इकाइयों का निरीक्षण करना, नमूनों के परीक्षण जैसी अधिकांश शक्तियां राज्य औषधि नियामक प्राधिकरणों (एसडीआरए) के पास हैं। निगरानी के लिए कुछ राज्यों के पास सुदृढ़ प्रयोगशालाएं और प्रशिक्षित निरीक्षक हैं, जबकि कई राज्यों में अत्यंत सीमित संसाधन हैं। निर्माता इसी का फायदा उठाते हैं।

भाटिया समिति (1954) से लेकर माशेलकर समिति (2003) ने यही सुझाया कि लाइसेंसिंग और गुणवत्ता नियंत्रण को एक राष्ट्रीय ढांचे के तहत लाया जाए, पर देश में आज तक इस पर पूरी तरह अमल नहीं हो पाया है। देश में कानूनों की कमी नहीं है। कमी है तो उन्हें ढंग से लागू करने की और जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह बनाने की। समय आ गया है कि भारत में सीडीएससीओ के तहत एक केंद्रीकृत लाइसेंसिंग और निरीक्षण प्रणाली बनाई जाए, जो प्रत्येक उत्पाद, परीक्षण और रिकाल को जोड़ने वाले राष्ट्रीय डिजिटल ड्रग रजिस्ट्रार द्वारा संचालित हो। सभी नई-पुरानी दवाओं के लिए सालाना परीक्षण भी अनिवार्य करना होगा। मानकों के अनुपालन और सजा के प्रविधान पूरे देश में एकसमान हों।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 1224, देवकाली रोड, निकट यश पेट्रोल पंप अयोध्या-224001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- विवेक सक्सेना***
05278-352045 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/84450, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अयोध्या होगा)।

हम इस समय एक ऐसे दौर में जी रहे हैं, जहां जीवन का बड़ा हिस्सा स्क्रीन पर घट रहा है। बातें, रिश्ते, राय, विरोध और यहां तक कि हंसी और दुख भी अब एक डिजिटल फॉर्मेट में फिट होकर चल रहे हैं। यह बदलाव अचानक नहीं आया, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में इसकी रफ्तार कुछ ऐसी रही कि अब यह नया सामान्य बन चुका है। इंटरनेट और स्मार्टफोन ने लोगों को अभिव्यक्ति के नए माध्यम दिए हैं, लेकिन उन माध्यमों की प्रकृति ने सोचने के तरीके को भी बदल दिया है। खासकर युवाओं के लिए आज दुनिया को देखने और समझने का जरिया अब ज्यादातर वही है, जो मोबाइल स्क्रीन पर दिखता है।

मीम-रील के कैदी लाइक्स-कमेंट्स के गुलाम

डॉ. शिवम भारद्वाज
मथुरा

रील्स-शॉर्ट्स ने इस पूरे दृश्य को और तेज कर दिया है। पहले जहां कोई बात कहने के लिए एक लेख, एक भाषण या एक लंबा वीडियो चाहिए होता था, अब 15-30 सेकेंड्स की छोटी सी वीडियो में सब कुछ समा सकता है-भाव, शैली, संगीत और संदर्भ। यह टुकड़ों में बंटा मनोरंजन अब विचार की जगह लेता जा रहा है, जो जितना छोटा है, उतना ही आकर्षक है। गहराई अब ध्यान खींचने में बाधा बन गई है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर लोग वही देखते हैं, जो उनके हिसाब से 'रिलेटेबल' हो यानी जो पहले से ही सोचा हुआ हो या जो देखकर सोचने की जरूरत न पड़े। यही वजह है कि रील्स अब विचार नहीं बनाते, बल्कि पुष्टि करते हैं। वही दिखाते हैं, जो पहले से लोकप्रिय है।

इसके साथ ही एक नया और चुपचाप बढ़ता हुआ असर यह है कि अब लोगों का आत्मसम्मान भी स्क्रीन से जुड़ गया है। पहले किसी बात पर गर्व या आत्मविश्वास निजी अनुभवों से आता था। अब वह लाइक्स, व्यूज और फॉलोअर्स की संख्या पर टिका हुआ दिखता है। कितनी बार किसी ने तारीफ की, कितने कमेंट्स आए, किस क्लिप को कितने लोगों ने शेयर किया। ये सब अब सिर्फ आंकड़े नहीं हैं, बल्कि व्यक्ति की डिजिटल पहचान का हिस्सा बन चुके हैं। इसमें जो नहीं है, वह कमजोर समझा जाता है, जो दिख नहीं रहा, उसका कोई मूल्य नहीं रह गया है। यह मानसिकता नजरअंदाज नहीं की जा सकती, क्योंकि धीरे-धीरे यह व्यक्तिगत पहचान और आत्ममूल्य के केंद्र में आ गई है।

इस पूरे बदलाव की दिशा में जो सबसे खास बात है, वह यह कि अब सोचने का तरीका अनुभव पर नहीं, बल्कि प्रस्तुति पर आधारित हो गया है, जो बेहतर तरीके से पेश किया गया, वही ज्यादा असर करता है। भले उसमें कितनी भी सतही बात क्यों न हो। पहले तर्क, प्रमाण और अनुभव से बात बनती थी, अब 'फॉर्मेट' ज्यादा असरदार हो गया है। मीम हो या रील, ओटीटी हो या इंस्टाग्राम पोस्ट सभी में यह साझा बात है कि 'क्या कहा गया' से ज्यादा जरूरी हो गया है 'कैसे कहा गया'।

मीम संस्कृति

मीम संस्कृति इसी बदलाव का एक स्पष्ट उदाहरण है। अब विचारों को लंबे वाक्यों में समझाना जरूरी नहीं रहा। एक तस्वीर, उस पर एक व्यंग्यात्मक लाइन और कुछ रंग-बिरंगे इमोजी, यही आज की बातचीत का नया फॉर्मेट है। यह शैली तेज है, सरल है और तुरंत असर करती है, लेकिन जिस रफ्तार से यह शैली पॉपुलर हुई है, उसी रफ्तार से गंभीरता और संदर्भ भी हाशिए पर चले गए हैं, जो बात पहले बहस का विषय होती थी, वो अब चुटकुला बनकर वायरल होती है। यही 'वायरल होना' अब किसी बात के प्रासंगिक होने की पहचान बन चुका है। युवाओं की सोच में यह बदलाव साफ देखा जा सकता है। मीम सिर्फ हंसी की चीज नहीं रह गया है, वह एक नजरिया बन चुका है। कुछ भी कहना हो, विरोध करना हो, समर्थन करना हो, सब कुछ अब मीम की शक्ल में आसानी से समझाया जाता है। यह सहजता कई बार उपयोगी भी होती है, लेकिन अक्सर बातों की जटिलता इस प्रक्रिया में गुम हो जाती है। समस्या यह नहीं कि हंसी आ रही है, असल बात यह है कि हंसी में जो कहना है, वो कितना सही समझा जा रहा है। बहुत बार यह हंसी कुछ नहीं कहती, सिर्फ अगला मीम देखने की इच्छा पैदा करती है।

ओटीटी प्लेटफॉर्म्स

इन सभी अनुभवों के बीच, ओटीटी प्लेटफॉर्म्स का उभार एक नई दिशा में असर डाल रहा है। फिल्मों और वेब सीरीज के जरिए अब दुनियाभर की कहानियां हर किसी की पहुंच में हैं। यह एक जबरदस्त सांस्कृतिक अवसर है। समाज के अलग-अलग हिस्सों, भाषाओं और सोच को समझने का मौका, लेकिन यह समझ तभी पनपती है, जब देखी गई चीजों पर ठहरकर सोचा जाए। अक्सर होता यह है कि वेब सीरीज की बिंज-वाचिंग करते हैं, किरदारों से प्रभावित होते हैं, लेकिन उनके विचारों की परतों में नहीं जाते। हम सिर्फ कहानी के प्रवाह में बहते हैं और फिर अगली कहानी पर शिफ्ट कर जाते हैं। इस तरह से जो कुछ देखा गया, वह भीतर कहीं ठहरता नहीं, बस गुजर जाता है।

सोचने का ढंग, समझने का तरीका

हमारे सोचने का ढंग, समझने का तरीका और संवेदनाओं की परतें धीरे-धीरे उसी रूप में ढल रही हैं, जिसे स्क्रीन पर दिखाया जा रहा है। यह बदलाव अचानक नहीं है, लेकिन अब इतना स्थिर हो चुका है कि हमें असुविधा महसूस नहीं होती। हम उसमें सहज हो चुके हैं। हंसी, नाराजगी, दुख, सहमति हर भाव अब डिजिटल फार्मेट में ढल चुका है। कोई बात मीम में आई तो मजेदार है, रील में आई तो आकर्षक है और ट्रेंडिंग में आई तो 'जरूरी' है। जो बात इन फॉर्मेट्स में फिट नहीं बैठती, वो नजर से भी फिसल जाती है।

भाषा शब्द कम और संकेत ज्यादा

हर पीढ़ी का एक अपना टेम्पो होता है, एक अपनी भाषा और अपना भ्रम। इस समय की भाषा में शब्द कम और संकेत ज्यादा हैं, जो कहा नहीं गया, वो अक्सर ज्यादा सुना जाता है और जो सचमुच कहा जाना चाहिए, वो अक्सर लोगों को रोचक नहीं लगता। इसलिए धीरे-धीरे किनारे हो जाता है। लोगों की प्रतिक्रियाएं पहले से ज्यादा तेज और तुरंत हो गई हैं, जो तेज है, वह प्रभावी है। यह धारणा बन चुकी है। इसी वजह से विचारों की लंबाई, अनुभव की गहराई और संवाद की प्रक्रिया अब बाधा जैसी लगती है। बहुत कुछ कहा जा रहा है, लेकिन कितनी देर के लिए सुना जा रहा है। इसका हिसाब रखना अब पुराना तरीका माना जाता है। यह सब बातें न अच्छी हैं, न बुरी-बस आज के समय की प्रकृति का हिस्सा हैं।

संस्मरण

चाय

एक दिन एक कार्यक्रम से लौट रहा था। दोपहर के दो बज गए थे। सूरज मानो आग उगल रहा था। गर्मी के मारे बुरा हाल था। मैं जल्दी से घर पहुंच जाना चाहता था। तभी मोटर साइकिल का पिछला पहिया हल्का-हल्का हिलने सा लगा। मैंने मोटर साइकिल खड़ी की। देखा मोटर साइकिल का पिछला पहिया पंक्चर हो गया था। मैंने चारों तरफ नजर दौड़ाई। दूर-दूर तक पंक्चर जोड़ने की कोई दुकान नहीं थी।

घर अभी दो किलोमीटर दूर रह गया था। मरता क्या न करता, मैं मोटर साइकिल को घसीटते हुए घर की ओर चल दिया। कुछ दूर चलने पर ही मेरा सारा शरीर पसीने से तर-बतर हो गया। अभी मैं आधा किलोमीटर दूर ही पहुंचा था कि मुझे सड़क के किनारे एक बड़े से छाते के नीचे एक पंक्चर जोड़ने वाला दिखाई दिया। मैंने राहत की सांस ली। उसके पास जाकर मैंने मोटर साइकिल खड़ी कर दी और उससे पंक्चर जोड़ने को कहा। उस समय उसके छाते के नीचे पड़े स्टूल पर एक लेडी बैठी हुई थी और वह तपती धूप में बैठा हुआ, उसकी स्कूटी का पंक्चर जोड़ रहा था। जब वह लेडी चली गई तो उसने मुझे छाते के नीचे बैठने के लिए कहा। मैं बैठ गया और वह अपने काम में लग गया। मैंने देखा कि उसकी उम्र साठ वर्ष के आसपास रही होगी। धूप के मारे उसके माथे से पसीना टपक रहा था।

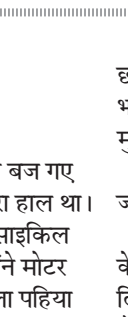

सुरेश बाबू मिश्रा
बरेली

मैंने उससे पूछा, "तुमने इतना बड़ा छाता लगा रखा है, मगर तुम्हें तो पूरे दिन धूप में ही काम करना पड़ता है।" "अगर मैं छाते के नीचे बैठा रहूंगा, तो मेरा और मेरे बच्चों का पेट कैसे भरेगा साहब। वह मेरी ओर देखते हुए बोला, उसके प्रश्न ने मुझे निरुत्तर कर दिया था।

वह अपने काम में लगा रहा और कुछ ही देर में उसने पंक्चर जोड़ दिया।

मैंने उसकी मजदूरी के पैसे देने के बाद उसे दस रुपये चाय के लिए देने चाहे, मगर उसने रुपये लेने से साफ इंकार कर दिया। वह बोला-"साहब! मैं केवल अपनी मेहनत के ही पैसे लेता हूं।" मैंने दस का नोट जेब में रख लिया और मोटर साइकिल स्टार्ट करने लगा। तभी वह मेरे पास आया और बोला-"साहब! मैं एक शर्त पर आपके रुपयों की चाय पी सकता हूं।"

"वह क्या?" मैंने उसकी ओर देखते हुए पूछा। "आपको भी मेरे साथ चाय पीनी पड़ेगी।" वह बोला। मैं मोटर साइकिल से नीचे उतर आया और उसे दस-दस के दो नोट देते हुए कहा-"ठीक है, जाओ दो चाय ले आओ।"

"नहीं साहब, एक की ही दो हो जाएंगी।" यह कहकर वह उनमें से एक नोट लेकर तीर की तरह चाय के खोखे की ओर दौड़ पड़ा।

थोड़ी देर में ही वह दो कपों में चाय ले आया। मैं स्टूल पर बैठकर उसके साथ चाय पीने लगा।

"एक बात कहूं साहब?" उसने मेरी ओर देखते हुए पूछा। "हां-हां कहो।" मैंने स्वीकृति में सिर हिला दिया। वह बोला-"आज मुद्दतों बाद आप जैसे किसी साहब ने मेरे साथ बैठकर चाय पी है। आपकी इस छोटी-सी बात ने मेरे दिल को कितनी बड़ी खुशी दी है, मैं बता नहीं सकता।" मैं हैरानी से उसके चेहरे की ओर देख रहा था।

एहसास

व्हील चेयर

एक लड़की थी। उसके मन में जीवन को मेरु शिखर तक ऊंचा उठा लेने का साहस और सामर्थ्य था। सीमित संसाधनों में उसने उपलब्धियों की छोटी सी चमकती मोती माला बना ली थी। इतना कि जितने में एक छोटी सी उम्र को मूल्यवान कहा जा सकता था। धरती पर जीवन इतना सरल होता तो दुःख और पीड़ा का कहीं कोई निशान न होता। मन में बस लक्ष्यों का ढेर होता और इंसान उन्हें चुटकियों में पा भी लेता। पर नहीं, जीवन इतना भी सहज और स्वाभाविक नहीं है। संघर्षों की लंबी श्रृंखलाओं का कंठहार है जिंदगी।

अंजलि ओझा
प्रतापगढ़

उस लड़की के जीवन ने उसे गर्त में ला पटका था। उसके स्वसिद्धि के सभी आयाम शून्य पर जा रुके थे। एक गहरा सूखा कुंआ था, उसके सामने अब। उसकी तमाम शैक्षिक प्राप्तियां धरी की धरी रह गईं थीं। कोई भी परीक्षा शरीर के बल पर ही पास की जा सकती है। शरीर के स्वास्थ्य से मस्तिष्क की चेतना में बढ़ोतरी होती है। उस लड़की के सारे सपने उसे उसी क्षण टूटे नजर आए, जब उसे पता चला कि उसकी बैकबोन ने उसका साथ छोड़ दिया है। उसकी स्पाइनल डिस्क में दबाव हो गया था।

अब किसके भरोसे वह बैठकर घंटों किताबों के अक्षर-अक्षर पर मनन करती? कैसे वह हाथ में कलम और कागज लेकर बैठती? कैसे वह अपने सपनों को उड़ान देती? कैसे अपने जकड़े हुए कदमों को चलना बताती? कैसे वह जमी हुई रक्तशिराओं को तरलता देती? कैसे अपनी अक्षमता को उपयोगी बनाती? अंधकार ही अंधकार था... स्वस्थ हो पाने की कोई आशा भी नहीं। बिस्तर पर पड़े-पड़े अब तो उसे इस भयंकर पीड़ा से जूझना था। बिना उफ किए, किंतु सहने की भी एक सीमा होती है, जिसके बाद शरीर और धैर्य दोनों मौन धर लेते हैं और कहते हैं "अब नहीं!" इतना ही चल सकते थे हम तुम्हारे साथ। अब तुम खुद चल सको तो चलो। वर्षों के मर्मांतक कष्ट से वह हार रही थी। उसकी धैर्य परिधि खत्म हो रही थी। वह कर सकती थी, पर नहीं कर पा रही थी। वह असहाय अनुभव करने लगी थी। निराशा, हताशा, दुःख और अवसाद की ओर खिसकती जा रही थी उसकी जिंदगी।

उसकी पूर्व चिकित्सक की दवाएं उसके दर्द का तृणमात्र भी इलाज नहीं कर पा रही थी। फिर किसी के सुझाव पर वह दूसरे नामी चिकित्सक के पास गई। वहां के प्रतीक्षालय में वह अपनी बारी का इंतजार कर रही थी। तभी उसने अपने सामने व्हील चेयर पर बैठी एक हमउम्र लड़की को देखा। उस व्हील चेयर वाली लड़की को देखकर उसके मन रोना हो आया। उसकी बगल की सीट पर उस व्हील चेयर वाली लड़की की मां बैठी हुई थी। उसने आदतन उनसे बात करनी शुरू कर दी। जब उसने पूछा, "आपकी बेटी को क्या हुआ है?" तो उत्तर मिला, " बैकबोन में दबाव है।" वह सन्न रह गई।

उसकी भी तो बैकबोन ही डैमेज थी। फिर उसने जानना चाहा, "क्या वह अपने पैर उठा पाती है?" उत्तर नहीं में मिला। उसकी मां ने बताया कि उसके पांव हिलते तक नहीं। वह शौच तक बिस्तर पर ही करती है। अब वह लड़की कुछ क्षण के लिए निःरक्त सी हो गई, जिसे काटो तो खून नहीं। उसने उस व्हील चेयर वाली लड़की को देखा फिर खुद को देखा। कितना अंतर था दोनों में। एक जैसा रोग, एक जैसी समस्या और वह अभी भी अपने कदमों से चल सकती है। उसकी दैनिक आवश्यकताओं के लिए किसी के सहारे की जरूरत नहीं है। वह अपने दर्द से लड़कर जिंदगी के कुछ कदम रख तो पा रही है। अभी वह व्हील चेयर से बहुत दूर है।

डॉक्टर ने कहा कि अगर ठीक होना चाहती हो तो पैदल चलो। रोओ, तड़पो, दर्द को चबाओ, पर चलो! नहीं तो ऐसे ही जकड़ जाओगी। घर आने के बाद उसे बार-बार व्हील चेयर पर बैठी निस्सहाय लड़की का चेहरा याद आ रहा था। उसने निश्चय किया कि वह इतनी अशक्त अभी नहीं होगी। व्हील चेयर उसका भाग्य नहीं है। उसे चलना है, दौड़ना है, उड़ना है। उसने साष्टांग हो ईश्वर को धन्यवाद किया कि कम से कम अभी उस पर इतनी तो कृपा उन्होंने बनाई हुई है कि संघर्ष करके ही सही वह कुछ कदम नाप सकती है।

अब उसके मन में आशा की एक घनी किरण आ बसी है कि वह एक दिन सबसे आगे होगी। उसका जीवन मेरु शिखर सा श्लाघ्य होगा। उसके हिस्से सफलताएं आएंगी। उसकी रुकी हुई जिंदगी एक दिन दौड़ पड़ेगी मिल्खा सिंह की तरह, फिर कभी न रुकने के लिए।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	84,211.88	25,795.15
गिरावट	344.52	96.25
प्रतिशत में	0.41	0.37

सोना 1,25,600 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,52,600 प्रति किलो

अमृत विचार

अयोध्या, शनिवार, 25 अक्टूबर 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

कर्नाटक : 27,600 करोड़ रुपये के 13 निवेश प्रस्ताव मंजूर

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई राज्य उच्चस्तरीय मंजूरी समिति की बैठक में 27,607.26 करोड़ रुपये के 13 निवेश प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। इन स्वीकृत परियोजनाओं से लगभग 8,704 प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने की उम्मीद है। राज्य के विशाल एवं मध्यम उद्योग मंत्री एम बी पाटिल ने कहा कि इनमें 11 नए और दो अतिरिक्त निवेश के प्रस्ताव हैं। प्रस्तावों में 27,228.51 करोड़ के नए निवेश शामिल हैं, जबकि विस्तार परियोजनाओं के लिए 378.75 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा।

टोल प्लाजा पर मासिक और वार्षिक पास की जानकारी होगी प्रदर्शित

नई दिल्ली। एनएचएआई ने कहा कि मासिक और वार्षिक टोल पास के बारे में राष्ट्रीय राजमार्ग उपयोगकर्ताओं को जानकारी देने के लिए टोल प्लाजा पर सूचना प्रदर्शित की जाएगी। एनएचएआई ने कहा कि उसने अपने क्षेत्रीय कार्यालयों को निर्देश जारी किए हैं कि वे अपने अधिकार क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्गों पर स्थित सभी टोल प्लाजा पर इन 'टोल पास' के बारे में विस्तृत जानकारी प्रमुखता से प्रदर्शित करें। उद्देश्य यह है कि उपयोगकर्ताओं को स्थानीय मासिक और वार्षिक 'पास' सुविधा की उपलब्धता, दरों और प्रक्रियाओं के बारे में उचित जानकारी हो।

अतिरिक्त एजीआर मांग रद्द करने की याचिका पर सुनवाई 27 को

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट सोमवार को दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया लिमिटेड की उस याचिका पर सुनवाई करेगा, जिसमें 2016-17 तक के लिए दूरसंचार विभाग द्वारा मांगे गए एजीआर को रद्द करने का अनुरोध किया गया है। एजीआर वह आय है, जिसका उपयोग लाइसेंस शुल्क और स्पेक्ट्रम शुल्क की गणना के लिए किया जाता है। इसे दूरसंचार कंपनियों की ओर से देय होता है। वेबसाइट के मुताबिक सीजेआई बीआर गवई, न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन, न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ इस याचिका पर सुनवाई करेगी।

ब्रिटेन-जर्मनी को छूट तो भारत पर निशाना क्यों

गोयल ने अमेरिकी प्रतिबंधों पर उठाया सवाल, कहा- दबाव में आकर व्यापार समझौता नहीं करेगा भारत

बर्लिन/नई दिल्ली, एजेंसी

रूस से तेल खरीद बंद करने के लिए बढ़ते अमेरिकी दबाव के बीच वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को जर्मनी में आयोजित एक कार्यक्रम में सवाल उठाते हुए कहा कि अमेरिकी प्रतिबंधों से ब्रिटेन को छूट मिल गई है, अब जर्मनी भी छूट मांग रहा है तो फिर भारत को ही क्यों निशाना बनाया जा रहा है। गोयल ने साफ किया कि भारत जल्दबाजी या किसी तरह के दबाव में आकर व्यापार समझौते नहीं करता है।

गोयल ने जर्मनी में आयोजित 'बर्लिन संवाद' में कहा, भारत की यूरोपीय संघ सहित विभिन्न देशों एवं समूहों के साथ व्यापार समझौतों पर सक्रिय रूप से बातचीत जारी है। हम अमेरिका से भी बात कर रहे हैं लेकिन हम जल्दबाजी में कोई समझौता नहीं करते और न ही कोई समयसीमा तय करके या फिर किसी तरह के दबाव में आकर कोई समझौता करते हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री इस संवाद कार्यक्रम में शिरकत करने के लिए बर्लिन में हैं। यह द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए नेताओं और जर्मन व्यवसायों की एक बैठक है। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि किसी भी व्यापार समझौते को दीर्घकालिक दृष्टिकोण से देखा जाना चाहिए।

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को बर्लिन संवाद में भारत का पक्ष रखा।

गोयल ने कहा कि भारत कभी भी जल्दबाजी या उकसावे में आकर कोई निर्णय नहीं लेता है। इसके साथ उन्होंने कहा कि भारत अमेरिका में लगाए गए उच्च सीमा शुल्क से निपटने के लिए नए बाजारों की तलाश कर रहा है।

भारत के साथ दीर्घकालिक निष्पक्ष व्यापार समझौता शर्तों पर किए जाने के सवाल पर गोयल ने कहा, मुझे नहीं लगता कि भारत ने कभी भी राष्ट्रीय हित के अलावा किसी अन्य आधार पर यह निर्णय लिया है कि उसके मित्र कौन होंगे। यदि कोई मुझसे कहता है कि आप यूरोपीय संघ के मित्र नहीं हो सकते, तो मैं इसे स्वीकार नहीं करूंगा या कोई कल मुझसे कहता है कि मैं केन्या के साथ काम नहीं कर सकता, तो यह भी स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि किसी देश से कोई भी विशेष उत्पाद खरीदने का निर्णय पूरी दुनिया का होगा। गोयल ने आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा, मैं आज के अखबार में पढ़ रहा था कि जर्मनी तेल पर अमेरिकी प्रतिबंधों से छूट मांग रहा है, ब्रिटेन ने पहले ही अमेरिका से तेल खरीदने के लिए छूट हासिल करने का तरीका तलाश लिया है या शायद उसे छूट मिल भी गई है तो फिर भारत को ही क्यों निशाना बनाया जा रहा है।

अधिकारियों ने किया दावा- कोई नया मुद्दा बाधा नहीं व्यापार समझौते के बेहद करीब हैं भारत-अमेरिकी

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) को अंतिम रूप देने के 'बेहद करीब' हैं, क्योंकि दोनों पक्ष अधिकांश मुद्दों पर सहमति की तरफ बढ़ रहे हैं। एक अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते के प्रावधानों और शर्तों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। उन्होंने कहा, जहां तक अमेरिका के साथ समझौते की बात है तो हम इसे अंतिम रूप देने के बेहद करीब हैं। अधिकारी ने कहा, समाधान के लिए अब अधिक मसले नहीं बचे हैं। समझौते पर बातचीत प्रगति पर है और अब कोई नया मुद्दा वार्ताओं में बाधा नहीं बन रहा है। उन्होंने कहा, हम अधिकांश मुद्दों पर सहमति की तरफ कदम बढ़ा रहे हैं। अमेरिका और भारत के बीच इस द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण के लिए अब तक पांच दौर की बातचीत पूरी हो चुकी है।

छह दिन बाद गिरा शेयर बाजार सेंसेक्स 344 अंक फिसला

मुंबई, एजेंसी

विदेशी पूंजी की निकासी और बैंकों एवं एफएमसीजी शेयरों में मुनाफावसूली के बीच घरेलू शेयर बाजार लगातार छह कारोबारी सत्रों की तेजी के बाद शुक्रवार को गिरावट के साथ बंद हुए।

बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 344.52 अंक यानी 0.41 प्रतिशत गिरकर 84,211.88 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 599.25 अंक की गिरावट के साथ 83,957.15 अंक पर आ गया था। एनएसई का मानक सूचकांक निफ्टी 96.25 अंक यानी 0.37 प्रतिशत की गिरावट के साथ 25,795.15 अंक पर बंद हुआ। इसके 50 में से 34 शेयरों में गिरावट रही। सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर में सर्वाधिक 3.20 प्रतिशत की गिरावट आई। अल्ट्राटेक सीमेंट, कोटक महिंद्रा बैंक, अदाणी पोर्ट्स, टाइटन, एचडीएफसी बैंक और एक्सिस बैंक के शेयरों में गिरावट रही।

● विदेशी पूंजी निकासी और मुनाफा वसूली बनी गिरावट का कारण

आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और सन फार्मा के शेयर लाभ में रहे। घरेलू शेयर बाजार लगातार छह सत्रों की तेजी के बाद नुकसान में रहे। इसके पीछे ऊंचे स्तरों पर मुनाफावसूली हावी होने के अलावा अमेरिका के साथ व्यापार समझौते को लेकर वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल की टिप्पणी का भी हाथ रहा। गोयल ने जर्मनी में कहा कि भारत जल्दबाजी में सौदे नहीं करता है और न ही दबाव में आकर समझौते करता है।

विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ा, स्वर्ण भंडार 6.18 अरब डॉलर उछला

मुंबई। स्वर्ण भंडार में बड़े उछाल के कारण देश का विदेशी मुद्रा भंडार 17 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में 4.496 अरब डॉलर बढ़कर 702.28 अरब डॉलर पर पहुंच गया।

रिजर्व बैंक की ओर से जारी आंकड़े के अनुसार, इस सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का दूसरा सबसे बड़ा घटक स्वर्ण भंडार 6.181 अरब डॉलर की रिकॉर्ड वृद्धि के साथ 108.546 अरब डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। स्वर्ण भंडार लगातार आठवें सप्ताह बढ़ा है। कुछ समय से सोने की कीमतों में जारी तेजी और केंद्रीय बैंक के सोना खरीदने से भंडार लगातार बढ़ रहा है। वहीं, 17 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 1.692 अरब डॉलर घटकर 570.411 अरब डॉलर रह गई। इसमें अमेरिकी डॉलर के अलावा ब्रिटिश पाउंड, जापानी येन और यूरो शामिल हैं।

● विदेशी मुद्रा भंडार में सर्वकालिक रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा भारत

डॉलर को छोड़कर अन्य मुद्राओं का मूल्य डॉलर के मुकाबले उनके विनिमय दर से तय होता है। अन्य घटकों में विशेष आहरण अधिकार 3.8 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.722 अरब डॉलर और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास आरक्षित निधि तीन करोड़ डॉलर घटकर 4.602 अरब डॉलर पर रही। विदेशी मुद्रा भंडार के मामले में भारत की स्थिति इस समय काफी मजबूत है।

जीएसटी अधिकारी ईमानदार करदाताओं के साथ विनम्र और सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार करें

गाजियाबाद, एजेंसी

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को कहा कि जीएसटी अधिकारियों को ईमानदार करदाताओं के साथ विनम्र एवं सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार करना चाहिए। गाजियाबाद में सीजीएसटी भवन के उद्घाटन के अवसर पर सीतारमण ने कर अधिकारियों से तेजी से पंजीकरण मंजूरी एवं शिकायत निवारण के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करने और क्षेत्रीय इकाइयों से सक्रिय रूप से व्यापार करने में सुगमता लाने का भी आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि ऐसा करने से केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) स्पष्ट संदेश देगा कि कदाचार, कर्तव्य की उपेक्षा या अनैतिक व्यवहार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वित्त मंत्री ने कहा, आपके और व्यापारी के बीच कोई लोहे की दीवार नहीं है, बस हवा का एक झोंका है। आप समझ सकते हैं कि समस्या कहां है, बजाय इसके कि उसे और उलझाएं। उन्होंने कहा कि जीएसटी अधिकारियों को ईमानदार करदाताओं के साथ व्यवहार करते समय अधिक सहानुभूति एवं शिष्टाचार दिखाना चाहिए और उन्हें यह एहसास दिलाना चाहिए कि अगली पीढ़ी के जीएसटी के तहत उनके साथ सम्मानजनक व्यवहार किया जा रहा है।

● गाजियाबाद में सीजीएसटी भवन के उद्घाटन के बाद बोलीं वित्तमंत्री

मंत्री ने कहा, अगर करदाताओं में कुछ लोग बुरे लोग हैं तो उन्हें पकड़ने के लिए नियमों का पालन करें लेकिन हर किसी को संदेह की नजर से न देखें। केंद्रीय मंत्री ने कहा, यह महत्वपूर्ण है कि आप विनम्र बने रहें। अगली पीढ़ी का जीएसटी केवल दरों, श्रेणियों, सरलीकरण के बारे में नहीं है। इससे करदाता को बेहतर महसूस होना चाहिए।

दूसरी तिमाही में रियल्टी क्षेत्र को पूंजी बाजार से मिला 1.15 अरब डॉलर का वित्तपोषण

नई दिल्ली। इस साल जुलाई-सितंबर के दौरान भारतीय रियल एस्टेट क्षेत्र में पूंजी बाजार के जरिए वित्तपोषण पिछली तिमाही के मुकाबले दोगुने से अधिक होकर 1.15 अरब डॉलर हो गया। ग्रांट थॉर्नटन भारत की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

रियल एस्टेट क्षेत्र में जुलाई-सितंबर तिमाही के दौरान तीन श्रेणियों- विलय एवं अधिग्रहण, निजी इक्विटी और पूंजी बाजार में 42 सौदे हुए, जिनका मूल्य 2.85 अरब डॉलर था। रिपोर्ट कहती है कि दूसरी तिमाही में 84.3 करोड़ डॉलर के 21 विलय एवं अधिग्रहण सौदे हुए, इससे पिछली तिमाही में 19.5 करोड़ डॉलर के छह सौदे हुए थे। सितंबर तिमाही में निजी इक्विटी गतिविधियों में जोरदार उछाल आया और 85.9 करोड़ डॉलर के 12 सौदे हुए, जबकि इससे पिछली तिमाही में कुल 58 करोड़ डॉलर मूल्य के सात सौदे हुए थे।

हरियाणा सरकार ने कर्मचारियों का महंगाई भत्ता बढ़ाकर किया 58 प्रतिशत

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने अपने कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को देय महंगाई भत्ते (डीए) एवं महंगाई राहत (डीआर) को मौजूदा 55 प्रतिशत से बढ़ाकर 58 प्रतिशत करने की शुक्रवार को घोषणा की। सातवें वेतन आयोग की संरचना के अनुसार वेतन और पेंशन या पारिवारिक पेंशन प्राप्त करने वालों को अब एक जुलाई 2025 से मूल वेतन एवं पेंशन के मौजूदा 55 प्रतिशत से बढ़ाकर 58 प्रतिशत की दर से डीए और डीआर मिलेगा। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी द्वारा जारी पत्र के अनुसार, डीए एवं डीआर की बढ़ी हुई दर का भुगतान अक्टूबर माह के वेतन और पेंशन के साथ किया जाएगा। जुलाई से सितंबर माह के 'एरियर' (बकाया) का भुगतान नवंबर में किया जाएगा।

राष्ट्रीय

नीतीश कुमार के नेतृत्व में इस चुनाव में सभी रिकॉर्ड तोड़ेगा राजग: मोदी

प्रधानमंत्री ने तीखे हमले के साथ की बिहार में अपने चुनाव अभियान की शुरुआत

समस्तीपुर/बेगूसराय, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को बिहार में अपने चुनावी अभियान का आगाज करते हुए महागठबंधन पर तीखा हमला बोला और इसे 'महालठबंधन' करार दिया। यह भी कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन पिछले सभी चुनावी रिकॉर्ड तोड़ देगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने बिहार विधानसभा चुनाव का कार्यक्रम घोषित होने के बाद शुक्रवार को अपनी पहली जनसभा समस्तीपुर में की। इसके बाद उन्होंने बेगूसराय में भी एक जनसभा को संबोधित किया। बिहार में महागठबंधन के नाम से जाने जाने वाले विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन पर कटाक्ष करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने इसे महालठबंधन करार दिया। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि 'इंडिया' गठबंधन के दो सबसे बड़े घटक दल राजद और कांग्रेस के नेता सबसे भ्रष्ट और जमानत पर छूटे हुए लोग हैं और दशकों से सत्ता से बाहर रहने के बावजूद वे इतने अहंकारी हैं कि वे झारखंड मुक्ति मोर्चा जैसे गठबंधन सहयोगियों को नजरअंदाज कर रहे हैं और विकासशील इंसान पार्टी को धोखा दे रहे हैं।

बेगूसराय की चुनावी सभा में मोदी।

मोदी ने कहा कि वीआईपी को सीटों में उचित हिस्सा नहीं मिला, लेकिन उसके संस्थापक मुकेश सहनी को उपमुख्यमंत्री का पद देने का वादा किया गया है। महागठबंधन की ओर से मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव पर परोक्ष तौर पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, बिहार के लोग उन लोगों पर भरोसा नहीं कर सकते जो जमानत पर छूटे हुए लोग हैं। तेजस्वी यादव का नाम उनके पिता एवं राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद के साथ नौकरी के लिए जमीन घोटाले में आया है। मोदी ने दोनों जनसभाओं में मौजूद लोगों से अपने मोबाइल फोन की लाइट जलाने को कहा और फिर राजद पर कटाक्ष करते हुए कहा, जब सभी लोगों के पास ऐसे आधुनिक उपकरण उपलब्ध हैं तो लालटेन की कोई जरूरत नहीं है। प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि राजग सरकार का जोर बिहार में निवेश बढ़ाने पर है।

राजद की हार के बाद मनाएंगे असली दिवाली: शाह

सीवान। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि बिहार में असली दिवाली 14 नवंबर को तब मनाई जाएगी, जब राजद और उसके सहयोगी दल विधानसभा चुनावों में करारी हार का सामना करेंगे। सीवान में एक जनसभा को संबोधित करते हुए शाह ने लालू यादव नीत पार्टी पर जमकर निशाना साधा। कहा, राजद ने माफिया से नेता बने मोहम्मद शहाबुद्दीन के बेटे ओसामा शहाब को रघुनाथपुर सीट से उम्मीदवार बनाकर साबित कर दिया है कि वह फिर से 'जंगलराज' लौटाना चाहता है। शाह ने कहा, सीवान की जनता को सुनिश्चित करना चाहिए कि शहाबुद्दीन के बेटे की चुनाव में करारी हार हो। लालू-राबड़ी के जंगलराज को जनता ने 20 साल तक भुगता है। मुझे विश्वास है कि 14 नवंबर को जब चुनाव परिणाम आएंगे, तब बिहार की जनता असली दिवाली मनाएगी।

तमिलनाडु में अगले सप्ताह से शुरू होगा एसआईआर: आयोग

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा के वर्ष 2026 में होने वाले चुनावों से पहले मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया अगले सप्ताह से आरंभ होगी। भारत चुनाव आयोग ने यह जानकारी गुरुवार को मद्रास हाईकोर्ट को दी।

आयोग ने बताया कि यह प्रक्रिया चुनावों से पूर्व मतदाता सूची को अद्यतन करने के लिए पूरे देश में वार्षिक पुनरीक्षण कार्यक्रम का हिस्सा है। यह जानकारी हाईकोर्ट में उस याचिका की सुनवाई के दौरान दी गई, जिसे अन्नाद्रमुक के पूर्व विधायक सत्यनारायणन ने दायर किया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि चेन्नई के टी. नगर में द्रमुक के लगभग 13,000 अन्नाद्रमुक समर्थकों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं।

पति और उसकी मां के लिए अपशब्द लिखने वाली रेलवे अफसर की तलाक के खिलाफ अपील खारिज

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली हाईकोर्ट ने तलाक मंजूर करने के परिवार न्यायालय के निर्णय के खिलाफ रेलवे की उस ए क्लास महिला अफसर की अपील खारिज कर दी जिसने पति को कमीना और कुतिया का बेटा जैसे संदेश भेजे गए थे। कोर्ट ने कहा है कि पति के अधिकार पर सवाल उठाना और उसकी मां के खिलाफ निंदनीय आरोप लगाना मानसिक क्रूरता है, जो तलाक का आधार है।

हाईकोर्ट ने परिवार अदालत के तलाक आदेश को बरकरार रखते हुए कहा कि अपमानजनक भाषा का प्रयोग, शारीरिक हिंसा और सामाजिक अलगाव समेत महिला का क्रूरतापूर्ण कृत्य अपने आप में विवाह विच्छेद के लिए पर्याप्त आधार हैं। न्यायमूर्ति अनिल क्षेत्रपाल और न्यायमूर्ति हरीश वैद्यनाथन शंकर की पीठ ने 17 अक्टूबर को पारित अपने फैसले में कहा, महिला ने पुरुष को घृणित, अपमानजनक और निंदनीय संदेश भेजे, जिसमें उसके अधिकार पर सवाल उठाना और उसकी मां के खिलाफ निंदनीय आरोप लगाना शामिल था। अदालत ने कहा, ऐसे संदेश जिनमें कमीना, कुतिया का बेटा जैसे शब्द इस्तेमाल किए गए और कहा गया कि उसकी मां को वेश्यावृत्ति करके कमाई करनी चाहिए, अपने आप में सबसे गंभीर प्रकार की मानसिक क्रूरता है।

● हाईकोर्ट ने कहा- पति के अधिकार पर सवाल उठाना, उसकी मां पर निंदनीय आरोप लगाना क्रूरता

बोली- मेरे साथ हुई क्रूरता

हाईकोर्ट ने यह आदेश महिला द्वारा दायर अपील पर पारित किया, जिसमें दावा किया गया था कि परिवार अदालत ने उसके साथ हुई क्रूरता पर विचार नहीं किया तथा पति को गलत तरीके से तलाक दे दिया। महिला भारतीय रेलवे यातायात सेवा की ग्रुप ए अधिकारी है और पुरुष पेशे से वकील है। दोनों ने जनवरी 2010 में विवाह किया था और मार्च 2011 में वे अलग हो गए। यह दोनों की दूसरी शादी थी। परिवार अदालत ने पति के पक्ष में उसकी अलग रह रही पत्नी द्वारा की गई क्रूरता के आधार पर 2023 में तलाक का आदेश दे दिया।

पनामा में रोबोटिक्स ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले छात्र सम्मानित

बेंगलुरु। दिव्याश्री ने स्टेम एजुकेशन ट्रस्ट और द इनोवेशन स्टोरी के सहयोग से रेवा विश्वविद्यालय के साथ बेंगलुरु स्थित एक सरकारी स्कूल के पांच उन छात्रों को सम्मानित किया जो पनामा में आयोजित होने वाले प्रतिष्ठित फर्स्ट ग्लोबल चैलेंज 'रोबोटिक्स ओलंपिक 2025' में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। भारत के नवप्रवर्तन पारिस्थितिकी तंत्र के लिए इसे एक गौरवपूर्ण क्षण बताया गया।

सम्मान समारोह रेवा विश्वविद्यालय में आयोजित किया गया जहां सरकारी हाई स्कूल मल्लेश्वरम के छात्र अर्जुन के राज (रोबोट सीएडी डिजाइनर), जीएन चंदन राज (इलेक्ट्रॉनिक्स प्रमुख), गौरेश के (रोबोट प्रोग्रामर), निंगराज (मैकेनिकल प्रमुख) और परशुराम एम (रोबोट चालक) ने अपने रोबोट का प्रदर्शन किया। रेवा विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. पी श्यामा राजू ने युवा नवप्रवर्तकों की सराहना की। इंडिया कोटिएंट के जनरल पार्टनर गगन गोयल ने नवाचार के तीन पी - प्रेरणा, धैर्य और दृढ़ता पर विचार साझा किए। द इनोवेशन स्टोरी की संस्थापक मीनल मजूमदार ने छात्रों को जिज्ञासा और रचनात्मकता के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

● रेवा विश्वविद्यालय दिव्याश्री और रेवा विश्वविद्यालय ने किया सम्मान

छात्रों ने अपने रोबोट का भी प्रदर्शन किया, जो इको इक्विलिब्रियम चुनौती में प्रतिस्पर्धा करेगा। यह वैश्विक कार्यक्रम 190 से अधिक देशों के युवा नवप्रवर्तकों को एक साथ लाता है, जो समस्या-समाधानकर्ताओं और परिवर्तनकर्ताओं की अगली पीढ़ी को सशक्त बनाता है। कार्यक्रम में एफसीजी टीम इंडिया के संरक्षक अखिल अरुण मेनन और संकाय सदस्यों तथा रेवा विश्वविद्यालय के कर्मचारियों ने भी भाग लिया।

लेह हिंसा की न्यायिक जांच आज से शुरू होगी

लेह/जम्मू। लेह में 24 सितंबर को हुई हिंसक झड़पों की न्यायिक जांच शनिवार से शुरू होगी और इस दौरान पीड़ितों को जांच पैनल के सदस्यों के समक्ष अपनी गवाही दर्ज कराने के लिए आमंत्रित किया जाएगा। केंद्र ने लेह में हुई हिंसक झड़पों की उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में न्यायिक जांच कराए जाने की 17 अक्टूबर को घोषणा की थी। यह लद्दाख के प्रदर्शनकारी समूहों की एक प्रमुख मांग थी। लेह में हुई इस झड़प में 1999 के करगिल युद्ध में हिस्सा लेने वाले एक पूर्व सैनिक सहित चार लोगों की जान चली गई थी। विधि एवं न्याय विभाग के सलाहकार कुरैशी तारिक महमूद द्वारा शुक्रवार को जारी एक आदेश में कहा गया, लेह शहर में हुई 24 सितंबर की घटना की न्यायिक जांच 25 अक्टूबर से 28 अक्टूबर तक लेह के मेलोंगथांग स्थित वैकल्पिक विवाद निवारण केंद्र में होगी।

पुलिसकर्मी ने किया बलात्कार, हाथ पर सुसाइड नोट लिख सरकारी डॉक्टर ने की आत्महत्या

सतारा। महाराष्ट्र के सतारा जिले में एक सरकारी अस्पताल में कार्यरत महिला चिकित्सक ने फंदे पर लटककर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि महिला चिकित्सक ने अपनी हथेली पर एक 'सुसाइड नोट' छोड़ा है, जिसमें उसने एक पुलिसकर्मी पर बलात्कार और मानसिक उत्पीड़न का आरोप लगाया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने घटना का संज्ञान लेते हुए सतारा के एसपी तुषार दोशी से फोन पर बात की और आरोपी पुलिस उपनिरीक्षक को तत्काल बर्खास्त करने का आदेश दिया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि बीड जिले से ताल्लुक रखने वाली 28 वर्षीय महिला चिकित्सक फलटण तहसील के एक सरकारी अस्पताल में काम करती थीं। महिला चिकित्सक का शव बृहस्पतिवार देर रात फलटण में एक होटल के कमरे में फांसी के फंदे से लटकता हुआ मिला। पुलिस के अनुसार, महिला चिकित्सक ने अपनी हथेली पर लिखे 'सुसाइड नोट' में आरोप लगाया है कि पिछले पांच महीनों में सतारा के एक पुलिस उपनिरीक्षक ने उसके साथ कई बार बलात्कार किया, जबकि एक अन्य व्यक्ति उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहा था। पुलिस ने बताया कि सुसाइड नोट में महिला चिकित्सक ने लिखा है कि उपनिरीक्षक गोपाल बदाने ने उसके साथ कई बार बलात्कार किया, जबकि पेशे से सॉफ्टवेयर इंजीनियर प्रशांत बनकर ने उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित किया।

मोदी बताएं, 65% आरक्षण का प्रावधान नौवीं अनुसूची में क्यों नहीं डाला: कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बिहार दौरे से पहले शुक्रवार को कहा कि उन्हें यह बताना चाहिए कि पिछड़ों, अति पिछड़ों, दलितों और आदिवासियों के लिए 65 प्रतिशत आरक्षण के प्रावधान को संविधान की नौवीं अनुसूची में क्यों नहीं डाला गया। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, प्रधानमंत्री आज कर्पूरी ठाकुर जी के गांव जा रहे हैं। उनके लिए तीन सीधे सवाल हैं। उन्होंने कहा, कर्पूरी ठाकुर जी ने 1978 में पिछड़ों को 26 प्रतिशत आरक्षण देकर सामाजिक न्याय की ऐतिहासिक नींव रखी थी। क्या यह सही नहीं है कि आपकी पार्टी के वैचारिक पूर्वज जनसंघ और आरएसएस ने उनकी आरक्षण नीति का खुलकर विरोध किया था। क्या उस समय जनसंघ-आरएसएस ने सड़कों पर कर्पूरी ठाकुर जी के खिलाफ अपमानजनक और घृणा से भरे नारे नहीं लगाए थे क्या उस दौर में जनसंघ-आरएसएस खेमे के प्रमुख नेताओं ने कर्पूरी ठाकुर सरकार को अस्थिर करने और गिराने में अहम भूमिका नहीं निभाई थी। कांग्रेस नेता ने सवाल किया, क्या प्रधानमंत्री आज उस ऐतिहासिक गलती के लिए अपने वैचारिक पूर्वजों - जनसंघ और आरएसएस की ओर से माफ़ी मांगेंगे।

भाजपा ने नीतीश को हाईजैक किया, राजग जीती तो नहीं बनेंगे मुख्यमंत्री: तेजस्वी

पटना। राजद के नेता और महागठबंधन की तरफ से मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव ने शुक्रवार को भाजपा पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को हाईजैक कर लेने का आरोप लगाया और दावा किया कि अगर बिहार में एक बार फिर राजग की सरकार बनी, तो नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री नहीं बनाया जाएगा।

सहरसा जिले के सिमरी बख्तियारपुर में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए तेजस्वी ने यह भी कहा कि विपक्षी गठबंधन की सरकार बनने पर मुकेश सहनी के अलावा अन्य समाज और धर्म के लोगों को भी उप मुख्यमंत्री का दायित्व सौंपा जाएगा तथा इस बारे में जल्द घोषणा की जाएगी। राजद नेता ने दावा किया, अमित शाह पहले ही कह चुके हैं कि चुनाव के बाद विधायक तय करेंगे कि मुख्यमंत्री कौन बनेगा। स्पष्ट हो गया है कि अगर राजग को सत्ता मिली तो नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री नहीं बनाया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि नीतीश कुमार को भाजपा ने हाइजैक कर लिया है और गुजरात के दो लोग संकेत रूप में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह बिहार चला रहे हैं।

भारत की गर्जना...

अहमदाबाद। भारतीय वायु सेना (आईएएफ) की सूर्य किरण एरोबैटिक टीम (एसकेएटी) शुक्रवार को गुजरात के मेहसाणा में हवाई अड्डे के ऊपर युद्धाभ्यास करती हुई।

अमेरिका-रूस के बीच विवाद

अमेरिका और रूस के बीच तनाव एक पुरानी समस्या है, जो हाल के वर्षों में और भी बढ़ गई है। यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद से अमेरिका और उसके सहयोगी देशों ने रूस पर कई आर्थिक प्रतिबंध लगाए हैं। जिनमें रूस के तेल और गैस क्षेत्र को निशाना बनाना शामिल है। हाल ही में, अमेरिका ने रूस की दो बड़ी तेल कंपनियों, रोसनेफ्ट और लुकोइल पर प्रतिबंध लगाए हैं। अमेरिका चाहता है कि भारत भी रूस से तेल खरीदना बंद कर दे और उसके साथ व्यापारिक संबंधों को सीमित करे।

भारत का यह कहना है : भारत सरकार ने कहा है कि उसकी ऊर्जा नीति बाजार की जरूरतों और राष्ट्रीय हितों पर आधारित है। भारत ने अमेरिका को आश्वस्त किया है कि उसके साथ द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन वह अपनी ऊर्जा सुरक्षा के हितों को भी ध्यान में रखेगा।

भारत के लिए चुनौतियां

अमेरिका को क्या फायदा होगा?

अगर भारत रूस से तेल खरीदना बंद कर देता है, तो अमेरिका को कई फायदे होंगे। रूस की अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ेगा, जिससे वह यूक्रेन में अपने सैन्य अभियान को जारी रखने में मुश्किलों का सामना करेगा। अमेरिका को अपने ऊर्जा बाजार को मजबूत करने में मदद मिलेगी, जिससे उसकी ऊर्जा सुरक्षा बढ़ेगी। भारत-अमेरिका के बीच द्विपक्षीय संबंधों में सुधार होगा, जिससे दोनों देशों के बीच व्यापार और सुरक्षा सहयोग बढ़ेगा।

रूस की सख्त प्रतिक्रिया

प्रतिबंधों को लेकर रूस की प्रतिक्रिया बहुत ही सख्त और आत्मविश्वास से भरी हुई है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अमेरिकी प्रतिबंधों को अनफ्रेंडली एक्ट बताया है और कहा है कि इससे रूस और अमेरिका के बीच संबंधों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। पुतिन ने कहा है कि इन प्रतिबंधों का रूस पर कोई खास प्रभाव नहीं पड़ेगा। पुतिन ने यह भी चेतावनी दी है कि अगर रूस पर अमेरिकी टोमहॉक मिसाइलों से हमला किया गया, तो जवाब बहुत मजबूत होगा। रूसी विदेश मंत्रालय ने कहा है कि प्रतिबंध रूस-यूक्रेन संघर्ष की समाप्ति को बातचीत की संभावनाओं को कम करेंगे।

अमेरिका रूस से यह चाहता है

अमेरिका रूस से चाहता है कि वह यूक्रेन पर हमला बंद करे और अपने सैनिकों को वापस बुलाए। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन मुद्दे पर रूस के साथ समझौता करने की इच्छा जताई है, लेकिन यूक्रेन की सुरक्षा और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करने पर जोर दिया है। ट्रंप ने कहा है कि वह यूक्रेन और रूस के बीच शांति समझौते के लिए काम कर रहे हैं, लेकिन दोनों पक्षों को अपनी सहमति देनी होगी।

भारत के समक्ष मुश्किलें

ट्रंप प्रशासन ने भारत को चेतावनी दी है कि वह रूस से तेल खरीदना जारी रखता है, तो उसे आर्थिक परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। भारत के लिए यह एक बड़ी चुनौती है, क्योंकि वह अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए रूस से तेल खरीदता है। भारत ने रूस से तेल खरीदने का फैसला अपनी ऊर्जा सुरक्षा के हित में लिया है, लेकिन अमेरिका के दबाव का सामना करना उसके लिए मुश्किल हो रहा है।

जटिल मुद्दा, कई पक्षों के हित शामिल

अमेरिका-रूस विवाद और भारत के लिए चुनौतियां एक जटिल मुद्दा है, जिसमें कई पक्षों के हित शामिल हैं। भारत को अपनी ऊर्जा सुरक्षा के हितों को ध्यान में रखते हुए अमेरिका के दबाव का सामना करना होगा और अपनी द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने के लिए काम करना होगा।

वर्ल्ड ब्रीफ

लंदन में ईयू नेताओं से मिलेंगे जेलेंस्की

लंदन। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की शुक्रवार को 20 से अधिक यूरोपीय नेताओं के साथ वार्ता के लिए लंदन में होंगे। इन नेताओं ने तीन साल से अधिक समय से जारी युद्ध को रोकने के लिए संघर्षविराम होने पर यूक्रेन को भविष्य में रूस की आक्रामकता से बचाने के लिए सैन्य सहायता देने का वादा किया है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर द्वारा आयोजित इस बैठक में सर्दियों के आगमन के साथ रूस द्वारा लगभग हर दिन किए जाने वाले ड्रोन और मिसाइल हमलों से यूक्रेन की विद्युत ग्रिड की सुरक्षा करने में मदद के तरीकों पर भी चर्चा की जाएगी। इसके साथ ही यूक्रेनी हवाई सुरक्षा को मजबूत करने और कीव को रूस के अंदर तक हमला करने में सक्षम लंबी दूरी की मिसाइलों की आपूर्ति करने पर भी चर्चा की जाएगी।

कनाडा : दिवाली पर जारी किया डाक टिकट

ओटावा। कनाडा पोस्ट ने देश के बहुसांस्कृतिक ताने-बाने का जश्न मनाने के लिए दिवाली की थीम पर आधारित एक नया डाक टिकट जारी किया है। ओटावा स्थित भारतीय उच्चायोग ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर किए गए एक पोस्ट में दिवाली के उपलक्ष्य में पारंपरिक रंगोली वाला डाक टिकट जारी करने के लिए 'कनाडा पोस्ट' का आभार जताया। 'कनाडा' पोस्ट ने कहा कि दीपावली न सिर्फ कनाडा, बल्कि दुनियाभर में हिंदुओं, सिखों, बौद्ध, जैनियों और अन्य समुदायों द्वारा मनाया जाने वाला एक प्रमुख त्योहार है तथा इस अवसर पर देश की सांस्कृतिक विविधता को मान्यता देते हुए एक डाक टिकट जारी कर हमें गर्व महसूस हो रहा है।

पाकिस्तान में आठ आतंकवादी मारे गए

पेशावर। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में शुक्रवार को खुफिया सूचना पर आधारित एक अभियान के दौरान टीटीपी के आठ आतंकवादी मारे गए और पांच अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि यह अभियान लक्की मारवात जिले के वांडा शेख अल्लाह इलाके में चलाया गया। जिसमें प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के आठ आतंकवादी मारे गए और पांच अन्य घायल हो गए। एक अन्य घटना में, शुक्रवार को दक्षिण वजीरिस्तान की सीमा से लगे टैंक जिले में अज्ञात हमलावरों ने विस्फोट कर एक नवनिर्मित सरकारी बालिका प्राथमिक विद्यालय भवन को उड़ा दिया। घटना सियाल गुल कोरोना के गारा बुड्ढा गांव में हुई। इस विस्फोट में कोई हताहत नहीं हुआ।

अमेरिका का दावा, भारत ने रूस से तेल आयात कम करना शुरू किया

व्हाइट हाउस ने कहा-राष्ट्रपति ट्रंप के अनुरोध के बाद ही भारत ने ऐसा किया

वाशिंगटन, एजेंसी

व्हाइट हाउस ने दावा किया है कि भारत ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अनुरोध पर रूस से तेल आयात को कम करना शुरू कर दिया है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलीन लेविट ने गुरुवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अगर आप रूस पर लगाए गए प्रतिबंधों को देखें, तो वे काफी सख्त हैं। वह यह बात रूस की दो सबसे बड़ी तेल कंपनियों रोसनेफ्ट और लुकोइल पर बुधवार को लगाए गए अमेरिकी प्रतिबंधों के संदर्भ में कह रही थीं। ये प्रतिबंध रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच मॉस्को के प्रमुख राजस्व स्रोतों को सीमित करने के प्रयास का हिस्सा हैं। लेविट ने कहा, मैंने कुछ अंतर्राष्ट्रीय खबरें देखी हैं जिनमें कहा गया है कि चीन रूस से तेल की खरीद घटा रहा है; हमें पता है कि भारत ने भी राष्ट्रपति के अनुरोध पर ऐसा किया है।

उन्होंने बताया कि वाशिंगटन ने अपने यूरोपीय सहयोगियों से भी रूसी तेल आयात घटाने का आग्रह किया है, जिसे उन्होंने मॉस्को के युद्ध-वित्तपोषण चैनलों के खिलाफ एक पूर्ण दबाव अभियान बताया। अमेरिकी प्रशासन पिछले कुछ दिनों से दावा कर रहा है कि भारत ने रूस से तेल आयात में उल्लेखनीय कमी लाने का आश्वासन दिया है।

- वाशिंगटन का यूरोपीय सहयोगियों से भी रूसी तेल आयात घटाने का आग्रह

भारत हालांकि लगातार यह कहता रहा है कि उसकी ऊर्जा नीति उसके राष्ट्रीय हितों द्वारा निर्देशित होती है विशेष रूप से यह सुनिश्चित करने के लिए कि उसके उपभोक्ताओं को सस्ती और सुरक्षित ऊर्जा आपूर्ति मिले। अमेरिका का कहना है कि रूस से कच्चा तेल खरीदकर भारत, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को यूक्रेन युद्ध के लिए आर्थिक सहायता दे रहा है। भारत और अमेरिका के बीच बीच संबंध हाल के दिनों में तनावपूर्ण हो गए हैं, खासकर तब जब ट्रंप ने भारतीय उत्पादों पर शुल्क दोगुना, 50 प्रतिशत तक कर दिया, जिसमें रूस से तेल खरीदने पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क भी शामिल है। भारत ने इस अमेरिकी कार्रवाई को अनुचित, अन्यायपूर्ण और अविवेकी बताया है।

लेविट ने कहा कि ट्रंप ने पहले ही संकेत दिया था कि वह रूस के खिलाफ उचित और आवश्यक समय आने पर कार्रवाई करेंगे और कल वही दिन था। उन्होंने कहा कि ट्रंप काफी समय से पुतिन के प्रति नाराज़गी व्यक्त करते रहे हैं क्योंकि पुतिन शांति समझौते की दिशा में पर्याप्त रुचि या पहल नहीं दिखा रहे थे। ट्रंप और पुतिन की इस वर्ष के अंत में हंगरी में बैठक प्रस्तावित थी, लेकिन अब इसे अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया है। लेविट ने कहा कि बैठक पूरी तरह से टली नहीं है।

भारतीय रिफाइनरी पश्चिम एशिया से अधिक तेल खरीदेंगी, अमेरिका ले सकता है रूस की जगह

नई दिल्ली। दो रूसी तेल उत्पादक कंपनियों पर अमेरिकी प्रतिबंध लगाए जाने के बाद भारतीय रिफाइनरी कंपनियां रूस से कच्चे तेल आयात में होने वाली कमी की भरपाई के लिए पश्चिम एशिया, लातिन अमेरिका और अमेरिका से कच्चे तेल की खरीद बढ़ा सकती हैं। सूत्रों और विश्लेषकों ने यह अनुमान जताया है। अमेरिकी सरकार ने 22 अक्टूबर को रूस के दो सबसे बड़े कच्चे तेल उत्पादकों रॉसनेफ्ट और ल्यूकऑयल पर प्रतिबंध लगा दिए। सभी अमेरिकी संस्थाओं और व्यक्तियों को इन कंपनियों के साथ व्यापार करने से रोक दिया गया है। इस समय भारत के कच्चे तेल आयात में लगभग एक तिहाई हिस्सा रूस का है। रूस ने भारत को वर्ष 2025 में औसतन लगभग 17 लाख बैरल प्रतिदिन कच्चे तेल का निर्यात किया। इसमें से लगभग 12 लाख बैरल प्रतिदिन तेल सीधे रॉसनेफ्ट और ल्यूकऑयल से आया। इनमें से ज्यादातर तेल निजी रिफाइनरी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड और नायरा एनर्जी ने खरीदा था। सरकारी रिफाइनरी कंपनियों की इसमें कम हिस्सेदारी ही रही है। केप्लर के प्रमुख शोध विश्लेषक सुमित रितोलिया ने कहा कि 21 नवंबर तक रूसी कच्चे तेल की आवक 16-18 लाख बैरल प्रतिदिन के दायरे में रहने की उम्मीद है, लेकिन उसके बाद रॉसनेफ्ट और ल्यूकऑयल से सीधे आयात में गिरावट आ सकती है। जाहिर है कि भारतीय रिफाइनरी कंपनियां अमेरिकी प्रतिबंधों के किसी भी जोखिम से बचना चाहती हैं।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधारों की तत्काल आवश्यकता : जयशंकर

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में सुधारों की तत्काल आवश्यकता पर जोर देते हुए शुक्रवार को कहा कि वैश्विक निकाय का कामकाज अवरुद्ध हो गया है। भारत ने पहलगाम हमले की जिम्मेदारी लेने वाले आतंकवादी संगठन को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बचाने संबंधी पाकिस्तान के प्रयासों का हवाला देते हुए यह टिप्पणी की। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने वैश्विक रणनीति के नाम पर आतंकवाद के पीड़ितों और गुनाहगारों की तुलना करने वालों की भी आलोचना की। उन्होंने यह टिप्पणी भारत और पाकिस्तान को एक ही तराजू में तौलने की प्रवृत्ति की ओर इशारा करते हुए की, खासकर हाल में हुए आतंकवादी हमले के संदर्भ में। जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की 80वीं वर्षगांठ के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि संयुक्त राष्ट्र में सब कुछ ठीक नहीं है क्योंकि संयुक्त राष्ट्र में होने वाली बहसें अब बहुत ज्यादा बंटी हुई हैं और उसका कामकाज साफ तौर पर रुका हुआ दिख रहा है।

जयशंकर ने कहा कि किसी भी सार्थक सुधार को उसकी अपनी प्रक्रिया के जरिए ही रोका जा रहा है। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र को बनाए रखना तथा इसके पुनर्निर्माण की मांग करना स्पष्ट रूप से विश्व के समक्ष एक बड़ी चुनौती है।

संयुक्त राष्ट्र के 80 वर्ष पूरे होने पर स्मारक डाक टिकट जारी करते हुए विदेश मंत्री।

- विदेशमंत्री बोले-अवरुद्ध हो गया है वैश्विक निकाय का काम
- यूएन की 80वीं वर्षगांठ पर कहा-संयुक्त राष्ट्र में सब ठीक नहीं

पीड़ितों-अपराधियों को एक श्रेणी में रखना निंदनीय

जयशंकर ने कहा कि आतंकवाद के पीड़ितों और अपराधियों को एक ही श्रेणी में रखना दुनिया को और अधिक निंदनीय बना देता है। जब खुद को आतंकवादी कहने वालों को प्रतिबंधों से बचाया जाता है, तो इसमें शामिल लोगों की ईमानदारी पर सवाल उठता है। पाकिस्तान वर्तमान में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का सदस्य है। जुलाई में वह इस शीर्ष वैश्विक संस्था का अध्यक्ष था।

जयशंकर ने कहा कि आतंकवाद के प्रति संयुक्त राष्ट्र की प्रतिक्रिया से ज्यादा, कुछ उदाहरण संयुक्त राष्ट्र के सामने मौजूद चुनौतियों को दर्शाते हैं। जब सुरक्षा परिषद का एक वर्तमान सदस्य उसी संगठन का खुलेआम बचाव करता है जिसने पहलगाम जैसे बर्बर आतंकवादी हमले की जिम्मेदारी ली है, तो इससे बहुपक्षवाद की विश्वसनीयता पर क्या असर पड़ता है? जयशंकर ने हालांकि सीधे तौर पर पाकिस्तान का नाम नहीं लिया, लेकिन उनकी टिप्पणी से यह स्पष्ट था कि वह उसी देश का उल्लेख कर रहे थे।

लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) आतंकवादी समूह से जुड़े 'द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने पहलगाम आतंकवादी हमले की जिम्मेदारी ली थी। जुलाई में यूएनएससी की रिपोर्ट में पहलगाम हमले में टीआरएफ की भूमिका का उल्लेख किया गया था। अधिकारियों के अनुसार, पाकिस्तान ने पहलगाम हमले की निंदा करने वाले संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रेस वक्तव्य में टीआरएफ का उल्लेख हटाने का प्रयास किया था। जयशंकर ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र ज्वलंत मुद्दों का समाधान करने में विफल रहा है।

दक्षिण कोरिया में ट्रंप और जिनपिंग की होगी मुलाकात

वाशिंगटन, एजेंसी

- टैरिफ वार को देखते हुए दोनों की मुलाकात मानी जा रही महत्वपूर्ण

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अगले हफ्ते एशिया यात्रा के दौरान चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात करेंगे। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने बताया कि ट्रंप गुरुवार को एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग शिखर सम्मेलन (एपेक) में भाग लेने के लिए दक्षिण कोरिया रवाना होंगे, जहां वह इस सम्मेलन से इतर शी जिनपिंग से मुलाकात करेंगे।

उल्लेखनीय है कि यह मुलाकात ऐसे समय में होने वाली है जब दोनों देशों के बीच व्यापार युद्ध लगातार बढ़ता जा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने पिछले हफ्ते ही नवंबर से चीनी वस्तुओं पर 100 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाने की धमकी दी थी। इधर चीन ने भी दुर्लभ मृदा खनिजों के निर्यात पर कड़े प्रतिबंध लगा दिए हैं। ट्रंप ने हालांकि कुछ हफ़्ते पहले कहा था कि वह एपेक शिखर सम्मेलन में शी जिनपिंग से मिलेंगे, लेकिन उन्होंने सटीक तारीख के बारे में नहीं बताया था।

दुर्लभ-पृथ्वी खनिजों पर चीन के प्रतिबंधों को लेकर उनके मुलाकात के रद्द होने की संभावना भी जताई जा रही थी।

गाजा शांति समझौता स्थिरता की दिशा में ऐतिहासिक कदम

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

भारत ने हाल ही में हस्ताक्षरित गाजा शांति समझौते को पश्चिम एशिया में स्थिरता की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताया और पुनः दोहराया कि दो-राष्ट्र समाधान ही इजराइल और फलस्तीन के बीच स्थायी शांति स्थापित करने का एकमात्र व्यावहारिक मार्ग है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में गुरुवार को पश्चिम एशिया की स्थिति पर आयोजित त्रैमासिक खुली बहस में, विश्व निकाय में भारत के स्थायी प्रतिनिधि एवं राजदूत पार्वतनेनी हरीश ने कहा कि भारत की हार्दिक इच्छा है कि एक स्थिर और शांतिपूर्ण पश्चिम एशिया का सपना साकार हो... वंचना और अपमान किसी के दैनिक जीवन का हिस्सा नहीं होना चाहिए; संघर्ष के कारण निर्दोष नागरिकों की जान नहीं जानी चाहिए।

- दो राष्ट्र समाधान से ही इजराइल-फलस्तीन में स्थायी शांति : भारत

उन्होंने कहा कि भारत इस दिशा में अपने योगदान के लिए पूरी तरह तैयार है। हरीश ने आशा व्यक्त की कि इस महीने की शुरुआत में शर्म अल-शेख में आयोजित शांति सम्मेलन से उत्पन्न सकारात्मक कूटनीतिक गति क्षेत्र में स्थायी शांति की ओर अग्रसर होगी। उन्होंने इस ऐतिहासिक शांति समझौते का स्वागत करते हुए अमेरिका, विशेष रूप से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भूमिका की सराहना की और मिस्र तथा कतर के योगदान की भी प्रशंसा की। भारत की पुरानी नीति दोहराते हुए उन्होंने कहा कि दो-राष्ट्र समाधान ही एकमात्र व्यावहारिक मार्ग है। अब समय है कि सभी पक्ष चल रही शांति प्रक्रिया का समर्थन करें, न कि उसे बाधित करें। भारत लंबे समय से एक स्वतंत्र, संप्रभु और सक्षम फलस्तीनी राष्ट्र का समर्थन करता आया है, जो सुरक्षित और मान्यता प्राप्त सीमाओं के भीतर इजराइल के साथ शांति के साथ रहे और सुरक्षित रहे। हरीश ने कहा कि संवाद और कूटनीति ही शांति का रास्ता हैं। अमेरिका की यह ऐतिहासिक पहल शांति की दिशा में कूटनीतिक गति लेकर आई है और सभी पक्षों को अपने दायित्वों का पालन करना चाहिए। भारत किसी भी एकतरफा कदम का दृढ़ता से विरोध करता है।

फलस्तीनी जनता के आत्मनिर्णय के अधिकार का समर्थन

फलस्तीनी जनता के आत्मनिर्णय के अधिकार का समर्थन करते हुए हरीश ने पिछले महीने दो-राष्ट्र समाधान के क्रियान्वयन पर आयोजित संयुक्त राष्ट्र उच्चस्तरीय सम्मेलन का हवाला दिया, जिसमें आगे की राह पर बल दिया गया था। मानवीय मोर्चे पर उन्होंने कहा कि भारत ने अब तक 17 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की सहायता फलस्तीन को दी है, जिसमें चार करोड़ डॉलर के चल रहे प्रोजेक्ट और पिछले दो वर्षों में 135 मीट्रिक टन दवाएं एवं राहत सामग्री शामिल हैं। हरीश ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के सहयोग के बिना फलस्तीनी लोग अपना जीवन नए सिरे से शुरू नहीं कर सकते हैं। उन्होंने निवेश और रोजगार के अनुकूल आर्थिक ढांचे के निर्माण का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि फलस्तीनी मोर्चे पर शांति और स्थिरता का प्रभाव व्यापक क्षेत्र पर पड़ता है... वार्ता जारी रहनी चाहिए और संवाद एवं कूटनीति की प्रभावशीलता पर अटूट विश्वास बनाए रखना आवश्यक है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 25 अक्टूबर, शनिवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-कार्तिक, पक्ष-शुक्ल पक्ष, चतुर्थी 26 अक्टूबर 03 .48 तक तत्पश्चात पंचमी।

आज का पंचांग

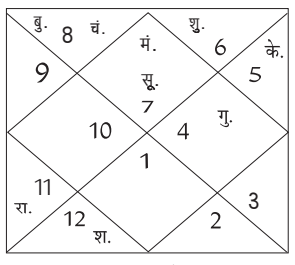

दिशाशूल- पूर्व, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल- वृषभ, मिथुन, कन्या, वृश्चिक, मकर, कुंभ।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- अनुराधा 07 .51 तक तत्पश्चात ज्येष्ठा।

मेष — आज सोच-समझकर ही धन संबंधी निर्णय लें। खानपान में शुद्धता का ध्यान रखना आवश्यक होगा। राजनीति से जुड़े लोगों को सावधान रहना चाहिए। अनैतिक कृत्यों की ओर प्रेरित हो सकते हैं। अपने शुभचिंतकों की सलाह को अन्यथा न लें।

वृष — आज आपकी योजना सफल होगी। विवादों को सुलझा सकते हैं। घर में कुछ मेहमानों का आगमन हो सकता है। कार्यक्षेत्र में सकारात्मक परिणाम मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। दिनचर्या थोड़ी असामान्य हो सकती है।

मिथुन — आज नकारात्मक आदतों को छोड़ने का प्रयास करें। अपनी योजनाओं को लोगों के सामने साझा न करें। लोग आपके भोलेपन का लाभ उठा सकते हैं। आप दूसरों की सहायता करने की पूरी कोशिश करेंगे। घर का वातावरण अनुशासित रहेगा।

कर्क — आज कारोबार को लेकर अधिक तनाव न लें। उधार लेन-देन को लेकर थोड़ी समस्या होगी। अपनी क्षमता और योग्यता पर संदेह न करें। आलस्य में अपना समय बर्बाद न करें। प्रेम संबंधों को लेकर थोड़े गंभीर रहें।

सिंह — आज यदि घर बेचना चाह रहे हैं, तो आपको शुभ परिणाम मिलने की संभावना है। विरोधी आपकी आलोचना कर सकते हैं। कुछ लोग आपका मूड खराब करने का प्रयास करेंगे। उच्च शिक्षा को लेकर काफी मेहनत करेंगे।

कन्या — आज काम के प्रति एकाग्रता में वृद्धि होगी। आपकी समस्याओं का समाधान आपको मिल सकता है। आप काफी अच्छे मूड में रहेंगे। उच्च अधिकारी आपकी प्रशंसा कर सकते हैं। रिश्तेदारों से शुभ समाचार मिलने की संभावना है।

तुला — आज आपको अनावश्यक खर्च करने से बचना चाहिए। लोग आपकी बातों का गलत मतलब न निकालें इसका ध्यान रखें। कला जगत से जुड़े लोगों को बड़े मौके मिल सकते हैं। यदि सर्दी-खांसी से पीड़ित हैं, तो तुरंत उसका इलाज करवाएं।

वृश्चिक — आज साझेदारी वाले व्यापार में अच्छा लाभ हो सकता है। फिलहाल वर्तमान के कार्यों में ही ध्यान दें। भविष्य की योजना न बनाएं। विरोधियों के ऊपर आप भारी पड़ेंगे। आप रोमांचक कार्यों में रुचि ले सकते हैं। कारोबार की स्थिति में सुधार होगा।

धनु — आज नौकरी में अचानक स्थान परिवर्तन से परेशान हो सकते हैं। भूमि संबंधित मामलों में अड़चन आने की संभावना है। आदर्शवादी होने से आपको बचना चाहिए। लोग आपको धोखा दे सकते हैं। जीवनसाथी के साथ संबंध प्रभावित हो सकते हैं।

मकर — आज पुराने रोग से मुक्ति मिलने के अच्छे योग हैं। अपना खानपान अत्यंत संतुलित रखें। सभी काम सही समय पर पूर्ण हो जाएंगे। आपकी सलाह से लोगों को बहुत लाभ होगा। प्रेम संबंधों को परिवार से स्वीकृति मिल सकती है।

कुंभ — आज लोग आपकी बातों को ध्यान से सुनेंगे। स्वास्थ्य थोड़ा नरम सा हो सकता है। लंबित योजनाओं को क्रियान्वित करने में सरलता होगी। परिवार में थोड़ा काम की अधिकता रहेगी। पिताजी अथवा गुरुजनों के साथ किसी गंभीर मुद्दे पर चर्चा हो सकती है।

मीन — आज बनते हुए कार्यों में विघ्न आने की आशंका है। अध्यात्मिक चिंतन को आप समय देंगे। बुजुर्गों के व्यवहार से आप आहत हो सकते हैं। व्यापारिक यात्रा के लिए जाना पड़ सकता है। अनावश्यक खर्चों को नियंत्रित कर लें।

सुडोकू-140

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	4	6						
		7	5					4
		9		2		8		
4						7		8
			3		7			
5		8						2
		4		6		3		
8		3			9	4		6
	1					9	8	

सुडोकू - 139 का हल

8	7	9	2	4	6	1	3	5
6	5	3	7	9	1	4	8	2
1	2	4	3	8	5	6	9	7
4	8	2	5	7	9	3	6	1
5	3	1	6	2	8	7	4	9
7	9	6	1	3	4	2	5	8
9	1	7	4	5	3	8	2	6
3	6	5	8	1	2	9	7	4
2	4	8	9	6	7	5	1	3

एक्सपीरियंस सेंटर शतरंज को अधिक आकर्षक, इंटरैक्टिव और ग्लोबल बनाने की दिशा में अगला कदम है। मुझे यह देखकर गर्व है कि टेक महिंद्रा खेल के विस्तार और अगली पीढ़ी को प्रेरित करने के लिए टेक्नोलॉजी का कैसे प्रयोग कर रहा है।

विश्वनाथन आनंद

स्टेडियम

अयोध्या, शनिवार, 25 अक्टूबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

पंजाब एफसी ने पाब्लो से किया अनुबंध

मोहाली : पंजाब एफसी ने इस सप्ताहांत गोवा में शुरू होने वाले सुपर कप फुटबॉल टूर्नामेंट से पहले शुक्रवार को ब्राजील के अनुभवी सेंटर बैक पाब्लो रेनन डॉस सैंटोस को एक साल के अनुबंध पर टीम में शामिल किया। इस 33 वर्षीय खिलाड़ी को विश्व भर की कई फुटबॉल लीग में खेलने का व्यापक अनुभव है और उनकी मौजूदगी से पंजाब एफसी की टीम की रक्षा पंक्ति को मजबूती मिलेगी। पंजाब की टीम से जुड़ने के बारे में पाब्लो ने कहा कि पंजाब एफसी की टीम का इस सत्र में काफी व्यस्त कार्यक्रम है और मैं यहां सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने को तैयार हूं। मैं चुनौती के लिए तैयार हूं।

अली तरीन ने पीसीबी का कानूनी नोटिस फाड़ा

कराची : पाकिस्तान सुपर लीग (पीसीएल) की फ्रेंचाइजी मुल्तान सुल्तांस के मालिक अली तरीन ने रिकॉर्डेड वीडियो में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) द्वारा उन्हें भेजे कानूनी नोटिस को फाड़ दिया, जिसमें उनकी टीम का अनुबंध समाप्त करने की धमकी दी गई थी। अली तरीन और पीसीबी के बीच विवाद अब सार्वजनिक रूप से सामने आ गया है। गुरुवार को इसका खुलासा हुआ कि पीसीबी ने इस फ्रेंचाइजी को कानूनी नोटिस भेजा है। इसमें कहा गया है कि वह पीएसएल के संचालन के तरीके की आलोचना करने पर सार्वजनिक रूप से माफी मांगे तथा ऐसा नहीं करने पर उनका फ्रेंचाइजी अनुबंध रद्द कर दिया जाएगा।

जडेजा की मौजूदगी से मध्य प्रदेश के खिलाफ सौराष्ट्र मजबूत स्थिति में

रणजी ट्रॉफी

राजकोट, एजेंसी

सौराष्ट्र की टीम रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप बी के दूसरे दौर के मैच में शनिवार को जब मध्य प्रदेश के खिलाफ मैदान में उतरेगी तो शानदार लय में चल रहे अनुभवी हरफनमौला रविंद्र जडेजा की मौजूदगी से टीम का मनोबल काफी ऊंचा होगा। जडेजा की बाएं हाथ की स्पिन गेंदबाजी निरंजन शाह स्टेडियम की पिच पर सौराष्ट्र की गेंदबाजी को मजबूती देगी, जहां पिछले सप्ताह कर्नाटक के खिलाफ पहले दौर के मैच में स्पिनरों ने 31 विकेट चटकाए थे।

चेतेश्वर पुजारा के संन्यास के बाद सौराष्ट्र का मध्यक्रम पिछले मैच में कमजोर नजर आया, लेकिन जडेजा की मौजूदगी से टीम का आत्मविश्वास काफी बढ़ेगा। जडेजा शानदार लय में चल रहे हैं। उन्होंने इंग्लैंड में पांच मैचों की शृंखला में बल्लेबाजी से प्रभावित करने के बाद दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अहमदाबाद में खेले गए पहले टेस्ट मैच में नाबाद 104 रन की पारी खेली। मध्य प्रदेश को उम्मीद होगी कि पंजाब के खिलाफ नाबाद 205 रन की पारी खेलने वाले कप्तान रजत पाटीदार के साथ वेंकटेश अय्यर और यश दुबे बल्ले से योगदान देना जारी रखेंगे। सौराष्ट्र चाहेगा कि हार्विक देसाई, प्रेरक मांकड़ और अनुभवी अर्पित वासवडा जैसे खिलाड़ी मध्य प्रदेश की गेंदबाजी के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करें। मध्यप्रदेश की उम्मीदें स्पिनर कुमार कार्तिकेय, शुभम शर्मा और सारांश जैन पर टिकी होंगी जिसने पंजाब के बल्लेबाजों को परेशान किया था।

रविंद्र जडेजा

ग्रुप के अन्य मैचों में कर्नाटक की टीम गोवा के खिलाफ जीत का खाता खोलने को जोर लगाएगी। कर्नाटक अपने पहले मैच में सौराष्ट्र के खिलाफ मामूली अंतर से बढ़त लेने से चूक गया था। कप्तान मयंक अग्रवाल, देवदत्त पडिक्कल, करुण नायर और आर स्मरण की मौजूदगी से कर्नाटक की टीम कागजों पर मजबूत दिख रही है लेकिन गोवा के पास भी ललित यादव, दर्शन मिसल और सुयश प्रभुदेसाई जैसे खिलाड़ी है जो इस टूर्नामेंट में लगातार अच्छा प्रदर्शन करते रहे हैं। ग्रुप बी के अन्य मैचों में पिछले साल के उपविजेता केरल के सामने पंजाब की चुनौती होगी जबकि चंडीगढ़ का समाना महाराष्ट्र से होगा।

हिमाचल के खिलाफ पूरे अंक हासिल करना चाहेगी दिल्ली

नई दिल्ली। आत्मविश्वास से लबरेज दिल्ली की टीम हिमाचल प्रदेश के खिलाफ पूरे अंक हासिल करने की कोशिश करेगी, लेकिन इस बात पर बहस जारी है कि मुख्य कोच सरनदीप सिंह शनिवार से शुरू हो रहे रणजी ट्रॉफी ग्रुप डी मैच के लिए प्रतिभाशाली प्रियांश आर्य को अंतिम एकादश में चुनेंगे या नहीं। दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) में अजीबोगरीब चीजें होती रही हैं और भारत ए के मौजूदा क्रिकेटर को बेंच पर बैठाना उनकी शर्मनाक स्थिति में एक कड़ी हो सकती है क्योंकि इस खिलाड़ी ने ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ अपने अंतिम प्रतिस्पर्धी मैच में शतक जड़ा था। दिल्ली और हिमाचल दोनों ने अपने शुरुआती मुकाबले में तीन-तीन अंक हासिल किए थे। कोटला अक्टूबर में रणजी मैचों की मेजबानी कम ही करता है इसलिए पिच सपाट और धीमी रहने की उम्मीद है। उसी तरह रन बनने की उम्मीद है जैसे हैदराबाद में मेजबान टीम के मैच में सनत सांगवान और पदार्पण कर रहे आयुष दोसेजा ने दोहरे शतक लगाए थे। दिल्ली इस मैच में दावेदार के रूप में उतरेगी क्योंकि हिमाचल प्रदेश मजबूत प्रतिद्वंद्वी नहीं है।

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के लिए सरफराज को भारत ए की जरूरत नहीं: शार्दुल

मुंबई। मुंबई के कप्तान शार्दुल ठाकुर ने कहा कि सरफराज खान को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट खेलने के लिए भारत ए के दौरे या शृंखला की जरूरत नहीं है, क्योंकि मध्यक्रम का यह बल्लेबाज घरेलू क्रिकेट में रन बनाकर भारतीय टेस्ट टीम में वापसी कर सकता है। भारत के लिए 2023-24 में इंग्लैंड के खिलाफ राजकोट टेस्ट में पदार्पण करने वाले सरफराज ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टेस्ट टीम का हिस्सा थे, लेकिन उसके बाद से उन्हें नजरअंदाज किया जा रहा है। भारत के लिए छह टेस्ट खेल चुके 28 वर्षीय सरफराज को हाल ही में दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ भारत ए की शृंखला के लिए नजरअंदाज किया गया है। सरफराज ने अपना पिछला टेस्ट मैच न्यूजीलैंड के खिलाफ मुंबई में खेला था। शार्दुल ने रणजी ट्रॉफी ग्रुप डी में छत्तीसगढ़ के खिलाफ घरेलू मैच की पूर्व संध्या पर कहा कि भारत ए टीम में ऐसे खिलाड़ियों पर ध्यान दिया जाता है जिन्हें वे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के लिए तैयार करना चाहते हैं। सरफराज को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट खेलने के लिए भारत ए के मैच की जरूरत नहीं है। अगर वह फिर से रन बनाने लगे, तो वह सीधे टेस्ट टीम में शामिल हो सकते हैं। मुंबई के रणजी सत्र के मैच में जम्मू कश्मीर के खिलाफ अच्छी शुरुआत को भुनाने में नाकाम रहे सरफराज़ का शार्दुल ने बचाव करते हुए कहा कि वह चोट के बाद वापसी कर रहे हैं, लेकिन इससे पहले, उन्होंने बुची बाबू ट्रॉफी में चोटिल होने से पहले दो-तीन शतक लगाए थे।

सरफराज खान

शाहबाज की वापसी, बारिश के खतरे के बीच बंगाल की नजरें दूसरी जीत पर

कोलकाता। स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर शाहबाज अहमद की वापसी से उत्साहित बंगाल शनिवार को रणजी ट्रॉफी ग्रुप सी मैच में गुजरात के खिलाफ दूसरी जीत दर्ज करने की कोशिश करेगा। हालांकि चौथे दिन बारिश का खतरा मंडरा रहा है। मौसम विभाग के अनुसार शुक्रवार को दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने निम्न दबाव मंगलवार तक चक्रवाती तूफान में बदल सकता है और कोलकाता में भारी बारिश का अनुमान है। स्पोर्ट्स हर्निया और बंगाल प्रो टी20 लीग के दौरान लगी कंधे की चोट से उबरने के बाद शाहबाज नवंबर 2024 के बाद पहली बार मैदान पर उतरेंगे। वह पिछली बार इंदौर में मध्य प्रदेश के खिलाफ खेले थे। उनके शामिल होने से टीम को संतुलन प्रदान करने की उम्मीद है जिससे बंगाल की बल्लेबाजी को जरूरी गहराई मिलेगी। शाहबाज ने मैच से पहले नेट्स पर लंबे समय तक बल्लेबाजी और गेंदबाजी की। गुजरात के खिलाफ मैच में युवा स्पिन ऑलराउंडर विशाल भाटी की जगह उन्हें अंतिम एकादश में शामिल किए जाने की संभावना है। मुख्य कोच लक्ष्मी रतन शुक्ला ने कहा कि शाहबाज की वापसी से टीम का संतुलन निश्चित रूप से मजबूत होगा। वह गुजरात के खिलाफ अच्छी भूमिका निभा पाएंगे। शाहबाज के आने से बंगाल के तेज गेंदबाजी आक्रमण को मजबूती मिलेगी जिसकी अगुवाई भारत के अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी मोहम्मद शमी और आकाश दीप कर रहे हैं। शमी ने पिछले मैच में बंगाल को उत्तराखंड पर आठ विकेट से जीत दिलाई थी। उन्होंने मैच में सात विकेट लिए और आकाश, ईशान पोरेल और सूरज जायसवाल के साथ मिलकर एक मजबूत तेज गेंदबाजी चौकड़ी बनाई। हालांकि पहली पारी में शमी लय में नहीं थे, लेकिन दूसरी पारी में उन्होंने वापसी की और गेंद को स्विंग और रिवर्स स्विंग कराया जिससे बंगाल को छह अंक मिले।

ऑस्ट्रेलिया में संभवत: रोहित-कोहली का अंतिम मैच

गेंदबाजी की पहेली सुलझाकर वनडे सीरीज में क्लीन स्वीप से बचना चाहेगा भारत, लेकिन आंकड़े पक्ष में नहीं

- गंभीर को कप्तान शुभमन गिल और कोहली से बड़ी पारियों की दरकार

सिडनी, एजेंसी

स्टार बल्लेबाज विराट कोहली और उनके साथी रोहित शर्मा शनिवार को यहां जब तीसरे और अंतिम वनडे मैच में खेलने के लिए उतरेंगे तो भावनाओं का ज्वार चरम पर हो सकता है क्योंकि यह ऑस्ट्रेलिया की धरती पर इन दोनों का संभवतः अंतिम मैच होगा। रोहित ने दूसरे वनडे में 97 गेंदों पर 73 रन बनाकर कुछ राहत की सांस ली है, लेकिन कोहली दोनों मैच में खाता खोलने में असफल रहे।

यह वनडे क्रिकेट में पहला अवसर है जबकि वह लगातार जो मैच में खाता नहीं खोल पाए। इसने उनके प्रशंसकों को यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि क्या यह अंत की शुरुआत है। रोहित पहली बार 2007-08 में वन डे शृंखला के लिए यहां आए थे जबकि कोहली का सीनियर टीम के साथ पहला दौरा 2011-12 में था जब उन्होंने एडिलेड में टेस्ट शतक लगाकर अपना प्रभाव छोड़ा था। अगले दो वर्षों में ऑस्ट्रेलिया में कोई वनडे शृंखला नहीं होने से यह सोचना असंभव है कि यह जोड़ी फिर भारत की तरफ से ऑस्ट्रेलिया में खेलेगी। ऑस्ट्रेलिया ने वर्तमान शृंखला के पहले दोनों मैच जीत कर सीरीज अपने नाम कर दी है, लेकिन कोहली और रोहित की मौजूदगी से तीसरा वनडे मैच क्रिकेट प्रेमियों के लिए महत्वपूर्ण बन गया है।

सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर मौजूद दर्शक इन दोनों से अच्छी पारी की उम्मीद करेंगे। यह मैच इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि गौतम गंभीर की कोचिंग वाली भारतीय टीम 0-3 से क्लीन स्वीप से बचना चाहती है, लेकिन आंकड़े भारतीय टीम के पक्ष में नहीं हैं। उसने यहां जो पिछले पांच वनडे मैच खेले हैं उनमें से उसे केवल एक मैच में जीत मिली है।

कप्तान शुभमन गिल और कोहली दोनों से बड़ी पारी दरकार है और गंभीर को अंतिम मैच में दोनों से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी। दो मैचों में पराजित होने वाली भारतीय टीम गेंदबाजी के अपने संसाधनों के साथ समझौता करने की कीमत पर बल्लेबाजी को मजबूत करने की रणनीति पर फिर से विचार करना चाहेगी क्योंकि कुलदीप यादव जैसे मैच विजेता खिलाड़ी को नजरअंदाज करना टीम के लिए अभी तक अच्छा साबित नहीं हुआ है। भारत ने अब तक स्पिन विभाग की जिम्मेदारी अक्षर पटेल और वाशिंगटन सुंदर पर डाली है जो अच्छी बल्लेबाजी भी कर सकते हैं, लेकिन यह दोनों गेंदबाजी में प्रभाव नहीं छोड़ पाए हैं और ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों को उन्हें खेलने में किसी तरह की परेशानी नहीं हुई है। भारत का वर्तमान टीम प्रबंधन ऑलराउंडर को प्राथमिकता देता रहा है लेकिन नीतीश रेड्डी जैसे बल्लेबाज को आठवें नंबर पर उतारना सही रणनीति नहीं लगती है। गेंदबाजी में भी वह प्रभाव छोड़ने में असफल रहे। हर्षित राणा के मामले में, दूसरे और तीसरे स्पैल में उनकी गति में आई उल्लेखनीय गिरावट इस बात का प्रमाण है कि वह अभी अंतरार्ष्ट्रीय क्रिकेट के लिए पूरी तरह से तैयार नहीं हैं। उनकी जगह पर प्रसिद्ध कृष्णा को अंतिम एकादश में शामिल किया जाना चाहिए। जहां तक ऑस्ट्रेलियाई टीम का सवाल है, तो उसने 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप के लिए तैयारी शुरू कर दी है। मैथ्यू शॉर्ट, मिशेल ओवेन और कूपर कोनोली जैसे खिलाड़ियों ने दबाव वाली परिस्थितियों में सही रणनीति तैयार करने और उस पर अमल करने के अपने कौशल का परिचय दिया है। ऑस्ट्रेलिया इस मैच के लिए मैट कुहनेमैन को अंतिम एकादश में शामिल कर सकता है जिन्होंने पहले मैच में अच्छी गेंदबाजी की थी।

भारत : शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, नितीश कुमार रेड्डी, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), यशस्वी जयसवाल, कुलदीप यादव, प्रसिद्ध कृष्णा।

ऑस्ट्रेलिया : मिशेल मार्श (कप्तान), जेवियर बार्टलेट, एलेक्स केरी (विकेट कीपर), जोस इंग्लिस (विकेट कीपर), कूपर कोनोली, नाथन एलिस, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जैक एडवर्ड्स, मिशेल ओवेन, जोश फिलिप, मैथ्यू रेनशॉ, मैथ्यू शॉर्ट, मिशेल स्टार्क, एडम ज़म्पा, मैट कुहनेमैन।

-मैच पूर्वाह्न 9 बजे।

कुलदीप यादव की वापसी पर रहेंगी नजरें

सिडनी। पर्थ और एडिलेड में हार झेलने के बाद भारत जब सिडनी में सम्मान बचाने उतरेगा तो बड़ा सवाल ये है कि भारत एकदाश में कोई बदलाव करता है या नहीं। हालांकि पर्थ में मिली हार के बाद भी एडिलेड में भारत ने बदलाव नहीं किया था, लेकिन संभव है कि तीसरे मैच में भारत की प्लेइंग इलेवन में बदलाव दिखे। वहीं, भारत ने दोनों मैचों में कुलदीप यादव का रुख नहीं किया है। इस बात को लेकर चर्चा है कि भारत को कुलदीप के रूप में आक्रामक विकल्प के साथ जाना चाहिए या फिर ऑस्ट्रेलियाई परिस्थितियों को देखते हुए बल्लेबाजी में गहराई सुनिश्चित करना ही बेहतर है। क्या भारत अपने तेज गेंदबाज़ी आक्रमण को भी धार देने की योजना बनाएगा और प्रसिद्ध कृष्णा को अंतिम वनडे के एकादश मे जगह मिलेगी।

भारत में होने वाले जूनियर हॉकी विश्व कप से हटा पाकिस्तान

नई दिल्ली, एजेंसी

पाकिस्तान ने नवंबर-दिसंबर में भारत में होने वाले जूनियर हॉकी विश्व कप से नाम वापस ले लिया है। अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) ने इसकी पुष्टि की। एफआईएच ने कहा कि 28 नवंबर से 28 दिसंबर तक चेन्नई और मदुरै में होने वाले टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान की जगह लेने वाली टीम की घोषणा जल्द ही की जाएगी।

एफआईएच ने कहा कि पाकिस्तान हॉकी महासंघ ने एफआईएच को सूचित किया कि उनकी टीम भारत के तमिलनाडु में होने वाले हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप में भाग नहीं लेगी। पाकिस्तान ने इस टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया था। इस प्रतियोगिता के लिए पाकिस्तान की जगह लेने वाली टीम की घोषणा जल्द होगी। पाकिस्तान को ग्रुप बी में भारत, चिली और स्विट्जरलैंड के साथ रखा गया है और यह देखना बाकी है कि कौन सी टीम उनकी जगह लेती है। यह भारत में होने वाला दूसरा टूर्नामेंट है, जिसमें पाकिस्तान ने भाग नहीं लेने का फैसला किया है। इससे पहले वह इस वर्ष 29 अगस्त से सात सितम्बर तक बिहार के राजगीर में खेले गए पुरुष एशिया कप से भी हट गया था। पहलगाम हमले और भारत द्वारा ऑपरेशन सिंदूर के रूप में की कार्रवाई से दोनों देशों के बीच खेल संबंध प्रभावित हैं। भारत ने हाल ही में नई नीति की घोषणा की, जिसके तहत वह पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय खेल प्रतियोगिताओं में भाग नहीं लेगा, लेकिन बहु-राष्ट्रीय टूर्नामेंटों में उसके साथ प्रतिस्पर्धा करना जारी रखेगा। एशिया कप टी-20 टूर्नामेंट में कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पाकिस्तानी कप्तान से हाथ मिलाने से मना कर दिया था।

- एफआईएच बोला- चेन्नई और मदुरै में होने वाले टूर्नामेंट के लिए नई टीम की घोषणा जल्द

हॉकी इंडिया को घटना की जानकारी नहीं

हॉकी इंडिया ने कहा कि उसे पाकिस्तान के हटने के बारे में कोई जानकारी नहीं है। हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह ने कहा, हमें एफआईएच से कोई सूचना नहीं मिली कि पाकिस्तान ने नाम वापस ले लिया है। मैंने डेढ़ महीने पहले पाकिस्तान हॉकी महासंघ के अधिकारियों से बात की थी और उन्होंने भागीदारी की पुष्टि की थी। इसके बाद क्या हुआ, मुझे जानकारी नहीं है। हमारा कर्तव्य मेज़बान होने के नाते सर्वश्रेष्ठ टूर्नामेंट आयोजित करना है और उम्मीद है कि भारत ख़िताब जीतेगा। पाकिस्तान के स्थान पर किसी टीम की घोषणा करना एफ़आईएच पर निर्भर है।

बारिश से श्रीलंका-पाकिस्तान मैच रद्द

कोलंबो, एजेंसी

श्रीलंका और पाकिस्तान के बीच शुक्रवार को आईसीसी महिला विश्व कप मैच बारिश से रद्द कर दिया गया। इस मैदान पर 11 में यह पांचवां मैच है जो बारिश से बिना किसी नतीजे के समाप्त हुआ है, जिससे टूर्नामेंट की योजना पर सवाल उठ रहे हैं।

बारिश रुकने के बाद टॉस हुआ और पाकिस्तान ने 4.2 ओवर में बिना विकेट गंवाए 18 रन बनाए थे। इसके बाद फिर बारिश आ गई। इससे पहले बारिश से टॉस में तीन घंटे से ज्यादा की देरी के बाद मैच 34-34 ओवर का हुआ था। इस समय पूर्वोत्तर मानसून इस क्षेत्र में दस्तक देता है, फिर भी आयोजक तय कार्यक्रम के अनुसार चले। रद्द हुए मैचों ने श्रीलंका की सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदों को प्रभावित किया क्योंकि मेजबान टीम एक जीत, तीन हार और बारिश से तीन रद्द मैचों से पांच अंक लेकर आठ टीमों की तालिका में पांचवें स्थान पर रही। पाकिस्तान ने सात मैचों में बिना किसी जीत के अभियान का अंत किया। उसं चार मैच में हार और तीन बेनतीजा रहे। टॉस में तीन घंटे से ज्यादा की देरी हुई क्योंकि तेज हवाओं और बार-बार पिच के निरीक्षण के बीच मैदानकर्मी कवर्स लेकर इधर-उधर भागते रहे। लेकिन अंपायरों को संतुष्ट करने में नाकाम रहे। खिलाड़ी बारिश रुकने की उम्मीद करते रहे लेकिन अधिकारियों को रात 8.10 बजे मैच रद्द करना पड़ा। इस ग्रुप मैच में सभी की निगाहें श्रीलंकाई कप्तान चामरी अटापट्टू पर थीं। यह इस खिलाड़ी का आखिरी वनडे विश्व कप माना जा रहा था। हालांकि अगर यह अंत था तो यह श्रीलंकाई खिलाड़ी भारी मन से मैदान से विदा होंगी। भारत से चल रहे तनाव से पाकिस्तान के सभी मैच यहां खेले जा रहे हैं। मैच रद्द करने से पहले दोनों मैदानी अंपायरों ने क्यूरेटर और चौथे अंपायर से बात की और फिर मैदान से चले गए।

लक्ष्य, दीक्षा, शाइना एशिया अंडर-17-15 के क्वार्टर फाइनल में

चेंगदू (चीन)। भारत की लक्ष्य राजेश, दीक्षा सुधाकर और शाइना मणिमुथु ने बैडमिंटन एशिया अंडर-17 और 15 चैंपियनशिप के लड़कियों के क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की। दीक्षा ने चीनी ताइपे की पिन हुआन चियांग को हराकर अंडर-17 के अंतिम आठ में प्रवेश किया। लक्ष्य ने कोरिया की ली युन सेओ को हराकर अंडर-17 क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। शाइना ने अंडर-15 प्री-क्वार्टर फाइनल में दबदबा कायम करते हुए चीन की ली मान लिन को हराया। अदिति दीपक राज और बीवी पोन्नम्मा वृद्धि ने लड़कियों के युगल वर्ग में शुरुआती गेम गंवाने के बाद कोरिया की ली युन सेओ और पार्क यू जियोंग की जोड़ी को मात दी। चरण राम थिप्पाना और हरि कृष्ण वीरमरेड्डी ने लड़कों के युगल वर्ग में जापान के कोसुके शिनोहारा और हिरोतो नाकात्सुका पर प्रभावशाली जीत दर्ज की।

उत्साह | मंधाना और रावल की जोड़ी ने 23 पारियों में 1,799 रन बनाए

मंधाना गणना में माहिर, हमारे बीच सहज बातचीत : रावल

नवी मुंबई, एजेंसी

भारत की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और प्रतीका रावल को एक साथ आए हुए एक साल भी नहीं हुआ है, लेकिन उन्होंने शीर्ष क्रम में बेहद सफल जोड़ी बनाई है। इन दोनों ने गुरुवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ शतक जड़कर पहले विकेट के लिए 212 रन की रिकार्ड साझेदारी की जिससे भारत ने मैच डकवर्थ लुईस पद्धति से 53 रन से जीत कर महिला वनडे विश्व कप के सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

पिछले वर्ष दिसंबर में जोड़ी बनाने के बाद से यह उनकी सातवीं तथा 2025 में पांचवीं शतकीय साझेदारी थी। मंधाना के 95 गेंदों में 105 रन और रावल के 134 गेंदों में 122 रन की बदौलत भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए तीन विकेट पर 340 रन का स्कोर बनाया जो इस विश्व कप में किसी भी टीम का सर्वोच्च स्कोर है।

इस जोड़ी ने 23 पारियों में 1,799 रन जोड़े हैं। रावल ने कहा कि उन दोनों के बीच अच्छी समझ है जिससे वह बड़ी साझेदारी निभाने में सफल रही हैं। रावल ने कहा कि हमारे बीच सहज बातचीत होती है। वह मुझे वह करने देती हैं जो मेरा मजबूत पक्ष है और मैं उसमें हस्तक्षेप नहीं करती जिसमें वह सर्वश्रेष्ठ हैं। जब हम बल्लेबाजी करते हैं तो पूरी बातचीत गणना पर आधारित होती है। हमें बड़ा स्कोर बनाने के लिए कितने रन बनाने होंगे। अगर हम लक्ष्य का पीछा कर रहे होते हैं तो हमारी बातचीत इस पर आधारित होती है ताकि हम आसानी से लक्ष्य का पीछा कर सकें। वह गणना करने में बहुत अच्छी है और वह जो भी मुझसे कहती है, मैं उसमें शामिल होना पसंद करती हूं। हम दोनों को सहजता के साथ आगे बढ़ना पसंद है। रावल ने जेमिमा रोड्रिग्स की अपने घरेलू मैदान पर 55 गेंदों पर नाबाद 76 रन की पारी पर कहा कि उसने वो रन बनाए जिनकी हमें ज़रूरत थी। तीन मैच हारने के बावजूद टीम के प्रयास में कमी नहीं थी। रावल ने कहा कि विकेटकीपर बल्लेबाज ऋचा घोष की उंगली की चोट गंभीर नहीं है।

क्रिकेट में अग्रणी बन सकता है भारत : डिवाइन

नवी मुंबई। न्यूजीलैंड की कप्तान सोफी डिवाइन ने भारत से मिली हार के बाद कहा कि महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) को कैलेंडर में जगह मिलने से भविष्य में भारत महिला क्रिकेट में अग्रणी देश बन सकता है। अपने पांचवें विश्व कप में न्यूजीलैंड की कप्तानी करने वाली डिवाइन रविवार को वनडे से संन्यास ले लेंगी, क्योंकि उनकी टीम गुरुवार को भारत से हार के साथ सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो गई। न्यूजीलैंड में घरेलू क्रिकेट में सुधार पर उन्होंने कहा कि हमें यथार्थवादी होना होगा कि ये चीजें रातोंरात नहीं होतीं। हम भारत की तरह नहीं हैं। हम सबसे निचले पायदान पर स्थित छोटा सा देश हैं, जिसकी आबादी पांच करोड़ है। भारत में जिस तरह से घरेलू क्रिकेट पर काम हो रहा है वह न्यूजीलैंड में हमारे काम करने के तरीके से भिन्न है।